हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 25 अक्टूबर 2026





कृषि मंत्री रामविचार नेताम का स्वागत करते हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी।



इंदिरा गांधी कृषि विवि के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल का स्वागत करते हुए हरिभूमि के स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा।



कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल परदेसी का स्वागत करते हुए हरिभूमि के महाप्रबंधक अनिल गहलावत।



कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल परदेसी को सम्मानित करते हुए हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी एवं संपादक समन्वय ब्रह्मवीर सिंह।

किसानों को तकनीकी रूप से बनाना होगा मजबूत, पशुपालन को भी हिस्सा बनाना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कृषि संवाद के दूसरे सत्र में हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने कृषि आधारित उद्योगों की संभावनाओं, कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण, बाजार तक पहुंच और किसानों के साथ उद्योगों के बेहतर तालमेल पर चर्चा की। इस सत्र में मिल्कियाना पशु आहार के डायरेक्टर प्रदीप अग्रवाल, एरिज एग्रो लिमिटेड के चीफ मार्केटिंग कंट्रोलर देवेंद्र कुमार तिवारी, केएससी टेक्नो प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ एवं एमडी सुनीत चतुर्वेदी, आईबी ग्रुप के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अमित जैन, शैमरॉक ओवरसीज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर मंदीप सिंह चावला और इंडस बेस्ट मेगा फूड पार्क के सीईओ डॉ. एसके मिश्रा शामिल हुए। इन सभी से चर्चा में किसानों की समस्याओं के बारे में भी बात हुई। किसानों को तकनीकी रूप से मजबूत बनाने के साथ ही किसानों को बाजार उपलब्ध कराने, किसानों को खेती से हटकर पशुपालन के लिए भी प्रोत्साहित करने की बात सामने आई। गायों को खुले में छोड़ने पर अंकुश लगाने से दूध का उत्पादन भी ज्यादा होने की बात सामने आई।





किसानों में जागरुकता जरूरी : चावला

शैमरॉक ओवरसीज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर मंदीप सिंह चावला से कहा, यह बात सही है कि कई बार किसानों को खाद सही नहीं मिल पाती है। लेकिन हमारी कंपनी के बारे में सभी जानते हैं कि हम किसानों को सही माल उपलब्ध करवाते हैं। यहां पर बैठे किसान ये बात जानते हैं। लेकिन कई बार ऐसा भी होता है कि किसानों को माल तो ठीक मिलता है, लेकिन उसका उपयोग ठीक से नहीं कर कर पाते हैं। किसानों में जागरूकता की कमी के कारण किसान कुछ भी दवाई फसल को बचाने के लिए डाल देते हैं, इससे नुकसान भी होता है। फसल की लागत भी बढ़ जाती है। किसानों में खासकर दवाईयों को लेकर जागरूकता जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा, भले छत्तीसगढ़ में धान का रकबा ज्यादा है, लेकिन बागवानी के मामले में भी अपना राज्य कम नहीं है। देश में छत्तीसगढ़ का नंबर दूसरा है। एक एकड़ में यहां पर 60 टन बैगन होते हैं।

तकनीकी जानकारी भी जरूरी : सुनीत चतुर्वेदी

केएससी टेक्नो प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ एवं एमडी सुनीत चतुर्वेदी ने कहा, किसानों के लिए तकनीकी जानकारी भी जरूरी है। हम लोग एआई के माध्यम से कृषि को कंट्रोल करने का प्रयास कर रहे हैं। किसानों को जब इस बात की जानकारी होगी कि कब क्या करना है तो उनके लिए आसानी होगी। ज्ञान के अभाव के कारण किसानों को परेशानी होती है। किसान जिस क्षेत्र में महारथ है उस क्षेत्र में काम करना चाहिए। अगर कोई किसान सब्जी के मामले में जानकारी है तो उनको सब्जी की खेती करनी चाहिए। जो किसान धान का जानकार है उनको धान की खेती करनी चाहिए। आज छत्तीसगढ़ का धान भी कई देशों में जाता है और इसकी अच्छी कीमत भी मिलती है।

दूसरे सत्र में कृषि आधारित उद्योगों से जुड़े लोगों से संवाद

दूसरी फसलों के लिए भी योजना जरूरी : प्रदीप अग्रवाल

मिल्कियाना पशु आहार के डायरेक्टर प्रदीप अग्रवाल, ने एक सवाल के जवाब में कहा, इसमें संदेह नहीं है कि राज्य की ग्रोथ के साथ कंपनी की भी ग्रोथ होती है है। उन्होंने कहा, आज मार्डन खेती का जमाना है। खेती को कमर्शियल नजर से देखना चाहिए। धान के अलावा जो दूसरे उत्पाद फायदा दिला सके ऐसी फसलों की भी खेती होनी चाहिए। हमारी सरकार को दूसरी फसलों के लिए भी योजना बनानी चाहिए। इसी के साथ किसानों को भी इसके लिए तैयार करना पड़ेगा। दूसरी फसलों के लिए असल में सरकार के पास कोई योजना नहीं है। अपने राज्य में मक्के की जितनी जरूरत है, उतना उत्पादन नहीं होता है। इसमें पानी भी कम लगता है। सोयाबीन की बात करें तो अपना राज्य में 30 हजार टन ही उत्पादन होता है जबकि इसकी डिमांड इससे बहुत ज्यादा है।

सब्जी की खेती भी फायदेमंद : देवेंद्र कुमार तिवारी

एरिज एग्रो लिमिटेड के चीफ मार्केटिंग कंट्रोलर देवेंद्र कुमार तिवारी ने कहा, छत्तीसगढ़ में भी धान की फसल ज्यादा होती है यह अलग बात है लेकिन सब्जी की खेती भी फायदेमंद है कहा जाए तो गलत नहीं होगा। अपने राज्य के टमाटर कई देशों में जाते हैं। उन्होंने खाद को लेकर कहा, किसानों का खाद का उपयोग कैसे करना है, यह देखना चाहिए। किसानों को मिट्टी की पहचान होनी चाहिए। मिट्टी की पहचान होने पर खाद का सही उपयोग होगा। हर फसल के पोषक तत्वों की जरूरत अलग-अलग होती है। फसल में सही खाद का उपयोग न होने से उसका स्वाद भी बदल जाता है।

किसानों को मौसम की जानकारी जरूरी : एसके मिश्रा

इंडस बेस्ट मेगा फूड पार्क के सीईओ डॉ. एसके मिश्रा ने कहा, फूड पार्क के लिए रा मटेरियल जरूरी है। छत्तीसगढ़ में 30 हजार हेक्टेयर में टमाटर की फसल होती है, लेकिन सबसे बड़ी समस्या यह है कि बड़े किसानों को तो मौसम की जानकारी होने पर उनके साथ समस्या नहीं होती, लेकिन छोटे किसानों को मौसम की जानकारी न मिलने के कारण उनकी फसल खराब हो जाती है। छोटे किसानों तक भी मौसम की जानकारी पहुंच सके इसकी व्यवस्था होनी चाहिए।



सुगंधित धान की खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहन राशि देने की मांग

कृषि संवाद में उठी किसानों की समस्याएं, धान खरीदी से लेकर फसल बीमा तक सुधार की मांग



हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कृषि संवाद कार्यक्रम में किसान संगठनों और भाजपा-कांग्रेस के किसान मोर्चा के नेताओं ने धान खरीदी की टोकन व्यवस्था, समर्थन मूल्य, फसल बीमा, जैविक खेती और खाद-बीज की उपलब्धता से जुड़े मुद्दे उठाए। नेताओं ने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नीतियों में सुधार, फसल नुकसान पर पर्याप्त मुआवजा और मैदानी परिस्थितियों के अनुरूप निर्णय लेने की जरूरत बताई।

किसी ने मंडियों में समर्थन मूल्य पर खरीदी सुनिश्चित करने की मांग की, तो किसी ने किसानों को जैविक खेती और उन्नत किस्मों के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डा. हिमांशु द्विवेदी के सवालों के जवाब देते हुए इन किसान नेताओं ने कई सुझाव भी दिए।

मंडियों में किसानों के उपज की समर्थन मूल्य में हो खरीदी : तेजराम विद्रोही

भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष तेजराम विद्रोही ने कहा, किसानों की समस्याओं के लिए संवाद आवश्यक है। हमने किसानों की समस्याओं के लिए कई बार कृषि मंत्री से समय मांगा पर समय नहीं मिला। वे आज कृषि संवाद कार्यक्रम में उपस्थित हैं। उन्होंने कहा, जनदर्शन की तरह जिला स्तर पर किसानों की समस्याओं के लिए जनदर्शन का आयोजन होना चाहिए।उन्होंने कहा किसान अपनी उपज समर्थन मूल्य में कभी भी बेच सके इसकी व्यवस्था सरकार को करनी चाहिए। कृषि अधिनियम 1972 की धारा 36 (3) के प्रावधानों के बारे में उन्होंने बताया कि इसमें पहले से प्रावधान है। प्रदेश के मंडियों में बोली के माध्यम से उपज की खरीदी होती है, इसमें समर्थन मूल्य पर ही बोली शुरू हो सरकार इसकी व्यवस्था करें। उन्होंने कहा, कि ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे बिजली मिल सके, ताकि किसानों को सिंचाई में कोई दिक्कत न हो।

धान खरीदी, टोकन व्यवस्था में करें सुधार: अभिषेक मिश्रा

छत्तीसगढ़ प्रदेश किसान कांग्रेस के अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने कहा, प्रदेश में किसानों के धान खरीदी व्यवस्था में सुधार होना चाहिए। टोकन व्यवस्था को देखें, तो दो एकड़ के किसान को 1 और दस एकड़ की खेती करने वाले किसान को दो टोकन दिया जाता है। 60 प्रतिशत से अधिक सीमांत किसानों रकबा 2.5 एकड़ का होता है। एक बार में किसान पूरा धान नहीं ला सकता, अतः टोकन व्यवस्था में सुधार की ओर सरकार को ध्यान देना चाहिए। साथ ही उन्होंने फसल चक्र परिवर्तन की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि सभी किसानों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, लेकिन गन्ना किसानों को छोड़ दिया गया है। यहां पर कृषि मंत्री बैठे हैं, वे इस ओर भी ध्यान दें।

फील्ड में उतर कर अधिकारी बनाएं नीतिः माधो सिंह

माधो सिंह प्रदेश अध्यक्ष भारतीय किसान संघ ने कहा कि प्रदेश में प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी की प्रावधान रखा गया है। पूरे प्रदेश में धान का उत्पादन अलग-अलग है। जशपुर-सरगुजा में प्रति एकड़ 12 क्विंटल उत्पादन होता है। अफसर मंत्रालय में बैठकर यह तय कर लेते हैं। उन्होंने मांग की मैदानी स्थिति की पूरी जानकारी लेने के बाद निर्णय लिया जाना चाहिए।उन्होंने कहा, हमारा संगठन संगठनात्मक, रचनात्मक और आंदोलन की गतिविधि पर जोर देता है। उन्होंने कहा, जैविक खेती की ओर ध्यान देना चाहिए। संघ की ओर से गौवंदन की योजना बनाई है, इसके तहत हर किसान के पास एक गाय होगी। संघ जल संरक्षण, स्वास्थ्य और शिक्षा पर भी काम करता हैं। जैविक खेती को बढ़ावा देने किसानों को गाय के चारे के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। गाय बंधेगी तभी नस्ल में सुधार होगा और किसानों में समृद्धि आएगी।

हमारे किसान आत्मनिर्भर बनेः आलोक सिंह

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह ने कहा, सरकार किसानों के उत्थान पर लगातार ध्यान दे रही है। लिए खाद और बीज उपलब्ध कराने के पूरे प्रयास किए जा रहे है। उन्होंने धान खरीदी में टोकन की अव्यवस्था से इंकार करते हुए कहा, इस पर सुधार किया गया है। बीज के मामले में हमारे किसान पहले आत्मनिर्भर होते थे, अब कंपनियों और सरकार पर डिपेंड हो गए हैं। पहले गांव, कोठार और कोठी होता था, इसे पुर्नजीवित करने की आवयकता है। उन्होंने कहा, होमुर्ज के रास्ते बंद होने के कारण इस साल खाद की दिक्कत हुई, लेकिन केंद्र और राज्य सरकार ने इसे समान्य बनाने की कोशिक की है।किसान आत्मनिर्भर बने इस ओर सरकार को ध्यान देना चाहिए।

मुआवजा कम होने से बीमा नहीं कराते किसानः भूपेंद्र दुबे

युवा प्रगतिशील किसान संघ के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र दुबे ने कहा, प्रदेश में किसानों की स्थिति अच्छी नहीं है। सरकार किसानों का धान समर्थन मूल्य में खरीदती है। उन्होंने सुझाव दिया कि सुगंधित धान की खेती करने वाले किसानों को धान बेचने पर 2 से 4 सौ रुपए का प्रोत्साहन किसानों को देना चाहिए। उन्होंने कहा, प्रदेश में उन्नत किस्म के धान की खेती करने वाले किसानों की संख्या में कमी है, उसे इससे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसानों को अपनी उपज बेचने बिचौलियों के पास जाना पड़ता है। जब उपज का रेट कम होता है तब वह फुड पार्क को देता है। सभी जिलों में मेगा फुड पार्क में उपज पहुंचाने के लिए किसानों को परिवहन की राशि दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, बीमा राहत सभी किसानों को मिलना चाहिए सब्जी उत्पादक किसान बीमा इसलिए नहीं कराता कि उन्हें नुकसान की भरपाई ठीक से नहीं होती। उन्होंने उदाहरण किया कि एक एकड़ में केले की खेती के लिए किसान को एक लाख का खर्च आता है। फसल नुकसान होने पर उसे 10 हजार रुपए बीमा की राशि मिलती है।

नकली पेस्टीसाइड बेचने वाली 14 कंपनियों पर अभियोजन, दो साल की सजा का प्रावधान



हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कृषि संवाद कार्यक्रम में कृषि की ओर से बाजार में बिकने वाले नकली बीज और पेस्टीसाइड और अमानक कृषि आदान बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई के संबंध में जानकारी दी गई। संचालक कृषि राहुल देव ने बताया कि बिना पंजीयन डी-ग्रेड पेस्टीसाइड बेचने वाली 14 कंपनियों के खिलाफ अभियोजन दर्ज किया गया है। धारा 31 के तहत की गई इस कार्रवाई में दो साल तक की सजा का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि इस साल नकली उर्वरक के मामलों में भी पिछले साल की तुलना में 15 गुना अधिक कार्रवाई की गई है।

बंजर पड़ी जमीनों पर हो रही पॉम ऑयल की खेती : लोकेश चंद्राकर

उद्यानिकी संचालक लोकेश चंद्राकर ने कहा, कृषि और उद्यानिकी विभाग समन्वित प्रयास कृषि का रकबा बढ़ा है। उद्यानिकी फसलों में 40-50 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जाती है। किसानों की बंजर भूमि जो खाली पड़ी थी, उसमें भी अब पॉम ऑयल की खेती कर किसान लाभ ले रहे हैं। अधिकांश किसान सब्सिडी का पूरा उपयोग की अच्छा लाभ ले रहे हैं। उन्होंने कहा, दिखाने के लिए कागज पर सब्सिडी लेने जैसी बात अब नहीं रही। मंडियों में भी सब्जियां किसान ले जा रहे हैं।

लैंड लिजिंग पॉलिसी बनाने पर हो विचार : शीतांशु शेखर

शीतांशु शेखर, महाप्रबंधक नाबार्ड ने कहा, छत्तीसगढ़ में खरीफ बेस्ड कृषि होती है। पंजाब के बाद छत्तीसगढ़ धान उत्पादन में आगे है। रबी और खरीफ में 123 मिलियन खेती हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में रबी के फसल को प्रमोट करने की आवश्यकता है। रबी में दलहन-तिलहन की खेती और फूड प्रोसेसिंग को बढ़ावा देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ के किसान खेती के लिए ऋण कम लेते हैं। प्रदेश के 1.1 प्रतिशत किसान ही खेती के लिए ऋण लेते हैं। सरकार द्वारा शून्य प्रतिशत में ऋण उपलब्ध कराने के बाद नहीं लेते। उन्होंने लैंड लिजिंग पॉलिसी बनाने पर जोर दिया, इससे बटाईदार किसानों को ऋण आसानी से मिल सकेगा।

नकली पेस्टीसाइड बेचने वालों पर अभियोजन : राहुल देव

संचालक कृषि राहुल देव ने कहा, कृषि को अधिक लाभप्रद बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। कृषि क्षेत्र में फसल चक्र परिवर्तन लाने के बाद दलहन के रकबे में 70-80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं तिलहन की फसल में 30 प्रतिशत तक वृद्धि देखने में आई है। कोदो, कुटकी, रागी की फसल लेने पर 10 हजार रुपए प्रति एकड़ का प्रोत्साहन किसानों को दिया जा रहा है। 2 लाख हेक्टेयर से अधिक पंजीकृत हैं। 350 बरोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि किसानों को दिया जा रहा है। उन्होंने नकली बीज और खाद की खपत को लेकर कहा कि इससे इंकार नहीं करता, विभाग ने इसके लिए प्रभावी कार्यप्रणाली बनाई है। इस साल नकली फर्टिलाइजर के मामले में 15 गुना अधिक कार्रवाई की गई है। डी-ग्रेड पेस्टीसाइड बेचने के मामले में 14 ऐसी कंपनियों पर अभियोजन दर्ज किया गया है, जो पंजीकृत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि धारा 31 के तहत यह कार्रवाई की गई है, जिसमें दो साल की सजा का प्रावधान है।

सरकार से इक्यूबेशन सेंटर बायो इकाई यूनिट की मांग : कुलपति

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति गिरीश चंदेल ने कृषि क्षेत्र में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहले लाइलीवुड बेस कृषि होती थी। अब यह कमर्शियल हो गई है। व्यावसायीकरण में उत्पादन बढ़ाकर लाभ कमा रहे हैं। आज स्टार्टअप, ईको सिस्टम, एआई के जरिए किसानों के उत्पादन को बढ़ावा देने वाला है। उन्होंने बताया कि विवि के 265 छात्रों ने मछलीपालन के क्षेत्र के स्टार्टअप के माध्यम से 5 लाख के उत्पादन को बढ़ाकर 50 लाख तक कर लाभ कमाने का कार्य किया। हाइब्रिड सीड ऑथेंटिक टेस्टिंग का कार्य विवि द्वारा किया जाता है। बीज निगम में 15 प्रतिशत राशि इसके लिए रखी जाती है। उन्होंने बताया कि नगरी के दुबराज और सरगुजा के जीरा राइस की जीआई टेगिंग किया गया है। राइस मिलरों के माध्यम से महिलाओं के समूह का धान 50-60 रुपए क्विंटल में खरीद कर 165 रुपए किलो तक बिक रही है। विवि द्वारा क्वालिटी सीड देने ब्रिडर सीड बनाने के प्रयास में हैं। क्लाइमेट चेंज और अन्य बातों का इसके एरोमा के समय ध्यान दिया जाता है। विवि में एपिडा लैब भी यहां पर है।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

कृषि संवाद में लागत, मुनाफे और बाजार का सवाल फसल विविधीकरण से लेकर तकनीक तक पर मंथन

खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए केवल सरकारी योजनाएं पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि किसानों को सही फसल के चयन, गुणवत्तापूर्ण खाद-बीज, आधुनिक तकनीक, सिंचाई, प्रसंस्करण और उपज के उचित बाजार तक पहुंच सुनिश्चित करना भी जरूरी है। इसी चुनौती पर हरिभूमि-आईएनएच के 'कृषि संवाद 2026' में किसानों, किसान संगठनों, कृषि विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, कृषि आधारित उद्योगों, सहकारी संस्थाओं और शासन के प्रतिनिधियों ने मंथन किया। चर्चा में धान पर अत्यधिक निर्भरता कम कर दलहन, तिलहन, मक्का और उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा देने, रबी के दौरान खाली रहने वाली जमीन का उपयोग करने, नकली खाद-बीज पर कार्रवाई, फसल बीमा में पर्याप्त मुआवजा, छोटे किसानों को बाजार से जोड़ने, कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण और तकनीक के बेहतर इस्तेमाल जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठे।

आईएनएच-हरिभूमि के कृषि संवाद में प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी से कृषि मंत्री का संवाद

खेती में फायदे के लिए करनी होगी इंटीग्रेटेड फार्मिंग छोटे सीमांत किसान मिलकर काम करें - नेताम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में किसानों को समन्वित खेती यानी इंटीग्रेटेड फार्मिंग करने की जरूरत है, यह करने से ही किसानों की आय बढ़ेगी और खेती का लाभ मिलेगा। उन्होंने राज्य के छोटे और सीमांत किसानों के लिए कहा कि इन किसानों को आपस में मिलकर सहकारिता के साथ काम करने की जरूरत है। यह करने से फसल की अच्छी क्वालिटी और अधिक उत्पादन मिलेगा, लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया तो नुकसान होगा। श्री नेताम ने यह बात शनिवार को आईएनएच हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के सवालों के जवाब में कृषि संवाद कार्यक्रम में कही। उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश।

- राज्य सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री के रूप में आप काम कर रहें, लेकिन इससे पहले भी आप कई विभागों के मंत्री के रूप में काम कर चुके हैं, लेकिन इस बार जब आपको बताया गया कि कृषि विभाग संभालना है, तो इसे कैसे देखा क्या समझ में आया आपको।
- अपनी बात की शुरुआत करते हुए श्री नेताम ने सबसे पहले आईएनएच हरिभूमि के प्रति आभार जताया कि उन्हें इस मंच पर इतने महानुभवों के साथ विचार साझा करने का अवसर दिया गया। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग संभालना सौभाग्य की बात है, जिन लोगों को ये अवसर मिला है, उनमें से एक मैं भी हूं। कृषि मंत्री होना प्रदेश के किसान भाईयों की आशा और उम्मीद की किरण की तरह होता है।





- पिछली सरकार में भूपेश बघेल मुख्यमंत्री थे, वे खुद को किसान बताते है, उन्होंने नरवा-गरवा -घुरवा बाड़ी सहित कई अन्य कार्यक्रम भी चलाए। उनके काम करने के बाद आपके लिए क्या काम बचा है।
- उन्होंने सपने बेचने का काम किया, इसका खामियाजा छत्तीसगढ़ के किसानों को भुगतना पड़ा। अब हमारे जिम्मे ये जो काम है वह हमारे लिए मौका है। हमारी सरकार ने किसानों को धान का मूल्य 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल दिलाया, 21 क्विंटल प्रति एकड़ के हिसाब से धान खरीद रहे है, किसानों के लिए खाद, बीज से लेकर बाजार की सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं। किसानों को और अधिक सुविधा कैसे मिले, यह सोच कर विभाग काम कर रहा है, हालांकि ये काम शत प्रतिशत नहीं हुआ है। अगर इतना सब पूरा कर लें तो प्रश्न ही नहीं रहेगा। किसान और कृषि जब तक रहेंगे तब तक उनकी उनकी दिक्कते, पानी, बिजली, खाद, बीज आदि की समस्या रहेगी। लेकिन सरकार की नीति और नीयत साफ है । राज्य में अमानक बीज, खाद बेचने वालों के खिलाफ पहली बार इतनी सख्त कार्रवाई और एफआईआर भी हुई है। किसान को कोई ठगे नहीं, उन्हें उपज की पूरी कीमत मिले यह सोचकर हम काम कर रहे हैं। कोई शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाती है। सरकार किसानों को लेकर संवेदनशील और गंभीर है।
- राज्य में छोटे और सीमांत किसान मिलकर सहकारिता के माध्यम से काम करें, इसके लिए सरकार क्या कर रही है।
- इस दिशा में काम करने के लिए बहुत से एफपीओ बनाए गए हैं। जब तक किसान सहकारिता के आधार पर काम नहीं करेंगे तब तक लाभ नहीं मिलेगा। यह करने के लिए किसानों को इंटिग्रेटेड फार्मिंग करनी होगी। खरीफ और रबी दोनों सीजन में धान की फसल लेंगे तो जमीन की उत्पाकता कम होगी, ये बात हमारे पूर्वज भी बताते थे, यही बात अब वैज्ञानिक भी बताते हैं। इस तरह से जो किसान काम कर रहे हैं तो अच्छी क्वालिटी का अधिक उत्पादन मिल रहा है। लेकिन किसान अगर इस पर ध्यान नहीं देंगे। को नुकसान होगा। ▶▶शेष पेज 5 पर

गन्ना की सबसे अधिक कीमत छत्तीसगढ़ में, मक्का की कांट्रेक्ट फार्मिंग भी होगी: परदेसी

आईएनएच- हरिभमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के साथ कृषि संवाद में चर्चा



छत्तीसगढ़ के कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेसी का कहना है कि छत्तीसगढ़ में गन्ना किसानों को अभी जितनी कीमत मिल रही है, वह देश में सबसे अधिक है। यही नहीं राज्य में मक्का का उत्पादन बढ़ाने की कोशिश के तहत कांट्रेक्ट फार्मिंग की भी शुरुआत की जा रही है। एथेनॉल प्लांट भी लेकर आ रहे हैं और मक्का को मंडी शुल्क से मुक्त करने की तैयारी भी है। श्री परदेसी ने यह बात शनिवार को हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ हिमांशु द्विवेदी के सवालों के जवाब में कृषि संवाद कार्यक्रम में कही। उनसे हुए चर्चा के प्रमुख अंश।

- *छत्तीसगढ़ की नौकरशाही में मुख्य सचिव के बाद सबसे महत्वपूर्ण पद कृषि उत्पादन आयुक्त का माना जाता है। ये पद जितना महत्वपूर्ण है उतना ही चुनौती भरा भी है। किस रूप में देखते हैं ये चुनौती।*
- *छत्तीसगढ़ एक कृषि बाहुल्य क्षेत्र है। यहां की अधिकांश योजनाएं कृषि से ही जुड़ी होती हैं। इसलिए ये काम चुनौती पूर्ण है।*
- *इस काम में परेशान कब होते हैं, जब धान का उत्पादन ज्यादा हो जाए या जब कम हो।*
- *हम चाहते हैं पैदावार बढ़े, किसानों की उत्पादकता बढ़े, फसल का विविधीकरण हो। किसानों को ज्यादा से ज्यादा लाभ मिले।*
- *फसल चक्र परिवर्तन की बात राज्य गठन के समय से चल रही है, 25 साल बाद भी क्या वजह है कि धान से शुरु होकर धान पर खत्म।*
- *छत्तीसगढ़ में गन्ना, दलहन, तिलहन, और कपास की पैदावार भी होती थी, पीएम आशा योजना में दलहन-तिलहन का रकबा बढ़ा है। धान का रकबा एक प्रतिशत कम हुआ है। किसान धान के अलावा अतिरिक्त अन्य फसल भी ले रहे हैं, इस पर काम चल रहा है।*
- *इस प्रदेश में शुगर फैक्टरियां खोली गईं, सरगुजा, कवर्धा, पंडरिया में कवर्धा को छोड़कर बाकी सभी फैक्टरियां सांसों के लिए भी जूझ रही हैं क्योंकि उन्हें गन्ना नहीं मिल रहा है। ये कडवाहट क्यों?*
- *ये कड़वाहट नहीं है। मिठास बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर गन्ने की कीमत 355 रुपए से बढ़ाकर 425 रुपए की गई है। इसकी वजह से अब गन्ने का रकबा भी बढ़ेगा। राज्य में किसानों को गन्ने की इतनी कीमत दी जा रही है जितनी देश के किसी राज्य में नहीं मिलती है। इसके साथ ही एथेनाल बनाने पर भी काम किया जा रहा है।*
- *हार्टीकल्चर(बागवानी) मुनाफे का सौदा बने, पर इसके किसानों की संख्या सैकड़ो में है, लोग दुखी हैं।*
- *बागवानी में बढोत्तरी के लिए कैबिनेट में निर्णय लिया गया और किसानों को 15 हजार रुपए प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। बागवानी में सब्जी, ड्रैगन फ्रूट नाशपत्ती, कटहल, काजू, पर भी काम कर रहे हैं।* ▶▶शेष पेज 5 पर

सरकार किसानों को धान से ऊपर लाए, एक फसल से गुजारा संभव नहीं

हरिभूमि आईएनएच के कृषि संवाद के पहले सत्र में किसानों ने अपनी बात रखते हुए कहा, सरकार को किसानों को धान से ऊपर लाना होगा। एक फसल से किसानों का गुजारा संभव नहीं है। सरकार को बागवानी, दलहन, तिलहन को लेकर भी योजना बनानी चाहिए। इनकी फसलों के लिए भी कुछ होने से किसान इन फसलों की तरफ जाएंगे। जो छोटे किसान सब्जी और अन्य फसलों की खेती कर रहे हैं, उनको अपने उत्पाद के सही दाम नहीं मिल पाते हैं, इसके लिए छोटी-छोटी मंडी बनाने से ही किसानों को सही दाम मिल पाएंगे। ▶▶शेष पेज 5 पर

हरिभूमि-आईएनएच के संपादक समन्वयक ब्रह्मवीर सिंह ने किसानों से किया संवाद



नहीं मिल पाते सही दाम : रूपेंद्र

रूपेंद्र जायसवाल ने बताया, 882 किसान सामूहिक खेती कर रहे हैं, लेकिन सबसे बड़ी समस्या यह है कि छोटे किसानों को बाजार में अपने उत्पाद के सही दाम नहीं मिल पाते। किसानों को उनकी फसल के सही दाम मिल पाएं, इसके लिए उन्होंने सुझाव देते हुए कहा, सरकार को छोटी-छोटी मंडियों की व्यवस्था करनी चाहिए। ऐसा होने से किसानों को सही दाम मिल सकेंगे। उन्होंने नकली खाद और बीज की समस्या की तरफ ध्यान दिलाया और कहा, इसके लिए सरकार ▶▶शेष पेज 5 पर



तीसरे की भी तबीयत बिगड़ी चौथे से चल रही पूछताछ

एक साथ चार ने पी शराब, बिगड़ी तबीयत, पार्षद समेत दो की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पामगढ़

नगर पंचायत पामगढ़ में शुक्रवार रात चार लोगों ने एक साथ बैठकर शराब पी। इसके कुछ देर बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी बताया जाता है कि इनमें पार्षद व उसके एक साथी की बिलासपुर में उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजन एवं ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार 23 अक्टूबर की रात नगर पंचायत पामगढ़ के वार्ड क्रमांक 8 के पार्षद रामखिलावन जांगड़े (55) और निजी क्लीनिक संचालक जोहितराम खरे (52) के अपने दो और साथियों के साथ पुराना अस्पताल ▶▶शेष पेज 5 पर





इस तरह हुई पूरी घटना

परिजनों व ग्रामीणों से मिली जानकारी के मुताबिक निजी क्लीनिक संचालक जोहितराम जरूरत पड़ने पर लोगों को पैसे देता था। बताया जाता है कि उसने कमलनाथ उर्फ राजा को बड़ी राशि दी है,जिसकी वसूली के लिए जोहित और पार्षद रामखिलावन दोनों उसके पास गए हुए थे। इसके बाद उन्होंने शराब पीने की योजना बनाई। राजा के साथ उसका साथी मुकेश भी शामिल हो गया। चारों पुराना अस्पताल के पीछे पहुंचे और वहां शराब पी इसके बाद जोहित और ▶▶शेष पेज 5 पर

बसपा ने लगाया सुनियोजित हत्या का आरोप

शराब पीने के बाद मौत की घटना में बहुजन समाज पार्टी ने हत्या का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। पार्टी से वार्ड क्रमांक 8 के पार्षद रामखिलावन जांगड़े और निजी क्लीनिक संचालक जोहितराम खरे के शराब पीने से मौत की घटना को बहुजन समाज पार्टी ने सुनियोजित हत्या करार दिया है। घटना के विरोध में बहुजन समाज पार्टी ने एसडीएम के ▶▶शेष पेज 5 पर

थाने में बिगड़ गई तबीयत

शराब पीने के बाद दो लोगों की मौत की सूचना पर पुलिस टीम हरकत में आई। प्रारंभिक पूछताछ करते हुए पुलिस ने गोलू उर्फ मुकेश कश्यप को पकड़ा, वही कमलनाथ उर्फ राजा को भी थाना लाया गया। बताया जाता है कि यहां पूछताछ के दौरान कमलनाथ उर्फ राजा की तबीयत बिगड़ने लगी। उसे भी उल्टियां होने लगी ऐसे में उसे उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया।

नदी में नहाने उतरे एक ही परिवार के चार सदस्यों की डूबने से गई जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिश्रामपुर

सूरजपुर जिले के ग्राम सरस्वतीपुर से गुजरी रेड़ नदी घूमने और नहाने के उद्देश्य से पहुंचे एक ही परिवार के एक युवक व तीन बच्चों समेत चार लोगों की नदी के गहरे पानी में डूब जाने से मौत हो गई। घटना शनिवार प्रातः करीब 11 बजे की बताई गई है। घटना की सूचना सरस्वतीपुर सरपंच द्वारा मोबाइल के माध्यम से पुलिस को देने के बाद मौके पर पहुंची बिश्रामपुर पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से एक- एक कर चारों शवों को नदी से बरामद कर लिया है। शव के पंचनामा कार्यवाही के बाद चारों शवों को पीएम के लिए बिश्रामपुर अस्पताल लाया गया है,यहां परिजनों के आ जाने के बाद रविवार को सभी का पीएम होगा। मृतकों में दो बच्चे बिहार राज्य के कटिहार जिले के निवासी बताए गए हैं ▶▶शेष पेज 5 पर



इनकी हुई मौत

मृतकों की पहचान विवेक सिंह पिता विद्यानंद सिंह 45 वर्ष, अभिजीत सिंह पिता विवेक सिंह 17 वर्ष कृष्ण गोपाल पिता जितेंद्र सिंह 13 वर्ष, गोपाल कृष्ण पिता जितेंद्र सिंह 15 वर्ष के रूप में पहचान हुई है।

दो किशोर मौसी के घर आए थे घूमने

बताया जाता है कि हादसे में मृत साली के बच्चों कृष्ण गोपाल और गोपाल कृष्ण को विवेक आज शनिवार को छोड़ने के लिए कटिहार जाने वाले थे। इसके पहले ये हादसा हो गया। मृतकों में विवेक और अभिषेक दोनों पिता पुत्र हैं जबकि दो बच्चे कृष्ण गोपाल गोपाल कृष्ण दोनों सगे भाई हैं, जो अपनी मौसी के यहां घूमने आए हुए थे। मृतक अभिजीत अपने पिता का इकलौता पुत्र था। कृष्ण गोपाल और गोपाल कृष्ण भी अपने मां पिता की दो ही संतान थे। घटना से परिवार में हाहाकार मच गया। एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत की घटना सूरजपुर जिले में शोक और मातम की स्थिति निर्मित कर दी है।

खबर संक्षेप

12वीं कक्षा की छात्रा का जला हुआ शव मिला

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर स्थित एक स्कूल में गार्ड के कक्ष के पीछे 12वीं कक्षा की छात्रा का जली अवस्था में शव मिला। इस घटना से 18 वर्षीय छात्रा का परिवार के सदस्य सदमे में हैं। पुलिस को स्कूल में आग लगने की सूचना पीसीआर के जरिए मिली थी, जिसके बाद कृष्णा नगर थाने के पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे, जहां उन्हें छात्रा का शव मिला। पूर्वाह्न 11:58 बजे सूचना मिली थी कि एक छात्रा ने स्कूल के अंदर खुद को कथित तौर पर आग लगा ली है। अग्निशमन अधिकारी अनूप सिंह ने कहा, लड़की कितने प्रतिशत झुलसी इसकी जानकारी अस्पताल ही दे सकता है।

आंध्र-ओडिशा के तटों से टकराएगा चक्रवात

भुवनेश्वर। बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। इसके 28 अक्टूबर की सुबह उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा के तटों के बीच कहीं टकराने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, कम दबाव के क्षेत्र के अवदाब में बदलने के आसार हैं। इसके पश्चिम-उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने और 25 अक्टूबर को गहरे अवदाब तथा 26 अक्टूबर की सुबह तक पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान में बदलने की प्रबल संभावना है।

भारत ने न्यूजीलैंड के जबड़े से छीनी जीत

तिलक और नीतीश ने ध्वस्त किया 17 साल पुराना रिकॉर्ड



क्राइस्टचर्च। भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 4 विकेट से हराया। तिलक वर्मा और नीतीश कुमार रेड्डी ने ना सिर्फ पारी को संभाला बल्कि जीत दिलाकर भी वापस लौटे, जिसमें दोनों के बीच 7वें विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी देखने को मिली और इसके दम पर दोनों ने मिलकर 17 साल पुराने एक ▶▶शेष पेज 5 पर

रेड्डी और तिलक ने मोर्चा संभाला

अंत के ओवरों में नीतीश कुमार रेड्डी और तिलक वर्मा ने मोर्चा संभाला और सातवें विकेट के लिए 30 गेंदों में 69 रनों की अटूट साझेदारी निभाते हुए भारतीय टीम को जीत दिलाई। तिलक ने 26 गेंदों में 6 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 51 रन बनाए, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी 13 गेंदों में 26 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से मिचेल सैंटनर ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 21 रन देकर 4 विकेट चटकाए।

बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव में सोनिया ने खुद बताई कहानी

रेस्टोरेंट से शुरू हुई थी राजीव के साथ लव स्टोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने अपने दिवंगत पति एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी से पहली मुलाकात और उनके प्रेम संबंध की शुरुआत के दिनों को याद करते हुए शनिवार को कहा कि राजीव बेहद सौम्य और आकर्षक थे। उनकी सौम्यता ने उन्हें पहली मुलाकात में ही प्रभावित कर दिया था। सोनिया गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपनी आगामी आत्मकथा से जुड़ा एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने कैमब्रिज में राजीव गांधी से पहली मुलाकात और उनके प्रेम संबंध की शुरुआत के दिनों को याद किया। इंस्टाग्राम के बाद सोनिया गांधी अब 'एक्स' पर भी आ गई हैं और यह इस मंच पर उनकी पहली पोस्ट है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, कैमब्रिज के एक छोटे से यूनानी रेस्तरां में मेरी प्रेम यात्रा शुरू हुई। सोनिया गांधी ने कहा, राजीव और मैंने प्रेम, खुशी और यादों से भरी अपनी एक दुनिया बनाई। मैं 10 नवंबर को उस दुनिया को आप सबके साथ साझा करूंगी। उनकी आत्मकथा 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' 10 नवंबर को प्रकाशित होगी।

वीडियो में सोनिया गांधी ने इंग्लैंड में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा कि उस समय वहां का खाना उन्हें पसंद नहीं था और आज की ▶▶शेष पेज 5 पर



इंग्लैंड के खाने के बारे में क्या कहा?

सोनिया ने बताया कि इंग्लैंड में खाना बहुत खराब था। उन दिनों, आज की तरह इतने सारे रेस्टोरेंट नहीं हुआ करते थे, इसलिए मैं हमेशा ऐसी जगह की तलाश में रहती थी जहां मुझे अपने पसंद का इटैलियन खाना मिल सके।फिर हमें एक ऐसी जगह मिली। यह एक ग्रीक रेस्टोरेंट था, जहां कई छात्र खासकर यूरोपियन और भारतीय छात्र खाना खाने आते थे। उसी रेस्टोरेंट में मेरी राजीव से मेरी मुलाकात हुई।

वैलेंटाइन पार्टी में गए थे सोनिया-राजीव

सोनिया गांधी ने बताया कि जब मैं राजीव से पहली बार मिली तो मुझे तुरंत ही महसूस हो गया कि वह ऐसे इंसान हैं जिनके साथ रहना मुझे बहुत अच्छा लगेगा। उसके बाद में मुझे पता चला कि उनके मन में भी यही बात थी। एक बार हम एक वैलेंटाइन पार्टी में गए, जहां बहुत सारे छात्र मौजूद थे। वह देखने में बहुत ही शांत स्वभाव के इंसान लगते थे। बेशक, वह बहुत हैंडसम थे, लेकिन उनके स्वभाव में एक खास सौम्यता थी। इस बात ने मुझे बहुत प्रभावित किया। उनसे मैं अपनी पहली मुलाकात को कभी नहीं भूल सकती।

इंदिरा और राजीव की हत्या के बाद बदली जिंदगी

1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने। सात साल बाद, 1991 में राजीव की भी हत्या कर दी गई। सोनिया ने बताया कि अपनों को खोने के दर्द ने उन्हें सार्वजनिक जीवन और राजनीति की ओर धकेला। इससे पहले वह अपनी निजी जिंदगी को सार्वजनिक नजरों से दूर रखना चाहती थीं।

फ्रांस में अंजाम दी गई बेरोक-टोक अग्निकांडों और लूटपाट की वारदातों से समूची दुनिया स्तब्ध होकर रह गई है। आखिरकार इस विनाशकारी हिंसक आंदोलन की बुनियाद में कौन से प्रमुख कारण विद्यमान रहे हैं? अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन हिंसक वारदातों के लिए फ्रांस के इस्लामी प्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया है, जबकि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों इसके पीछे अल्ट्रा लेफ्ट ताक़तों को जिम्मेदार मानते हैं। इस हिंसक विरोध आंदोलन की कड़ियां भारत तक जुड़ गई हैं। इसमें विदेशी संगठनों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य केवल सरकारों की नीतियों का विरोध करना है या चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करना भी है? इन सवालों ने हाल ही में अमेरिकी समाचार चैनल फॉक्स न्यूज की एक खोजी रिपोर्ट के बाद चर्चा का रूप ले लिया है। यूरोप के हिंसक प्रदर्शनों से भारत को सबसे बड़ा सबक यह मिलता है कि लोकतंत्र केवल चुनाव कराने तक सीमित नहीं है। उसकी वास्तविक मजबूती नागरिकों के भरोसे, संस्थाओं की निष्पक्षता, शांतिपूर्ण असहमति की स्वतंत्रता और कानून के समान अनुपालन में निहित है। भारत ने जिस तरह से हालिया प्रदर्शनों को नियंत्रित किया है, उस पर टिप्पणी को लेकर मानवाधिकार संगठनों का छद्म छलावा प्रदर्शित होता है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

फ्रांस से उठा यूरोप में फैला हिंसक तूफान



विश्लेषण

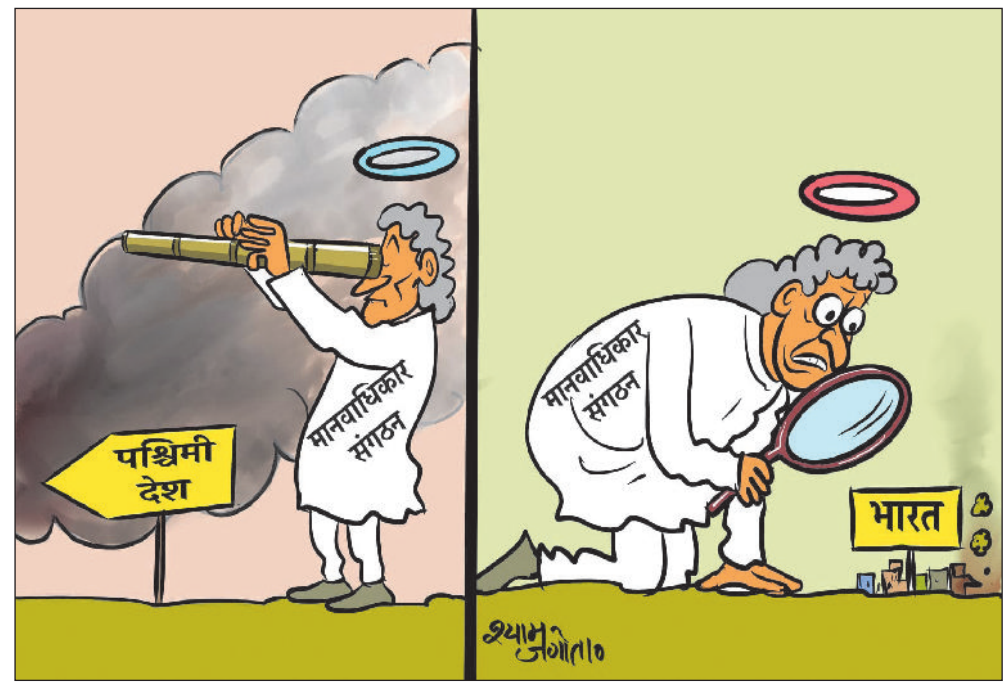
प्रभात कुमार राय

विदेश मामलों के जानकार

संपूर्ण दुनिया स्तब्ध होकर रह गई है, जबकि फ्रांस की राजधानी पेरिस और आसपास के नगरों की सार्वजनिक इमारतों से उठती हुई विनाशकारी अग्नि ज्वालाओं का दुनिया ने दीदार किया। फ्रांस में अंजाम दी गई बेरोक-टोक अग्निकांडों और लूटपाटों ने फ्रांस का ही नहीं, वरन् समूची दुनिया के दिल को हिला कर रख दिया है। इंतहा तो तब हो गई, जब पेरिस से उठा हिंसककारी आंदोलन अल्बानिया, इटली, स्पेन, सर्बिया आदि यूरोप के अनेक देशों में भी फैल गया है। आखिरकार इस विनाशकारी हिंसक आंदोलन की बुनियाद में कौन से प्रमुख कारण विद्यमान रहे हैं? अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा फ्रांस में अंजाम दी गई हिंसक वारदातों के लिए फ्रांस के इस्लामी प्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। ट्रंप ने अपने मतदाताओं को खबरदार करते हुए फरमाया कि बस आप फ्रांस को देख लीजिए। ट्रंप ने यह भी कहा कि फ्रांस का पेरिस नगर बहुत जल्दी एक मुस्लिम बहुल नगर बन जाएगा।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने डोनाल्ड ट्रंप के बयान को बेहूदा और एकदम गलत बताया। यह कहना कि फ्रांस के इस्लामी प्रवासियों की भारी भीड़ ने फ्रांस पर हमला किया है, डोनाल्ड ट्रंप की यह बात पूरी तरह से बेबुनियाद और सरासर झूठ है। मैक्रों ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप अपने चुनाव अभियान के लिए हमारे देश के विद्यार्थी आंदोलन के विषय में एकदम झूठ बोल रहे हैं। फ्रांस में हिंसक वारदातों के लिए फ्रांस की अल्ट्रा लेफ्ट ताक़तें जिम्मेदार हैं। 16 सितंबर 2026 का दिन था। पेरिस से तकरीबन 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है गांव का एक हाई स्कूल, जहां से फ्रांस में विद्यार्थियों के वर्तमान आंदोलन की शुरुआत हुई। विद्यार्थियों की दीर्घ काल से सरकार से मांग रही है कि उनके स्कूल में पर्याप्त संख्या में टीचर्स नहीं हैं और स्कूल की हालत बहुत जर्जर है। आखिरकार विद्यार्थियों द्वारा अपने स्कूल के दरवाजे बंद कर दिए गए। एक स्कूल से शुरू हुआ विद्यार्थी आंदोलन आसपास के स्कूलों में तेजी के साथ फैल गया, क्योंकि तकरीबन सभी स्कूलों के हालात बहुत ही खराब रहे हैं।

16 सितंबर 2026 का दिन था। पेरिस से तकरीबन 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है गांव का एक हाई स्कूल, जहां से फ्रांस में विद्यार्थियों के वर्तमान आंदोलन की शुरुआत हुई। विद्यार्थियों की दीर्घ काल से सरकार से मांग रही है कि उनके स्कूल में पर्याप्त संख्या में टीचर्स नहीं हैं और स्कूल की हालत बहुत जर्जर है। आखिरकार विद्यार्थियों द्वारा अपने स्कूल के दरवाजे बंद कर दिए गए। एक स्कूल से शुरू हुआ विद्यार्थी आंदोलन आसपास के स्कूलों में तेजी के साथ फैल गया, क्योंकि तकरीबन सभी स्कूलों के हालात बहुत ही खराब रहे हैं। इन स्कूलों के अध्यापक भी विद्यार्थियों के आंदोलन में शामिल हो गए और उनके मेहनतकश मां-बाप भी धीमे-धीमे इसमें शामिल होने लगे। कुछ ही दिनों में आंदोलन तेजी से फ्रांस में विस्तारित हो गया।



फ्रांस में आपातकाल घोषित होने के आसार

वामपंथी शक्तियां बेहद खराब शिक्षा व्यवस्था, बेरोजगारी और कमरतोड़ महंगाई को इस अत्यंत हिंसक आंदोलन के लिए जिम्मेदार ठहरा रही हैं। 17 अक्टूबर को फ्रांस की राजधानी पेरिस के प्रदर्शन स्थल प्लाजा द ला रिपब्लिक पर तकरीबन आठ लाख लोग वस्तुतः बढ़ती हुई महंगाई और अच्छी सरकारी शिक्षा के लिए शांतिपूर्वक प्रदर्शन करने के लिए एकत्रित हुए थे। किंतु काले कपड़ों में कुछ नकाबपोश एक्टिविस्टों के एक गिरोह के आने के बाद शांतिपूर्ण प्रदर्शन अत्यंत हिंसक हो उठा। अभी तक तकरीबन पांच हजार उपद्रवियों को हिरासत में लिया गया है। फ्रांस के प्रधानमंत्री लेकोर्नो द्वारा भयानक हिंसा के लिए अल्ट्रा लेफ्ट के एक्टिविस्टों को दोषी करार दिया गया है। भयानक हिंसा के तांडव तत्पश्चात राष्ट्रपति मैक्रों द्वारा बयान जारी किया गया कि फ्रांस में आपातकाल नाफिज किया जा सकता है। फ्रांस के गृहमंत्री लारा न्युनेज ने कहा है कि पेरिस के अनेक नगरों में हिंसक विरोधी प्रदर्शन के बाद हालात दंगा नियंत्रक पुलिस के नियंत्रण से बाहर निकल गए। गृहमंत्री द्वारा भी हिंसक दंगों के लिए अल्ट्रा लेफ्ट के एक्टिविस्टों को दोषी करार दिया गया है। फ्रांस में प्रदर्शनों का दौर जारी है। राष्ट्रपति मैक्रों की सरकार प्रदर्शनकारियों से बातचीत के लिए तैयार है।

6 माह बाद फ्रांस में होंगे चुनाव

ये सभी मेहनतकश किसानों और मजदूरों के बच्चों के सरकारी स्कूल हैं। इन स्कूलों के अध्यापक भी विद्यार्थियों के आंदोलन में शामिल हो गए और उनके मेहनतकश मां-बाप भी धीमे-धीमे इसमें शामिल होने लगे। उल्लेखनीय है कि कुछ ही दिनों में हाई स्कूल के विद्यार्थियों का आंदोलन बहुत तेजी के साथ संपूर्ण फ्रांस में विस्तारित हो गया। हाई स्कूल के विद्यार्थियों के आंदोलन में फ्रांस की यूनिवर्सिटियों के विद्यार्थी भी शामिल होने लगे और अमीरों के स्कूलों के विद्यार्थी भी इस आंदोलन को अपना समर्थन प्रदान करने के लिए सड़कों पर आ गए। फ्रांस के मजदूरों की ट्रेड यूनियन्स भी आंदोलन में शामिल हो गई। विद्यार्थी आंदोलन का मुकाबला करने के लिए दंगा नियंत्रक पुलिस फोर्स भेजी गई। क्योंकि ये कहीं-कहीं आंदोलन हिंसक होने लगा था। उल्लेखनीय है कि अगले वर्ष 6 महीनों के बाद फ्रांस में राष्ट्रपति के चुनाव आयोजित होने वाले हैं। राष्ट्रपति चुनाव में मुख्य मुकाबला वामपंथी और दक्षिणपंथी उम्मीदवारों के बीच होना है। राष्ट्रपति पद की प्रबल दावेदार हैं प्रवासी विरोधी अति राष्ट्रवादी दक्षिणपंथी मरीन ले पेन और पूंजीवाद के घोर विरोधी वामपंथी उम्मीदवार जीन ल्यूक मेलेचोन।

राजनीतिक दल भी शामिल

फ्रांस के राजनीतिक दल भी इस हिंसक बन चुके आंदोलन में शामिल होकर अपने-अपने लिए सुर्खियां बटोरने की होड़ में जुटे हुए हैं। इस वक्त फ्रांस में हिंसक तांडव अत्यंत तीव्रता के साथ बढ़ रहा है। फ्रांस के आंदोलन में जारी भयानक आगजनी और हिंसक तांडव फ्रांस के वर्तमान इतिहास में सबसे खराब घटनाओं में से एक रहा है। फ्रांस में हिंसक तनाव राजनीति के गलियारों से लेकर सड़कों तक तांडव करता नजर आ रहा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के मुख्यालय एलिसी पैलेस के अनुसार देश के गृहमंत्री लॉरेंट न्युनेज ने अपना त्यागपत्र देने की पेशकश की थी, जिसे राष्ट्रपति ने अस्वीकार कर दिया और फरमाया कि फ्रांस की सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए और भयानक हिंसा के दोषी अपराधियों को इंसाफ के कठघरे में लाने के लिए सख्त तौर तरीके अख्तियार किए जाएं। फ्रांस की हुकूमत के मुताबिक तकरीबन दो हजार दुकानों और व्यवसायों में आगजनी और लूटपाट अंजाम दी गई है। दंगा नियंत्रक पुलिस द्वारा हिंसक भीड़ पर आंसू गैस के गोले दागे गए। वाटर कैनन की बौछारें की गई। जगह-जगह पर पुलिस को उपद्रवी भीड़ को लाठियां से पीटते हुए देखा गया।

मैक्रों की नीतियों की आलोचना

कहीं भी फ्रांस की दंगा नियंत्रक पुलिस द्वारा हिंसक उपद्रवियों पर गोलियां नहीं दागी गई। सिर्फ एक व्यक्ति के हताहत होने का समाचार है। फ्रांस के गृहमंत्रालय के अनुसार 17 अक्टूबर को लगभग एक हजार पुलिसकर्मी बुरी तरह से घायल हुए। जिसमें सात की हालत बहुत गंभीर है। विश्व पटल पर प्रख्यात पर्यटक सिटी ऑफ़ लाइट पेरिस में आजकल दुर्भाग्यवश अंधकार छाया हुआ है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा पेरिस के कुछ हिस्सों में और कुछ अन्य शहरों में कर्फ्यू नाफीज कर दिया गया है। फ्रांस के राष्ट्रपति मेक्रों ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय एकता और शांति बनाए रखने का आह्वान किया। राष्ट्रपति द्वारा फ्रांसीसी जनता को आश्वासन देने का प्रयास किया गया कि हिंसा के दोषियों को कानून द्वारा कठोरतापूर्वक दंडित किया जाएगा। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की नीतियों की जमकर आलोचना भी की जा रही है। कहा जा रहा है कि उनके शासनकाल के दौरान फ्रांस के हालात बद से बदतर होते गए हैं। फ्रांस की दक्षिणपंथी शक्तियां मध्यमार्गी राष्ट्रपति मैक्रों की फ्रांसीसी हुकूमत को उसकी विनाशकारी प्रवासी नीतियों के लिए जिम्मेदार ठहरा रही हैं

एकांगी दृष्टिकोण के असर में मानवाधिकार संगठन



दिखावा

उमेश चतुर्वेदी

राजनीतिक समीक्षक

यह कोई पहला मौका नहीं है, जब भारतीय सुरक्षा बलों और सरकार पर उसकी कार्रवाई को लेकर मानवाधिकार संगठनों ने सवाल उठाया हो। कश्मीर घाटी में आतंकी खून बहाते रहे, तब मानवाधिकार संगठनों ने कोई सवाल नहीं उठाया, लेकिन जब भी इन आतंकियों के खिलाफ भारतीय बलों ने कड़ी कार्रवाई की, उनके समर्थकों को सीखचों के पीछे डालना शुरू किया, मानवाधिकार संगठनों को उनके मानवाधिकार की चिंता होने लगी। ऐसे में हालिया आंदोलनों के दौरान भारत सरकार की कार्रवाई को लेकर मानवाधिकार संगठन सवाल नहीं उठाते तो ही हैरत होती। नीट परीक्षा के खिलाफ कॉंकरोच जनता पार्टी के बीस जुलाई के संसद मार्च के दौरान जो हिंसा हुई, उसके खिलाफ अगर सुरक्षा बल, ताकत का इस्तेमाल नहीं करते तो बाद में वे ही सवालों के घेरे में होते। संसद से महज दो सौ मीटर की दूरी पर जिस तरह आंदोलन में शामिल असामाजिक और अराजक तत्व उकसाऊ कार्रवाई कर रहे थे, उसमें पुलिस और प्रशासन के पास बल प्रयोग के अलावा कोई दूसरा चारा भी नहीं था। सोचिए अगर, उस दिन उपद्रवी संसद में घुस जाते और भारतीय संसद के साथ कुछ वैसी ही अनहोनी होती, जैसा अभी हालिया प्रदर्शन के दौरान अल्बानिया में हुआ है तो क्या भारतीय लोकतांत्रिक समाज उसे स्वीकार कर पाता? भारत में हालिया आंदोलनों की शुरूआत नीट परीक्षा में धांधली के विरोध में हुई। इसी दौरान अचानक से एक नई पार्टी 'कॉंकरोच जनता पार्टी' बनी और उसके बैनर तले देशभर के युवाओं ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर डेरा डाल दिया। मर्यादित आंदोलनों के जरिए लोक अपना गुस्सा निकालकर शांत हो जाता है। लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि लोक में अराजक तत्व भी होते हैं और वे आंदोलनों की ताक में रहते हैं। लोकतांत्रिक आंदोलनों में वे मौका पाते ही घुस जाते हैं और अराजकता को बढ़ावा देते हैं। कॉंकरोच जनता पार्टी के बीस जुलाई के संसद में मार्च में ऐसा ही हुआ। कॉंकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च में ऐसा ही हुआ। सुरक्षा बलों पर पत्थर फेंकने में जेनुइन छात्रों की संख्या कम, अराजक और असामाजिक तत्वों की संख्या ज्यादा रही। इस तथ्य को सुरक्षा बलों ने भी स्वीकार किया है। सुरक्षा बलों के नरम रूख के पीछे आंदोलन में शामिल युवा रहे। सुरक्षा बलों और प्रशासन को लगता था कि अगर युवाओं के खिलाफ कार्रवाई हुई तो मामला बिगड़ सकता है। लेकिन जैसे ही यह आंदोलन एसआईआर के खिलाफ और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की ओर बढ़ा, इसने राजनीतिक रंग ले लिया। निश्चित तौर पर इस पूरे आंदोलन में छात्र कहीं नेपथ्य में जाते हुए दिखे और मोर्चे पर कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दल दिखे। सुरक्षा बलों ने अपना संयम बनाए रखा। चुनाव आयोग पर प्रदर्शन के लिए संसद से निकले विपक्षी सांसदों और उनके समर्थकों को एहतियातन हिरासत में लिया गया। लोगों को जुटने से रोका गया। हो सकता है कि इस दौरान कुछ लोगों के साथ हाथापाई भी हुई हो, किसी को चोट लगी हो। आंदोलन में ऐसा होना स्वाभाविक भी है। दुनिया की कोई भी सरकार आंदोलनकारियों का फूलों से स्वागत नहीं करती। सरकार और सुरक्षा बलों ने जिस तरह संयम दिखाकर सिर्फ हिरासत में लेकर आंदोलन को हिंसक होने से रोकने में सफलता पाई, उसका समाज के एक बड़े हिस्से ने स्वागत भी किया है। आंदोलनकारियों के खिलाफ सड़कों पर उतरी जनता को आसानी से भाजपा का एजेंट कहा जा सकता है। लेकिन त्योहारी मौसम में कारोबारी नुकसान पहुंचा रहे कनॉट प्लेस के कारोबारियों का आंदोलन के विरोध में खड़ा होना मामूली बात नहीं है। इससे साफ हुआ कि जनता भी ऐसे आंदोलनों को पसंद नहीं कर रही। दुर्भाग्य यह है कि चाहे एमनेस्टी इंटरनेशनल हो या फिर ह्यूमनराइट वाच, या संयुक्त राष्ट्र संघ की समिति, उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम, सुरक्षा बलों के संयम, प्रधानमंत्री को दी गई गालियों की ओर ध्यान नहीं दिया। एसआईआर और नीट परीक्षा में धांधली के खिलाफ हुए आंदोलनों के दौरान पुलिस कार्रवाई पर एमनेस्टी इंटरनेशनल और संयुक्त राष्ट्र संघ की समिति एवं विशेषज्ञों का चिंता जताना मामले का एक तरफा संज्ञान लेना है। ह्यूमन राइट्स वॉच और संयुक्त राष्ट्र की नस्लीय भेदभाव उन्मूलन समिति यानी यूएनसीईआरडी ने अपनी रिपोर्टों में, देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभावपूर्ण नीतियां अपनाने और उनके खिलाफ नफरती भाषण आदि का आरोप लगाया है। ये संगठन विदेशी अंशदान नियमन अधिनियम यानी एफसीआरए और कड़े आतंकवाद-विरोधी कानूनों, मसलन यूएपीएके दुरुपयोग का भी भारत पर आरोप लगाते रहे हैं। मानवाधिकार संगठन चाहे जो भी कहें, लेकिन विशेषकर राजधानी दिल्ली में जिस तरह सुरक्षा बलों ने खुद पर हुए हमलों के बावजूद जवाबी कार्रवाई में संयम दिखाया, उसकी तारीफ होनी चाहिए। पश्चिमी समाज और उसके कथित मानवाधिकार संगठनों का नजरिया विशेषकर तीसरी दुनिया के देशों के लिए एकतरफा ही रहा है। बेशक भारत आर्थिक रूप से दुनिया की चौथी बड़ी शक्ति बन चुका है, लेकिन अब भी भारत को लेकर उनकी सोच पुरानी ही है। जिसे अब देश की अधिसंख्य जनता समझने लगी है, इसीलिए अब ऐसे आरोपों और पर्यवेक्षणों से भारतीय मानस उस तरह प्रभावित नहीं होता, जैसा अतीत में होता रहा है।

ह्यूमन राइट्स वॉच व संयुक्त राष्ट्र की नस्लीय भेदभाव उन्मूलन समिति यानी यूएनसीईआरडी ने अपनी रिपोर्टों में, देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभावपूर्ण नीतियां अपनाने और उनके खिलाफ नफरती भाषण आदि का आरोप लगाया है।

विरोध-प्रदर्शनों के पीछे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क



रिपोर्ट

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

दुनिया के अलग-अलग देशों में होने वाले विरोध-प्रदर्शनों के बीच क्या कोई अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क भी काम कर रहा है? क्या कुछ विदेशी संगठन स्थानीय असंतोष को साझा राजनीतिक अभियान का रूप देने की कोशिश कर रहे हैं? और क्या इन गतिविधियों का उद्देश्य केवल सरकारों की नीतियों का विरोध करना है या चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करना भी है? इन सवालों ने हाल ही में अमेरिकी समाचार चैनल फॉक्स न्यूज की एक खोजी रिपोर्ट के बाद चर्चा का रूप ले लिया है।

रिपोर्ट में फ्रांस में छात्र आंदोलनों और भारत में हुए राजनीतिक विरोध-प्रदर्शनों के बीच कथित संबंधों का उल्लेख किया गया है। इसमें इंडियन एलायंस पेरिस (आईएपी) नामक संगठन का भी जिक्र है। हालांकि, रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों और स्वतंत्र रूप से प्रमाणित तथ्यों के बीच अंतर करना जरूरी है। फॉक्स की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि विभिन्न देशों में सक्रिय 101 संगठन विरोध-प्रदर्शनों के आयोजन, उनके प्रचार या उनके संदेशों को व्यापक स्तर पर प्रसारित करने में जुड़े हुए हैं। इस कथित नेटवर्क में वामपंथी और समाजवादी समूहों, छात्र संगठनों, श्रमिक संघों, मीडिया मंचों तथा राजनीतिक सक्रियता से जुड़े संगठनों की भूमिका है। इस दावे का आधार यह है कि अलग-अलग देशों में होने वाले आंदोलनों के बीच सोशल मीडिया संदेशों, सार्वजनिक बयानों, संगठनों के आपसी संपर्क और एकजुटता अभियानों के माध्यम से संबंध बनते दिखाई देते हैं। फ्रांस में छात्रों के आंदोलनों और भारत में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इस्तीफे की मांग से जुड़े विरोध-प्रदर्शनों का संदर्भ इसी सिलसिले में सामने आया है। यहां एक महत्वपूर्ण सवाल है। क्या विरोध-प्रदर्शनों के बीच वैचारिक समानता, साझा संदेश या अंतरराष्ट्रीय समर्थन अपने आप में किसी गुप्त साजिश का प्रमाण है? ऐसे संबंध किसी संगठित राजनीतिक अभियान की मौजूदगी का संकेत दे सकते हैं, लेकिन उनसे यह स्वतः सिद्ध नहीं होता कि संबंधित संगठन किसी चुनी हुई सरकार को गिराने या विरोध-प्रदर्शन शुरू कराने की योजना चला रहे हैं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट में इंडियन एलायंस पेरिस को फ्रांस में सक्रिय भारतीय मूल के छात्रों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों से जुड़ा संगठन बताया गया है। इस संगठन ने फ्रांस प्रदर्शनों से संबंधित संदेशों को सोशल मीडिया पर साझा किया और भारत तथा फ्रांस में युवाओं के आंदोलनों के बीच समानताओं को रेखांकित किया। रिपोर्ट में न्यूयॉर्क स्थित पीपुल्स फोरम और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक मंच प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल का भी उल्लेख किया गया है। इन संगठनों और कुछ अन्य समूहों के बीच संपर्कों को आधार बनाकर यह सवाल उठाया गया है कि क्या अलग-अलग देशों के आंदोलनों को साझा राजनीतिक दिशा देने की कोशिश हो रही है। इंडियन एलायंस पेरिस का नाम सामने आने से भारत में भी इस मुद्दे पर राजनीतिक बहस तेज हुई है। हालांकि, किसी संगठन का दूसरे संगठनों के साथ कार्यक्रम आयोजित करना, किसी आंदोलन का समर्थन करना या सोशल मीडिया पर संदेश साझा करना अपने आप में गैरकानूनी गतिविधि अथवा सरकार गिराने की साजिश का प्रमाण नहीं है। इसके लिए वित्तीय लेन-देन, निर्देशों, संगठनात्मक नियंत्रण और वास्तविक गतिविधियों से जुड़े ठोस साक्ष्यों की जरूरत होती है। इस पूरे विवाद का एक महत्वपूर्ण पहलू विदेशी वित्त पोषण है। रिपोर्ट में अमेरिकी कारोबारी नेविल रॉय सिंघम और उनसे जुड़े कुछ संगठनों का उल्लेख किया गया है। इस विषय पर विचार करते समय लोकतंत्र के दो बुनियादी सिद्धांतों को ध्यान में रखना होगा। पहला, चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करने के लिए विदेशी धन, गुप्त निर्देशों या गैरकानूनी हस्तक्षेप का इस्तेमाल गंभीर चिंता का विषय हो सकता है। यदि ऐसे हस्तक्षेप के प्रमाण मिलते हैं, तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। आवश्यक है कि किसी भी रिपोर्ट में किए गए दावों की जांच दस्तावेजों, वित्तीय रिकॉर्ड, प्रत्यक्ष साक्ष्यों और संबंधित संगठनों के जवाबों के आधार पर की जाए। यह भी देखना चाहिए कि संगठनों के बीच संबंध केवल वैचारिक समर्थन और प्रचार तक सीमित हैं या वास्तव में किसी देश की राजनीतिक व्यवस्था को प्रभावित करने के लिए निर्देशित गतिविधियां संचालित की गई हैं।



इंडियन एलायंस पेरिस का नाम सामने आने से भारत में भी इस मुद्दे पर राजनीतिक बहस तेज हुई है। हालांकि, किसी संगठन का दूसरे संगठनों के साथ कार्यक्रम आयोजित करना, किसी आंदोलन का समर्थन करना अपने आप में गैरकानूनी गतिविधि अथवा सरकार गिराने की साजिश का प्रमाण नहीं है।

समय पर संवाद और समाधान जरूरी



मंथन

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन जनता की आवाज बुलंद करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं। जब सरकारें जनभावनाओं को अनसुना करती हैं, नीतियों से असंतोष बढ़ता है या लोगों को लगता है कि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा तब सड़कों पर उतरकर विरोध करना स्वाभाविक है। जब यही विरोध हिंसा, आगजनी, तोड़फोड़ और पुलिस से टकराव का रूप ले लेता है, तो सवाल केवल प्रदर्शनकारियों के उद्देश्यों का नहीं रह जाता, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था, सामाजिक स्थिरता और कानून के शासन का भी बन जाता है। यूरोप के विभिन्न देशों में समय-समय पर हुए हिंसक प्रदर्शनों से भारत को भी कई महत्वपूर्ण सबक मिलते हैं। हालांकि यूरोप एक समान राजनीतिक या सामाजिक इकाई नहीं है।

फ्रांस में पेंशन सुधारों के विरोध, किसानों के आंदोलन, ब्रिटेन में दंगों और अन्य देशों में आर्थिक असंतोष से जुड़े प्रदर्शनों की परिस्थितियां अलग-अलग रही हैं। इसलिए हर घटना को एक ही नजरिये से देखने के बजाय उसके कारणों और परिणामों को समझना आवश्यक है। हिंसक प्रदर्शनों का पहला सबक यह है कि जन-असंतोष को समय रहते समझना और उसका समाधान करना किसी भी सरकार की जिम्मेदारी है। महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता, किसानों की समस्याएं, सामाजिक भेदभाव और भविष्य को लेकर असुरक्षा जैसे मुद्दे लोगों में नाराजगी पैदा कर सकते हैं। यदि नागरिकों को लगता है कि उनकी बात सुनने वाला कोई नहीं है, तो व्यवस्था के प्रति अविश्वास गहरा सकता है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में यह चुनौती और भी महत्वपूर्ण है। यहां भाषाई, धार्मिक, जातीय, क्षेत्रीय और आर्थिक विविधता के कारण अलग-अलग वर्गों की अपेक्षाएं भी अलग हैं। सरकारों को चाहिए कि वे नीतियों के निर्माण और क्रियान्वयन में जनसंवाद को प्राथमिकता दें। समय पर संवाद और शिकायतों का समाधान कई बार उस स्थिति को पैदा होने से रोक सकता है, जिसमें सामान्य विरोध उग्र हो जाता है। हालांकि यह भी समझना जरूरी है कि हर हिंसक घटना का कारण सरकारी नीतियों की विफलता ही नहीं होता। अफवाहें, संगठित उकसावे, आपराधिक तत्व और राजनीतिक ध्रुवीकरण भी परिस्थितियों को बिगाड़ सकते हैं। लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत यह है कि नागरिक सरकार की नीतियों से असहमति जता सकते हैं। शांतिपूर्ण प्रदर्शन, धरना, जुलूस और सार्वजनिक बहस लोकतांत्रिक व्यवस्था के आवश्यक अंग हैं। लेकिन किसी नीति का विरोध करने का अधिकार सार्वजनिक संपत्ति जलाने, दुकानों को लूटने, वाहनों में आग लगाने या आम नागरिकों की सुरक्षा खतरे में डालने का अधिकार नहीं बन जाता। यूरोप की हिंसक घटनाएं यह याद दिलाती हैं कि जब विरोध की सीमा टूटती है, तो सबसे अधिक नुकसान अक्सर उन्हीं आम लोगों को उठाना पड़ता है जिनके हितों की रक्षा का दावा किया जाता है। कारोबार प्रभावित होता है, सार्वजनिक परिवहन बाधित होता है, छोटे दुकानदारों की आजीविका पर असर पड़ता है और भय का वातावरण बनता है। सोशल मीडिया जनसमस्याओं को सामने लाने, लोगों को संगठित करने और प्रशासन तक शिकायतें पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है। लेकिन यही माध्यम भ्रामक सूचनाओं, पुराने वीडियो को नई घटना बताकर प्रसारित करने, नफरत फैलाने और भीड़ को उकसाने का जरिया भी बन सकता है। यूरोप और भारत, दोनों के संदर्भ में यह एक महत्वपूर्ण चुनौती है। तनावपूर्ण परिस्थितियों में बिना पुष्टि की गई खबरें आग में घी डालने का काम कर सकती हैं। नागरिकों को किसी भी संदेश या वीडियो को साझा करने से पहले उसकी सत्यता जांचनी चाहिए।

यूरोप के हिंसक प्रदर्शनों से भारत को सबसे बड़ा सबक यह मिलता है कि लोकतंत्र केवल चुनाव कराने तक सीमित नहीं है। उसकी वास्तविक मजबूती नागरिकों के भरोसे, संस्थाओं की निष्पक्षता, शांतिपूर्ण असहमति की स्वतंत्रता और कानून के समान अनुपालन में निहित है। आखिरकार किसी भी आंदोलन का उद्देश्य व्यवस्था को बेहतर बनाना होना चाहिए, उसे हिंसा और अराजकता के हवाले करना नहीं।



यूरोप की हिंसक घटनाएं याद दिलाती हैं कि जब विरोध की सीमा टूटती है, तो सबसे अधिक नुकसान अक्सर उन्हीं आम लोगों को उठाना पड़ता है जिनके हितों की रक्षा का दावा किया जाता है। कारोबार प्रभावित होता है, सार्वजनिक परिवहन बाधित होता है, छोटे दुकानदारों की आजीविका पर असर पड़ता है।

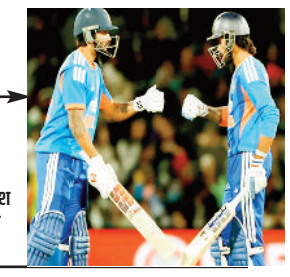
बिलासपुर
रविवार 25 अक्टूबर 2026
आश्विन शुक्ल पक्ष चर्तुदशी
वर्ष : 26, अंक : 215
पृष्ठ : 12+8 = 20 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 32.6
न्यून. 20.6

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

समाचार ही नहीं, विचार भी



03
भारत का 300वां मैच, 200वीं जीत, तिलक-नीतीश ने पलटा मैच

आजकल
फ्रांस से उठा यूरोप में फैला



पहले होर्डिंग्स बैन और अब स्वागत रद्द, आज आएंगी स्मृति, दिनभर लेंगी बैठकें

भाजपा की नई प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी के नए फरमान के बाद प्रदेश भाजपा संगठन की प्रदेश प्रभारी का भव्य स्वागत करने की तैयारी भी धरी रह गई। प्रदेश प्रभारी के निर्देश के मुताबिक सिर्फ आधा दर्जन पदाधिकारी ही विमानतल पर उनकी अगवानी करने और उनको लेने के लिए जाएंगे। इसके पहले प्रदेश प्रभारी ने स्वागत में होर्डिंग्स न लगाने का फरमान जारी किया था।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भाजपा के प्रदेश संगठन ने रायपुर शहर जिला और ग्रामीण जिला के साथ बैठक करके प्रदेश प्रभारी का भव्य स्वागत करने की तैयारी की थी। इसके लिए रायपुर के 20 मंडलों से पांच हजार से ज्यादा की भीड़ जुटाने की पूरी तैयारी थी। इसी के साथ प्रदेश का पूरा मंत्रिमंडल, विधायक, सांसद, प्रदेश के पदाधिकारी विमानतल पर स्वागत करने जाने वाले थे। एक हजार युवाओं की बाइक रैली भी निकालने की तैयारी थी, लेकिन प्रदेश प्रभारी को इसके बारे में जानकारी होने पर उन्होंने साफ स्वागत करने से मना कर दिया। ⏭शेष पेज 5 पर

खास खबर

विमानतल पर अगवानी करने जाएंगे सिर्फ आधा दर्जन पदाधिकारी



शाम को होगी कोर ग्रुप की बैठक

स्मृति ईरानी और सिद्धार्थ शंभू 11.30 बजे प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, महामंत्री यशवंत जैन, नवीन मार्कंडेय और अखिलेश सोनी के साथ बैठक करके पूरी जानकारी लेंगी। 12.30 से 1.30 बजे तक प्रदेश पदाधिकारियों और फिर 1.30 से 2.30 बजे तक संभाग और जिलों के प्रभारियों और सह प्रभारियों के साथ बैठक होगी। 3.30 से 5.00 बजे तक दो बार के पूर्व सांसद और विधायकों के साथ लंबी चर्चा होगी। इनसे फीड बैक भी लिया जाएगा। इसके ठीक बाद 5.30 से 7.00 बजे तक प्रदेश संगठन के पूर्व पदाधिकारियों के साथ संवाद होगा। अंत में 7.00 से 8.30 बजे तक कोर ग्रुप की बैठक होगी।

सोमवार को मंत्रिमंडल से वन टू वन

दूसरे दिन सोमवार को बैठकों का आगाज 10 बजे विधायकों के साथ होगा। इस बैठक में भी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और पूरा मंत्रिमंडल रहेगा। विधायकों के साथ प्रदेश प्रभारी 1.30 घंटे तक चर्चा करेंगी। 11.30 से 12.30 बजे तक सांसदों के साथ बात होगी। 12.30 बजे से 2.00 बजे तक प्रदेश के मंत्रिमंडल के साथ अलग से वन टू वन बात होगी। 3.00 से 4.30 बजे तक निगम, मंडल, आयोग, बोर्ड के अध्यक्ष, उपाध्यक्षों के साथ बैठक होगी। अंत में 4:30 बजे से 5:30 बजे तक विचार परिवार के प्रमुख पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों के साथ संवाद व बैठक होगी। इसके बाद प्रदेश प्रभारी और सह प्रभारी वापस दिल्ली लौट जाएंगे।

Ninh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

शहीद एक्सप्रेस की स्लीपर बोगी में आग

लखनऊ। बिजनौर जिले में नगीना रेलवे स्टेशन के पास शहीद एक्सप्रेस की स्लीपर बोगी से अचानक धुआं उठने और मामूली आग लगने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। इस घटना में किसी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है। अमृतसर से जयनगर जा रही शहीद एक्सप्रेस नगीना रेलवे स्टेशन के पास से गुजर रही थी।



हिमाचल में मेडिकल पीजी की 320 सीटें

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश के छह सरकारी मेडिकल कॉलेजों में स्नातकोत्तर (पीजी) मेडिकल की 320 सीट को मंजूरी दे दी है। इसके लिए भारत सरकार करीब 415 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। नड्डा ने उम्मीद जताई कि राज्य सरकार इसी तत्परता से आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करेगी ताकि लोगों को जल्द से जल्द इस पहल का लाभ मिल सके।

सज्जन होंगे कश्मीर के नए मुख्य सचिव

जम्मू। एजीएमयूटी कैडर के आईएएस अधिकारी डॉ. सज्जन सिंह यादव एक नवंबर से जम्मू-कश्मीर के नए मुख्य सचिव के तौर पर पदभार संभालेंगे और अटल डुल्लू की जगह लेंगे। सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से, डॉ. सज्जन सिंह यादव को दिल्ली से स्थानांतरित कर एक नवंबर 2026 से या उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से, जो भी बाद में हो, मुख्य सचिव के तौर पर तैनात किया जाता है।



आरटीआई कार्यकर्ता के खिलाफ लगाया मकोका

मुंबई। नवी मुंबई पुलिस ने खुद को सूचना का अधिकार आरटीआई कार्यकर्ता बताकर इसकी आड़ में वसूली करने वाले गिरोह के खिलाफ महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम लगाया है। संयुक्त पुलिस आयुक्त ने क्षेत्र के रियल एस्टेट डेवलपर्स को ब्लैकमेल करने, धमकाने और उनसे पैसे ऐंठने के आरोप में त्रिभुवन लालबिहारी और उसके सहयोगियों के खिलाफ मकोका के तहत अभियोजन चलाने की 21 अक्टूबर को मंजूरी दी।

शिकंजे में अब तक 10 आरोपी, खुलने लगीं हैं साजिश की परतें!

टाइगर श्रॉफ पर हमला, इंदौर-सूरत कनेक्शन ने बढ़ाई जांच की आंच

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हमले के मामले में जांच का दायरा अब दो और राज्यों तक फैल गया है। हमले के तार राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के बाद अब मप्र के इंदौर और गुजरात के सूरत से जुड़ने की बात सामने आने के बाद जांच में नया मोड़ आ गया है। हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। शनिवार को मुंबई पुलिस ने इंदौर से प्रांजल नाम के युवक को पकड़ा है। वहीं सूरत से दो हथियार और कारतूस बरामद किए गए हैं।

एजेंसी ⏭ मुंबई/इंदौर/सूरत

टाइगर श्रॉफ पर हुए जानलेवा हमले के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच के हाथ बहुत बड़ी सफलता लगी है। पुलिस ने इस हाई-प्रोफाइल केस की जांच में तेजी लाते हुए गुजरात के सूरत से दो हथियार और 10 जिंदा कारतूस बरामद कर लिए हैं। माना जा रहा है कि इन्हीं हथियारों का इस्तेमाल एक्टर की कार पर गोलियां बरसाने के लिए किया गया था। हालांकि अभी इस पर मुंबई क्राइम ब्रांच की मुहर लगना बाकी है। इसके अलावा मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम ने इंदौर से एक पुरुष संदिग्ध को हिरासत में लिया है, जिसकी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। शुक्रवार को मुंबई क्राइम ब्रांच की टीमों ने इस मामले के सिलसिले में एक गुप्त ठिकाने पर छापेमारी की थी।

हथियारों और कारतूसों की जांच

सूरत से मिले इन हथियारों और कारतूसों को अब फोरेंसिक जांच और बैलिस्टिक टेस्टिंग के लिए भेज दिया गया है, ताकि यह पुख्ता किया जा सके कि घटनास्थल पर मिले खाली खोखे इन्हीं हथियारों से दागे गए थे या नहीं। पुलिस इस बात का भी पता लगाने में जुटी है कि इन हथियारों की तस्करी और सप्लाई के पीछे और कौन-कौन लोग शामिल थे।



अब तक 11 दबोचे गए

इस सनसनीखेज वारदात के बाद मुंबई पुलिस ने हत्या के प्रयास और अन्य गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए अब तक मप्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से कुल 11 लोगों को धर दबोचा है। इस पूरे मामले में सबसे बड़ा मोड़ तब आया जब गैंगस्टर अनिल पंडित को वांछित आरोपी बनाया गया। मुंबई डीसीपी राज तिलक रौशन ने शनिवार को बताया कि इस गिरफ्तारी के साथ ही केस में अब तक कुल 11 आरोपी पकड़े जा चुके हैं।

हिरासत में संदिग्ध युवक

एक्टर टाइगर श्रॉफ पर हमले की साजिश के तार अब इंदौर से जुड़ गए हैं। मुंबई में टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग कर हत्या की कोशिश के मामले में इंदौर क्राइम ब्रांच ने प्रांजल नामक युवक को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि वह हमले की प्लानिंग में शामिल था। मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम को आरोपी के इंदौर में होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद इंदौर क्राइम ब्रांच ने कार्रवाई करते हुए प्रांजल को हिरासत में लिया। अब पुलिस उससे पूछताछ कर साजिश से जुड़ी जानकारियां जुटाने का प्रयास कर रही है।

हाईकोर्ट ने भाई की दूसरी अपील खारिज की

बेटी को पैतृक संयुक्त संपत्ति से नहीं किया जा सकता वंचित



हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

पिता की मृत्यु वर्ष 1980 में होने के आधार पर बेटी को पैतृक संयुक्त संपत्ति में हिस्से से वंचित नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट ने हिंदू उत्तराधिकार कानून में 2005 के संशोधन और सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए भाई की दूसरी अपील खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने बहन को जमीन के आधे हिस्से का बंटवारा और अलग कब्जा देने के निचली अदालतों के फैसले को बरकरार रखा है। मामला ⏭शेष पेज 5 पर

फैसले को दी थी चुनौती

निचली अदालतों ने बहन के पक्ष में फैसला सुनाते हुए आधे हिस्से का बंटवारा और अलग कब्जा देने का आदेश दिया था, जिसे भाई ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने कहा केवल 12 वर्ष से अधिक समय तक खेती करने से प्रतिकूल कब्जा साबित नहीं होता। संयुक्त पारिवारिक संपत्ति में एक सह-हिस्सेदार का कब्जा सामान्यतः सभी की ओर से माना जाता है, जब तक दूसरे के अधिकार को स्पष्ट रूप से समाप्त करने का प्रमाण न हो।

इधर, घायल महिला को 19 लाख का मुआवजा

सड़क हादसे में घायल महिला को मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण द्वारा दिए गए 19 लाख 20 हजार 900 रुपए के मुआवजे को हाईकोर्ट ने बरकरार रखा है। कोर्ट ने मुआवजा बढ़ाने की मांग करने वाली महिला और मुआवजा कम करने की मांग वाली बीमा कंपनी की अपील खारिज कर दी है।

हूती विद्रोहियों ने बनाया निशाना

सऊदी अरब में तेल ठिकाने और एयरपोर्ट पर फिर हमला

दुबई। यमन के हूती विद्रोहियों ने शनिवार को सऊदी अरब के तेल ठिकानों और एयरपोर्ट्स पर हमला किया है। हूती प्रवक्ता याह्या सरी के मुताबिक, निशाने पर सऊदी तेल कंपनी अरामको का यानबू ठिकाना, राबिग तेल रिफाइनरी और रियाद, दम्माम व नजरान के एयरपोर्ट थे। सऊदी सिविल डिफेंस ने मक्का और मदीना में मिसाइलों के टुकड़े गिरने की चेतावनी दी है। लोगों से सुरक्षित जगहों पर रहने को कहा गया है। सऊदी अरब के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने कहा कि उसने पश्चिमी सऊदी अरब के ताइफ और यानबू की ओर दागी गई दो मिसाइलों को बीच में ही रोक दिया। इसके बाद सऊदी सिविल डिफेंस ने ताइफ, यानबू, मक्का और जेद्दा में लोगों को खतरे की चेतावनी दी। लोगों से नजदीकी सुरक्षित जगह पर जाने को कहा गया।

भारत ने सऊदी अरब में उड़ानें रद्द होने से प्रभावित अपने नागरिकों, खासकर उमरा यात्रियों के लिए शनिवार को परामर्श जारी करते हुए कहा कि उनकी जल्द वापसी के लिए वहां के अधिकारियों के साथ समन्वय किया जा रहा है। जेद्दा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कहा कि जेद्दा और मक्का में उसके 24 घंटे सक्रिय नियंत्रण कक्ष प्रभावित भारतीय नागरिकों को जरूरी सहायता मुहैया करा रहे हैं। इसमें सामुदायिक संगठनों और स्वयंसेवकों का भी सहयोग मिल रहा है।

एयर इंडिया ने रद्द कीं उड़ानें

सऊदी अरब में लगातार बिगड़ते हालात को देखते हुए एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस की रियाद और दमाम के लिए आने-जाने वाली उड़ानें 7 नवंबर 2026 तक स्थगित रहेंगी। वहीं, जेद्दा के लिए आने-जाने वाली सेवाएं 31 अक्टूबर 2026 तक स्थगित रहेंगी।

इधर, फ्रांस में सड़क पर लाखों प्रदर्शनकारी

फ्रांस में प्रदर्शनकारी लगातार बवाल मचाए हुए हैं। यहां सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शन हुए हैं। इन सभी का मुद्दा देश में बढ़ती महंगाई और शिक्षा के लिए फंड की कमी है, जिसको लेकर लोगों में गुस्सा पसरा हुआ है। सुरक्षाबलों से प्रदर्शनकारियों की झड़प भी देखने को मिली है। हाल ही में हुई हिंसा को दोबारा रोकने की कोशिश के दौरान यह झड़प फिर से हुई है। फ्रांसीसी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के आधिकारिक आंकड़ों की मानें तो पूरे देश में करीबन 4 लाख 10 हजार प्रदर्शनकारी मोर्चाबंदी किए हुए हैं।

सड़क निर्माण स्थल पर बड़ा हादसा

पिकअप ट्रक में डीजल भरते वक्त लगी आग, 5 जिंदा जले

एजेंसी ⏭ पिनाकोटा

आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीतारामराजू जिले में एक सड़क निर्माण स्थल पर पिकअप ट्रक में डीजल भरते समय आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई। यह घटना अनंतगिरि मंडल के पिनाकोटा गांव में सड़क निर्माण स्थल पर हुई। दूरदराज इलाके में होने के कारण श्रमिक वाहनों में ईंधन भरने के लिए आमतौर पर ड्रम में डीजल लेकर आते हैं।

इधर, ट्रक से टकराई कार, छह की मौत

जयपुर। राजस्थान में सादुलपुर कस्बे के पास शनिवार सुबह हुए सड़क हादसे में एक बच्चे समेत छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतकों में से पांच लोग एक ही परिवार के हैं। ढढरेवा-तारानगर सड़क मार्ग पर यह हादसा उस समय हुआ, जब एक तेज रफ्तार कार आगे जा रहे ट्रक से टकरा गई। कार में सात लोग सवार थे।

मृत्युदंड के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचे मुस्कान और साहिल

एजेंसी ⏭ मेरठ

यूपी के चर्चित नीले ड्रम हत्याकांड मामले में फांसी की सजा पा चुके मुस्कान और साहिल हाईकोर्ट पहुंचे हैं। उन्होंने मेरठ कोर्ट के फैसले को चुनौती दी है। दोनों ने फांसी की सजा के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सौरभ हत्याकांड मामले में कोर्ट ने दोनों को 14 अक्टूबर को फांसी की सजा सुनाई थी। इसके बाद से ही दोनों ने



मेरठ कोर्ट के फैसले को दी चुनौती

फांसी के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देने का फैसला किया था। दोनों चाहते हैं कि निचली हदालत द्वारा सुनाए गए फांसी के फैसले को हाईकोर्ट रद्द कर दे।

दोनों को फांसी की सजा

14 अक्टूबर को जिला जज मेरठ अरविंद कुमार मिश्रा की अदालत ने कातिल मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल को मृत्यु दंड की सजा सुनाई थी। सजा वाले दिन सुबह दोनों को वीडियो कांफ्रेंसिंग से कोर्ट में पेश किया गया था। इसके बाद दोनों पक्ष के अधिवक्ताओं ने करीब सवा घंटे कोर्ट में बहस हुई थी। शाम 4.15 बजे कोर्ट ने दोनों को फांसी की सजा सुनाई थी। साथ ही एक लाख 40 हजार का अर्थदंड भी लगाया था।

30 अक्टूबर को प्रतीकात्मक कार्यवाही, 1 नवंबर को दिल्ली मार्च

'इंडिया' गठबंधन ज्ञानेश के खिलाफ लाएगा 'जन महाभियोग'

नई दिल्ली। वोट चोरी के आरोपों को लेकर विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आंदोलन तेज करने का फैसला किया है। गठबंधन के नेता 30 अक्टूबर को दिल्ली में एक 'जनता के सामने महाभियोग' यानी प्रतीकात्मक संसदीय कार्यवाही करेंगे और उनके खिलाफ जनता का फैसला सुनाने की घोषणा करेंगे। इसके अगले दिन, 1 नवंबर को 'दिल्ली चलो मार्च' निकाला जाएगा, जो रामलीला मैदान में समाप्त होगा। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल के मुताबिक, विपक्ष का लक्ष्य इन कार्यक्रमों के जरिए लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का संदेश देना है।

विपक्षी इंडिया ब्लॉक 30 अक्टूबर को दिल्ली के होटल अशोक में 'मॉक पार्लियामेंट' यानी प्रतीकात्मक संसद आयोजित करेगा। इसमें विपक्षी सांसदों और प्रमुख नेताओं के शामिल होने की बात कही गई है। इस कार्यक्रम को 'जनता के सामने महाभियोग' नाम दिया गया है। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि इस कार्यवाही के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग के समर्थन में जनता का फैसला घोषित किया जाएगा। हालांकि, यह विपक्ष का प्रतीकात्मक राजनीतिक कार्यक्रम है, संवैधानिक प्रक्रिया के तहत होने वाला



औपचारिक महाभियोग नहीं। विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार पर विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर सवाल उठाए हैं।

व्यापारी संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से दिल्ली के रामलीला मैदान में एक नवंबर को होने वाली 'इंडिया' गठबंधन की रैली को 10 नवंबर तक के लिए स्थगित करने का आग्रह किया ⏭शेष पेज 5 पर

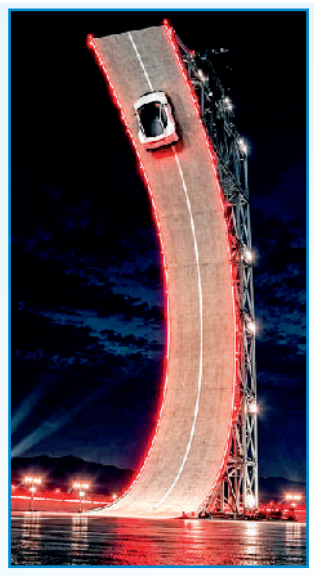
1 नवंबर को 'दिल्ली चलो मार्च'

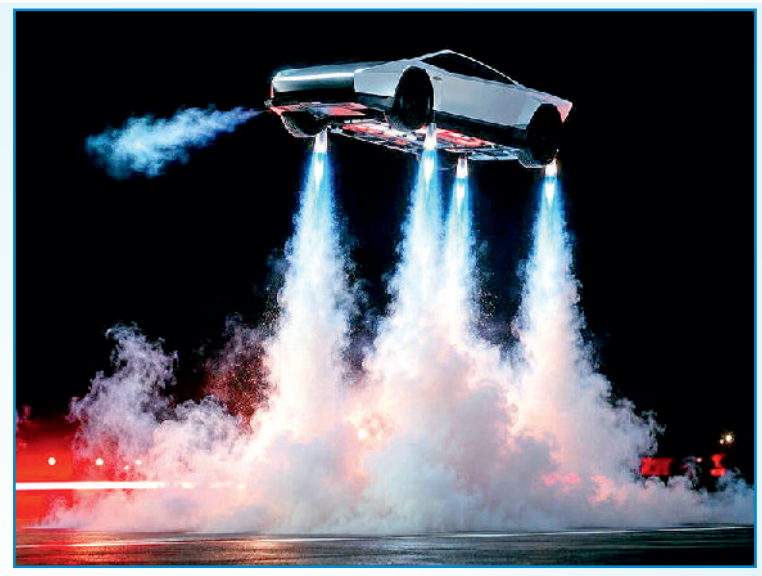
विपक्ष 1 नवंबर को 'दिल्ली चलो मार्च' निकालेगा, जिसका समापन रामलीला मैदान में होगा। कांग्रेस ने इसे 'वोट चोरी' के खिलाफ अपनी सबसे बड़ी रैली बनाने की तैयारी की है। केसी वेणुगोपाल ने दावा किया कि इस कार्यक्रम में देशभर से लोग शामिल होंगे। महिला कांग्रेस प्रमुख अलका लांबा ने बताया कि पार्टी ने रैली में 10 लाख लोगों को जुटाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि त्योहारों के मौसम के कारण रैली को टालने या रद्द करने का सवाल नहीं है। यह संख्या कांग्रेस का लक्ष्य है, इसमें शामिल होने वालों की वास्तविक संख्या नहीं।

विपक्ष की क्या है मांग?

इंडिया ब्लॉक की मुख्य मांगों में मतदाता सूची से कथित तौर पर लाखों नाम हटाए जाने का मुद्दा और एसआईआर प्रक्रिया में अनियमितताओं के आरोप शामिल हैं। विपक्ष ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी कर रहा है। गठबंधन का कहना है कि इन मुद्दों पर सरकार और चुनाव आयोग पर जवाब देने का दबाव बढ़ाया जाना चाहिए।

इन दिनों हर तरफ एलन मस्क की टेस्ला रोडस्टर कार को लेकर रॉकेट तकनीक और उड़ने की क्षमताओं से जुड़ी चर्चाएं हो रही हैं। रोडस्टर की प्रस्तावित उत्पादन समय सीमा 2028 बताई गई है। उड़ती हुई कारें निश्चित रूप से भविष्य के परिवहन का एक हिस्सा बन सकती हैं। लेकिन अभी इसे हकीकत बनने में कई सवालों और चुनौतियों का सामना करना होगा।





कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

क्या सच होने वाला है उड़ती कार का सपना !

उड़ती हुई कारों का सपना अब केवल विज्ञान कथाओं, हॉलीवुड फिल्मों और भविष्य की कल्पनाओं तक सीमित नहीं है। गुजरे 15 अक्टूबर 2026 को टेक्सास में टेस्ला की ऐसी ही उड़न कार नई रोडस्टर के प्रदर्शन ने इस अनुमान को और मजबूत किया है। एलन मस्क की टेस्ला के अलावा भी दुनिया की कई कंपनियां ऐसी कारों के विकास में काफी हद तक सफल हो चुकी हैं या इसके नजदीक पहुंच चुकी हैं, जो सड़क पर कार की तरह चलने के बजाय हवा में उड़ सकेंगी। कहीं इन्हें फ्लाइंग कार कहा जा रहा है, कहीं इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेकऑफ एंड लैंडिंग यानी ईवीटीओएल और कहीं एयर टैक्सी। लेकिन एक बुनियादी सवाल अब भी रह-रहकर जेहन में आ रहा है कि क्या हम सचमुच उड़ती हुई कारों के युग की दहलीज पर खड़े हैं या तकनीक की चमक ने भविष्य की तस्वीर को वास्तविकता से कहीं ज्यादा आकर्षक बना दिया है? इस बात को समझना होगा कि सड़क पर चलने वाली कार, रॉकेट से जुड़ा प्रदर्शन और यात्रियों को लेकर उड़ने वाला प्रमाणित विमान- तीनों अलग-अलग चीजें हैं। भविष्य की परिवहन क्रांति को समझने के लिए इस अंतर को ध्यान में रखना जरूरी है।



कई देशों में बन रही ईवीटीओएल



नीदरलैंड में निर्मित पाल-वी लिबर्टी कार

आसान नहीं सपने का सच होना

बीते 15 अक्टूबर 2026 को एलन मस्क ने स्पेसएक्स की तकनीक से जुड़े थ्रस्टरों की मदद से अमेरिका के टेक्सास में अपनी बहुचर्चित और बहुप्रतीक्षित टेस्ला की नई रोडस्टर कार को एक घुमावदार रैंप से हवा में उछलते, पलटते और जमीन पर उतरते दिखाया और अपनी सपनीली उड़न कार को लेकर असाधारण दावे भी किए हैं। इसके बाद से उड़न कार की चर्चाएं एक बार फिर से सुर्खियों में आ गई हैं। लेकिन उड़ान के जानकारों के मुताबिक इस प्रदर्शन को सामान्य अर्थों में उड़ने वाली कार का प्रमाण नहीं माना जा सकता। कुछ क्षण हवा में उछलना और नियंत्रित उड़ान भरकर यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना बिल्कुल अलग बात है। हालांकि इस घटना का महत्व फिर भी कम नहीं है। इसने एक बार फिर दिखाया कि सड़क परिवहन और एयरोस्पेस तकनीक के बीच की दूरी घटाने की महत्वाकांक्षा कितनी बड़ी हो चुकी है। मगर भविष्य की असली परीक्षा रोमांचक प्रदर्शन नहीं बल्कि सुरक्षा, उपयोगिता, लागत और नियामकीय मंजूरी होगी। साथ ही इसकी जोर-शोर से हो रही तैयारियों के बीच यह सवाल भी वाजिब है कि क्या हर कार को उड़ने की जरूरत होगी?

वास्तविकता को समझना होगा

फ्लाइंग कार से जुड़े सवालों का जवाब समझने के लिए पहले इसकी दो अलग अवधारणाओं को समझना होगा। पहली यह कि ऐसी कार, जो सड़क पर भी चल सके और जरूरत पड़ने पर उड़ भी सके। दूसरी है इलेक्ट्रिक एयर टैक्सी, जो सड़क पर चलने वाली कार नहीं बल्कि छोटी उड़ने वाली कार या मशीन है। इसे ही आमतौर पर ईवीटीओएल कहा जाता है यानी टैक्सी के रूप में एक विमान, जो बिजली से उड़ता हो और हेलीकॉप्टर की तरह सीधे ऊपर उठ सके और नीचे उतर सकता हो।

यह दूसरी अवधारणा फिलहाल ज्यादा व्यावहारिक दिखाई देती है। शहरों के बीच हर व्यक्ति की निजी उड़ने वाली कार की तुलना में हवाई अड्डे से शहर के केंद्र तक तेज परिवहन, महानगरों में सीमित दूरी की हवाई टैक्सी और आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं पहले उपयोगी साबित हो सकती हैं। इससे जमीन पर मौजूद सड़क नेटवर्क को हटाने के बजाय उसके ऊपर एक नया परिवहन विकल्प तैयार होगा। हमें यह समझना होगा कि महानगरों में यातायात की समस्या केवल सड़कों की कमी नहीं है। आबादी का घनत्व, गलत शहरी नियोजन, पार्किंग, सार्वजनिक परिवहन की अपर्याप्तता और यात्रा की बढ़ती मांग भी इसके कारण हैं। ऐसे में उड़ती हुई कारों को हर समस्या का समाधान मानना जल्दबाजी होगी। कल्पना करें दिल्ली, मुंबई या बंग्लुरु में हजारों निजी उड़ने वाली कारें एक साथ आसमान में उतर आएं, तब सवाल होगा कि उन्हें उड़ने की अनुमति कौन देगा, उनके लिए हवाई गलियारे कैसे निर्धारित होंगे, दुर्घटना की स्थिति में जिम्मेदारी किसकी होगी और वे कहां उतरेंगी? यदि हर इमारत की छत पर लैंडिंग की व्यवस्था करनी पड़े, तो शहरी ढांचे को पूरी तरह बदलना होगा। इसके अलावा, बैटरी की क्षमता, उड़ान की दूरी, मौसम का प्रभाव, शोर, रखरखाव और यात्रियों की सुरक्षा भी बड़ी चुनौतियां हैं। कम दूरी की इलेक्ट्रिक उड़ान संभव बनाने वाली तकनीक अपने आप में यह गारंटी नहीं देती कि वह हर मौसम में सुरक्षित और किफायती सेवा दे सकेगी।



अमेरिका में बनी जॉबी एविएशन का एस4

खत्म नहीं होंगे पारंपरिक वाहन

उड़न कारों के बारे में सोचते हुए एक यह सवाल भी जेहन में आता है कि क्या उड़ने वाली कारों के आने के बाद रेल, मेट्रो, बसें और सामान्य कारें अप्रासंगिक हो जाएंगी? इसकी संभावना बिल्कुल नहीं है, क्योंकि इतिहास गवाह है कि परिवहन के इतिहास में नए साधन पुराने साधनों को पूरी तरह समाप्त नहीं करते बल्कि उनकी भूमिका बदलते हैं। विमान आने के बाद रेल खत्म नहीं हुई, मेट्रो के विस्तार से बसों की जरूरत समाप्त नहीं हुई। उसी तरह उड़ने वाली कारें भी पहले उन यात्राओं में जगह बना सकती हैं, जहां समय की कीमत अधिक है और यात्रियों की संख्या सीमित है। मेट्रो और रेल बड़ी संख्या में यात्रियों को कम ऊर्जा और कम जगह में ले जाने में सक्षम हैं। बसें स्थानीय संपर्क प्रदान करती हैं, जबकि निजी कारें घर से गंतव्य तक लचीली यात्रा का विकल्प देती हैं।

भविष्य में ऐसा हो सकता है

एक यात्री घर से इलेक्ट्रिक कार में मेट्रो स्टेशन तक पहुंचे, लंबी दूरी ट्रेन से तय करें और अंतिम चरण में हवाई टैक्सी का इस्तेमाल करे, ऐसी एकीकृत व्यवस्था अधिक यथार्थवादी है। इस तरह उड़ती हुई कारों का भविष्य केवल इस बात से तय नहीं होगा कि कोई वाहन हवा में उठ सकता है या नहीं। असली प्रश्न यह होगा कि क्या वह आम आदमी की जरूरतों के अनुकूल सुरक्षित, विश्वसनीय, किफायती और पर्यावरण की दृष्टि से बेहतर विकल्प बन सकता है। हालांकि, उस भविष्य में सबसे महत्वपूर्ण वाहन शायद वह नहीं होगा जो सबसे ऊंचा उड़ता है बल्कि वह होगा जो लोगों को सबसे सुरक्षित, सुलभ और कम खर्च में उनकी मंजिल तक पहुंचाता है। *



कई देशों में हो रहे प्रयास

भले आज अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन और नीदरलैंड सहित कई देशों में अलग-अलग तरह के उड़ने वाले वाहन विकसित हो रहे हों। अमेरिका में जॉबी एविएशन का एस4 और आर्चर एविएशन का मिडनाइट जैसे विमान हवाई टैक्सी के लिए तैयार किए जा रहे हैं। चीन की ईहैंग अपने ईएच216-एस जैसे बिना पायलट वाले यात्री विमान के कारण उल्लेखनीय बढ़त रखती है। जापान की स्काईड्राइव और चीन की एक्सपेंग एरॉएचटी सड़क और आसमान के बीच संबंध बनाने वाली अलग अवधारणाओं पर काम कर रही हैं। मगर यहां एक महत्वपूर्ण अंतर है। तकनीकी प्रोटोटाइप उड़ाना, विमान का नियामकीय प्रमाणन प्राप्त करना और नियमित व्यावसायिक यात्री सेवा शुरू करना तीन अलग-अलग पड़ाव हैं। चीन का ईएच216-एस प्रमाणन और सीमित सेवाओं के मामले में आगे है, जबकि अमेरिका में जॉबी जैसे खिलाड़ी पायलट वाले विमानों के प्रमाणन की दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं। इसलिए किसी एक देश को सभी तरह की उड़ने वाली कारों का निर्विवाद विजेता कहना अभी सही नहीं होगा।

अब रोबोट करेंगे सर्जरी !

अभी तक इंसानी डॉक्टर की मदद से रोबोटिक सर्जरी हुआ करती थी। लेकिन अब इंसानी डॉक्टर से दूर रहकर रोबोटिक सर्जरी को अंजाम देने की दिशा में कदम आगे बढ़ गए हैं। यह देखना दिलचस्प होगा, आने वाले समय में मेडिकल साइंस में रोबोट की भूमिका और कितनी बढ़ती है?



टेक्नोट्रीटमेंट / वीरेंद्र बहादुर सिंह

मेडिकल क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रोबोटिक्स का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। आज भारत में भी घुटने और कूल्हे के जॉइंट रिप्लेसमेंट से लेकर कई तरह की छोटी-बड़ी सर्जरी रोबोटिक तकनीक की मदद से की जाने लगी हैं। हालांकि इन ऑपरेशनों में रोबोट अपने आप सर्जरी नहीं करता। अनुभवी और कुशल डॉक्टर ऑपरेशन थिएटर में मौजूद रहते हैं और रोबोटिक उपकरणों की मदद से पूरी प्रक्रिया को नियंत्रित करते हैं। लेकिन अमेरिका में हाल ही में हुए एक प्रयोग ने भविष्य की मेडिकल सर्जरी की संभावनाओं को एक कदम और आगे बढ़ा दिया है।

दो ह्यूमनॉइड रोबोट ने की सर्जरी: अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में एक ऐसा प्रयोग किया गया, जिसमें दो ह्यूमनॉइड रोबोट ने एक जीवित मरीज पर सर्जरी की। इस दौरान गॉल-ब्लैडर यानी पित्ताशय को शरीर से अलग किया गया। ऑपरेशन में चीरा लगाना, लिवर से पित्ताशय को अलग करना और अंत में टांके लगाने जैसी प्रक्रियाएं रोबोट ने पूरी कीं।

यह दावा सुनने में बेहद रोमांचक है कि रोबोट ने स्वयं ऑपरेशन कर दिया, लेकिन इस प्रयोग की वास्तविकता को समझना जरूरी है। पहली बात यह कि मरीज इंसान नहीं, बल्कि एक पशु था। दूसरी और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि प्रशिक्षित मानव डॉक्टर पूरी प्रक्रिया के दौरान मौजूद थे। वे ऑपरेशन थिएटर से दूर बैठकर टेली ऑपरेशन तकनीक के माध्यम से रोबोट को नियंत्रित कर रहे थे। फिर भी मेडिकल साइंस के लिए यह प्रयोग बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका उद्देश्य यह पता लगाना था कि क्या भविष्य में ह्यूमनॉइड रोबोट डॉक्टर की प्रत्यक्ष मौजूदगी के बिना भी जटिल सर्जरी कर सकते हैं?

नॉर्मल रोबोट ने किया ऑपरेशन: इस प्रयोग की एक और खासियत थी। इसके लिए कोई विशेष सर्जिकल रोबोट तैयार नहीं किया गया था। इसके बजाय दो नॉर्मल ह्यूमनॉइड रोबोट का इस्तेमाल किया गया। इन रोबोट में कई तरह के जोड़ थे और उनके हाथों में अंगूठे तथा अंगुलियों जैसी कार्यक्षमता थी। इसलिए वे अपने हाथों में अलग-अलग सर्जिकल उपकरण पकड़कर उनका इस्तेमाल कर सकते थे। इनमें थ्रीडी लाइडार और डेप्थ कैमरा जैसी तकनीक भी लगी थी। इससे रोबोट अपने सामने मौजूद वस्तुओं की स्थिति और गहराई को समझ सकते थे। यही क्षमता सर्जरी जैसे अत्यंत संवेदनशील काम में महत्वपूर्ण हो जाती है। यह प्रयोग इस बात का संकेत है कि भविष्य की सर्जरी में केवल रोबोटिक मशीनें ही नहीं, बल्कि एआई, कंप्यूटर विजन और रोबोटिक्स का संयुक्त इस्तेमाल निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

भारत में हो चुका है ऐसा प्रयोग: रोबोटिक सर्जरी की यह कहानी भारत के लिए पूरी तरह नई नहीं है। करीब आठ वर्ष पहले गुजरात में ऐसा प्रयोग हो चुका है, जिसमें डॉक्टर ने मरीज से कई किलोमीटर दूर बैठकर टेलीरोबोटिक तकनीक से सफलतापूर्वक हृदय की सर्जिकल प्रक्रिया की थी।

पद्मश्री से सम्मानित हृदय रोग विशेषज्ञ डा. तेजस पटेल ने 2018 में अहमदाबाद स्थित अस्पताल में भर्ती एक महिला मरीज के हृदय की प्रक्रिया को दूर बैठकर नियंत्रित किया था। उस समय डॉक्टर स्वयं अस्पताल से लगभग 30-32 किलोमीटर दूर गांधीनगर में थे। मरीज को कुछ दिन पहले ही हृदयाघात हुआ था। इसके बावजूद उसने दुनिया में इस तरह की पहली प्रक्रियाओं में से एक के लिए सहमति दी। यह प्रयोग इसलिए ऐतिहासिक था क्योंकि डॉक्टर और मरीज के बीच कई किलोमीटर की दूरी होने के बावजूद रोबोटिक सिस्टम और हाईस्पीड इंटरनेट की मदद से डॉक्टर मरीज की प्रक्रिया को नियंत्रित कर सके।



कैसे होती है टेलीरोबोटिक सर्जरी: इस तरह की रोबोटिक प्रणाली मुख्य रूप से तीन हिस्सों में काम करती है। पहला हिस्सा अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में मौजूद रोबोटिक आर्म होता है, जो कैथलैब जैसी व्यवस्था के साथ जुड़ा रहता है और मरीज के शरीर में वास्तविक प्रक्रिया करता है। दूसरे हिस्से में एक बदली जा सकने वाली कैसेट होती है। इसमें प्रक्रिया के लिए जरूरी क्लिनिकल सामग्री और उपकरण व्यवस्थित रहते हैं। तीसरा हिस्सा डॉक्टर के लिए बनी कॉकपिट जैसी व्यवस्था होती है। डॉक्टर इसमें बैठकर गेमिंग के जॉयस्टिक जैसे नियंत्रण उपकरणों की मदद से रोबोटिक आर्म को संचालित करता है।

सबसे खास बात यह है कि यह कॉकपिट, ऑपरेशन थिएटर से काफी दूर भी हो सकती है।

सवाल भी है बरकरार: रोबोटिक सर्जरी को लेकर अकसर यह सवाल उठता है कि क्या भविष्य में रोबोट, डॉक्टरों की जगह ले लेंगे? फिलहाल ऐसा कहना जल्दबाजी होगी। सर्जरी केवल हाथों की सटीक गतिविधियों का नाम नहीं है। मरीज की स्थिति को समझना, अचानक पैदा होने वाली जटिलताओं का आकलन करना, निर्णय लेना और किसी अप्रत्याशित परिस्थिति में तुरंत रणनीति बदलना, इन सबमें मानवीय विशेषज्ञता महत्वपूर्ण है।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी उतना ही दिलचस्प है। अगर एआई रोबोट को देखने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता में लगातार बेहतर बनाता है और रोबोटिक तकनीक हाथों की अत्यंत सूक्ष्म गतिविधियों को अधिक सटीक बनाती है, तो डॉक्टर और रोबोट का यह गठजोड़ चिकित्सा क्षेत्र को पूरी तरह बदल सकता है। *



दोहे
केदार शर्मा

पूर्ण चंद्रमा शरद का

दीप्त रजत-सी ओढ़नी, उजली पाखी रात।
पूर्ण चंद्र से शरद ऋतु, हंस-हंस करती बात।।
चटक चमक चक चांदनी, चंचल चित चकोर।
होले-होले हवा हंस, हुलराती हर ओर।।
षोडस अंशों युक्त है, मादकमय मुस्कान।
सम्मोहनमय मौन में, डूबा सकल जहान।।
कानन उपवन दमकते, नहा चांदनी संग।
नदी सरोवर बदलते, धवल वसन सम रंग।।
क्षीरसिंधु सुत क्षीर-सा, शीतलता सब ओर।
मंद-मंद मुस्कान में, मिला मधुर मन-मोर।।
पूर्ण चंद्रमा शरद का, बदले सब हालात।
कुदरत जैसे बांटती, कोई नई सौगात।।
पर्वों की आहट हुई, सर्दी की पदचाप।
उधर गुलाबी ठंड भी, बदन रही है नाप।।
बदली-बदली सी फिजां, बदल रहे हालात।
दिन की घड़ियां भी घटीं, और फैलती रात।।



पुस्तक अंश
सूर्यबाला

कई प्रतिष्ठित सम्मानों से विभूषित वरिष्ठ साहित्यकार सूर्यबाला की आत्मकथात्मक संस्मरणों की पुस्तक 'डिप सा'ब की तीसरी बेटी' हाल में प्रकाशित होकर आई है। अपनी स्मृति की वीथियों से गुजरते हुए उन्होंने बहुत साधारण सी लगने वाली घटनाओं में व्याप्त असाधारण सौंदर्य और विमर्श को व्यक्त किया है। आज उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रस्तुत है, इसी पुस्तक का एक संपादित अंश।

युवती वधुओं से एक गुहार

मनोविज्ञान कभी मेरा विषय नहीं रहा लेकिन मेरी 'मेरा विद्रोह', 'सुनंदा छोकरी की डायरी', 'सांझवाती' और 'निर्वासित' जैसी कहानियां पढ़कर लोग अकसर प्रश्न करते हैं, 'आप बच्चों और बूढ़ों के मनों को कैसे इतनी बारीकी से पढ़ पाती हैं?...तो मैं ही नहीं शायद हर रचनाकार जन्मजात मनोविज्ञानी होता है। यह मनोविज्ञान लेखन ही नहीं, जीवन में भी आई परिस्थितियों और चरित्रों से निर्वाह कर ले जाने की तरकीबें निकाल सकता है। मैंने इसी की मदद से श्वसुरालय के ग्राम्यांचल से जुड़े लोगों की मन, प्रकृति और समझ बांच ली थी। ये बेशक पुरानी और रीति-रिवाजों की लकीर पीटने वाले गलत परंपराओं, अंधविश्वासों को भी सही समझने वाले लोग हैं लेकिन मन के कुटिल नहीं। ये ऊपर से अड़ियल हैं, रूढ़ परंपराओं से अलग होने का उनमें भय व्यापता हैं, और वे असुरक्षित महसूस करते हैं लेकिन अंदर से सीधे, भोले और अपनेपन की अकूत मिल्कियत के मालिक हैं। उन्होंने जीवन में सदा अपना-पराया, तेरा-मेरा अलगा-गुजारी और थोड़ी-थोड़ी चीजों पर लड़ना, अड़ना ही देखा होता है। एक-दूसरे के खिलाफ अपने पतियों को भड़काती स्त्रियां, प्रायः हर विवाहित पुत्र, रात-दिन मां से पत्नी के विरुद्ध और पत्नी से उसकी मां के खिलाफ शिकायतों की अनवरत और अंधाधुंध कलह कोलाहल भरी शिकायतें सुनते-सुनते खब्त हो गया होता है। मुझे लेकर भी इस मां की, इस परिवार की कुछ वैसी ही रूढ़ धारणाएं बनी होंगी उसे संभालने में, उनकी धारणा बदलने में समय तो लगना ही था।

विश्व की प्रकृति प्रदत्त दुर्भाग्यपूर्ण विडंबनाओं में एक है, सास-बहू की परस्पर तनातनी वास्तव में यह एक ही 'पुरुष' पर



कहां हो पाता है। न हमारी युवती वधुओं में! न परिपक्ववय वाली मां में ही प्रायः खलनायिकत्व अपनाने से बाज न आती वधुरानी को भी सीधे-सीधे, संपूर्ण प्रभुत्व, पर्याप्त स्पेस और स्वछंद स्वतंत्रता चाहिए होती है। तो लुटी-पिटी, हारी-खिसियानी हजार पूर्वाग्रहों से ग्रस्त, मां जो तमाम गलत धारणाओं की शिकार पहले से ही होती हैं, उनकी धारणा का रंग पक्का होता जाता है। मैंने इन्हीं दो गहरी खाइयों के बीच सेतुबंध का एक प्रयोग सा किया था जो सफल रहा और पूरे कुटुंब में तीन पीढ़ियों तक जीवन और संबंधों की समरसता कायम रही। सच तो यह है कि परिवार और रिश्तों से जुड़ी स्थितियों को सिर्फ 'घरेलू' मानकर न मुंह बिचकाया जा सकता है, न उन्हें टरकाया जा सकता है। थोड़े-बहुत उलटफेर के साथ कॉर्पोरेट और कारोबारी संस्थानों में जटिल रिलेशनशिप को साधने में काम आने वाली तरकीबों और फॉर्मूलों से ही इस मसले को भी हल किया जा सकता है। शर्त सिर्फ एक, इसे घरेलू समझ कर हल्के से न लिया जाए। *

(वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली से प्रकाशित पुस्तक 'डिप सा'ब की तीसरी बेटी' से साभार)

विज्ञापन...
इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार
नोट : वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार ग्वालियर में हो रहा है इस तकनीक के असाधारण लाभ-



केन्द्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ. प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।
जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।
इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है ?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।
किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है ?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।
सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं ?
सर्जरी के बाद पैरालिसिस,पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एंव बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लाट फैलियर जैसे कॉम्पिलकेशन इसमें नही है।
कितने समय में रोगी घर जा सकता है ?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।
किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है ?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल
इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है ?
90 से 95% सफल है।
इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है ?
इसमें जड़ से इलाज होता है।
क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है ?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।
NBC@.

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466



तरकश

संजय के दीक्षित

ड्रेस कोडः ब्यूरोक्रेसी का बुरा हाल

वैसे वर्दी के मामले में जो हाल पुलिस अधिकारियों का है, कमोवेश वही स्थिति ब्यूरोक्रेट्स का है। आश्चर्य होता है, मुख्यमंत्री की मीटिंगों में अफसर हाफ शर्ट पहनकर चले जाते हैं। पहले सीएम की मीटिंग का एक डेकोरम होता था...एग्जिक्यूटिव फुल शर्ट में जाते थे। आखिर, सीएम जैसे वीवीआईपी की मीटिंग अचानक तो होती नहीं। एक-दो दिन पहले से उसकी जानकारी होती है। हाफ शर्ट तो छोड़ियें, कई सिकेट्री जैकेट के उपर आस्तिन चढ़ा लेते हैं। एक सीएस साहब तो हमेशा आस्तिन चढ़ाकर ही सीएम की मीटिंगों में जाते थे। सिस्टम को देखना चाहिए...वीवीआईपी बैठकों की अपनी एक गरिमा होती है।

आईएएस खतम, कंसलटेंट हॉवी

पहले माना जाता था...मसूरी में आईएएस अफसरों की ग्रूमिंग इस तरह की जाती है कि वह कोई भी विभाग चला सकता है। मगर नए दौर में कंसलटेंट ऐसा हॉवी होते जा रहे कि लगता है, कुछ दिन बाद आईएएस की उपयोगिता पर ही कहीं प्रश्न न खड़ा हो जाए। छत्तीसगढ़ में कुछ ज्यादा ही बुरा हाल है। सिस्टम में कंसलटेंट इतना हॉवी होते जा रहे कि बड़ी-बड़ी मीटिंगों में आजकल सिकेट्री के साथ बैठ रहे। एआई और चैट जीपीटी से प्रेजेंटेशन और रिपोर्ट तैयार किया जा रहा। इससे डेटा की सिक्यूरिटी का संकट खड़ा हो गया है। मंत्रालय के अफसर समझ नहीं पा रहे...एआई, चैट जीपीट अमेरिका की कंपनी है, अपना सारा डेटा बाहर जा रहा। इससे पहले इसी स्तंभ में हम इस पर लिख चुके हैं कि जब दसेक साल पहले जब आईएएस की कमी थी, तब कंसलटेंट की जरूरत नहीं पड़ी और आज थोक की संख्या में आईएएस हो गए हैं, तब कंसलटेंट की आवश्यकता क्यों? सिस्टम को भी इस खेल को समझना चाहिए। कंसलटेंट की आड़ में अलाली तो हो ही रही...खोखा का खेल भी चल रहा। वो भी बिना किसी रिस्क के। कंसलटेंट आज है, कल चला जाएगा। कभी किसी गड़बड़ी पर सवाल खड़ा होगा तो सिकेट्री मासूमियत से कह देंगे, कंसलटेंट का फैसला था। दूसरा, कंसलटेंट कंपनियां 50 हजार के आदमी को पांच लाख रुपए में अपाइंट करती है। सरकार से लेती है पांच लाख और उधर मुलाजिम से कैश में साढ़े चार लाख रुपए वापिस ले लेती है। साल में बिना कलम फंसाए अगर अफसरों को दो-तीन खोखा भी मिल गया तो क्या दिक्कत है। गंभीर यह भी...केंद्र सरकार ने बिग फोर कंपनी पर बैन लगाया है, खबर है उसे भी कई विभागों द्वारा काम सौंपा जा रहा। अगर ये बात सही है तो उसे तत्काल प्रतिबंधित करना चाहिए।

प्रोत्साहन का तरीका

आप कभी मंत्रालय जाएं तो एक नंबर गेट के पास एक स्क्रीन चलता दिखेगा। उस पर कई अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरस्कार लेते फोटो फ्लैश होता नजर आता है। दरअसल, टाईम पर ऑफिस आने और ई-ऑफिस में बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने मुख्य सचिव विकास शील हर हफ्ते उन्हें सम्मानित करते हैं। और पूरे एक हफ्ता स्क्रीन पर उसके फोटो फ्लैश होते रहता है। मंत्रालय में आते-जाते बरबस स्क्रीन पर लोगों का नजर पड़ता है। जाहिर है, जिनसे काम लेना है, उन्हें प्रोत्साहित करने का ये एक तरीका है।

सिंगल पावर सेंटर

स्मृति ईरानी के प्रदेश प्रभारी बनने से अफसरों के एक वर्ग को भी झटका लगेगा। संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह भी नए हैं और स्मृति भी। पहले बीजेपी मुख्यालय असंतुष्ट अफसरों के लिए एक ठीहा था। मगर अब स्मृति के पास किसी को जाने का साहस नहीं। कुल मिलाकर सक्षम प्रशासन का फंडा यह है कि पावर सिंगल विंडो होना चाहिए। भले ही इसमें निरंकुश होने का खतरा बना रहता है। मगर इसके बिना काम भी नहीं होता। सिंगल पावर सेंटर से नेताओं और कार्यकर्ताओं को कतिपय शिकायतें हो सकती हैं मगर प्रशासनिक कसावट, रिजल्ट और अनुशासन की दृष्टि से सिंगल पावर सेंटर की अहमियत को खारिज नहीं किया जा सकता। अमूमन हर राज्य में ऐसा होता है, भले ही मुख्यमंत्रियों को इसके लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है। मगर उन्हें भी पता है कि इसके बिना काम भी नहीं होने वाला।

हवा में छत्तीसगढ़ के मिनिस्टर

मध्यप्रदेश के दौर में देश का सबसे बड़ा राज्य होने के बाद भी मंत्री सड़क मार्ग से दौरे करते थे। रास्ते में उनका स्वागत-सत्कार चलता था, कार्यकर्ताओं और लोगों से मुलाकातें भी। इससे फायदा यह होता था कि मंत्रियों को सरकारी कामकाज का फीडबैक भी मिल जाता था। मगर इन दिनों सूबे के मंत्रियों का हेलिकाप्टर और प्लेन का प्रेम ऐसा बढ़ा है कि वे सड़क मार्ग से निकलना ही नहीं चाह रहे। बता दें, रमन सिंह और भूपेश बघेल के टेन्योर में मंत्रियों को साल में दो-चार बार हेलिकाप्टर मिल गया तो बहुत था। मगर इस समय हालत जुदा है...अधिकांश मंत्रियों को हेलिकाप्टर चाहिए या प्लेन। रायपुर से बिलासपुर के लिए भी। कल की ही बात है। मंत्रियों को राष्ट्रपति के कार्यक्रम में शामिल होने जगदलपुर जाना था। मंत्री भी सभी नहीं, पांच-सात ही थे। वे चाहते तो रात के डिनर के बाद जगदलपुर रवाना हो सकते थे। मगर उसके लिए दिल्ली से चार्टर प्लेन मंगाया गया। प्लेन वाले ने 70 लाख से अधिक चार्ज कर दिया। क्योंकि, उसने दिल्ली से रायपर आने, रायपुर से जगदलपुर और फिर जगदलपुर से रायपुर और रायपुर से खाली दिल्ली जाने का किराया जोड़ लिया। नए संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह को मंत्रियों को ताकीद करनी चाहिए...मंत्री ज्यादा हवा में न उड़े। सड़क मार्ग से चलेंगे तो फायदा मंत्रियों को होगा और सरकार तथा आम आदमी को भी। तभी तो मंत्रियों को भी पता चलेगा कि उनके रिजीम में सड़कों की क्या स्थिति है।

जख्म था पैर में, हाथ....

पीडब्लूडी मंत्री अगर सड़कों के गड्ढों की वजह से स्कूटी रैली में गिर जाएं तो समझा जा सकता है कि उनका दिल कितना जख्मी हुआ होगा...क्योंकि बाकी जख्म तो इलाज से चला जाता है, मगर...। बहरहाल, डिप्टी सीएम के जख्मी होने की बात चर्चा का विषय नहीं बनता और न पूर्व सीएम भूपेश बघेल को उनसे सहानुभूति जताते तंज कसने का मौका मिलता। असल में, हुआ ऐसा कि डिप्टी सीएम को लगा कि चोट हाथ में है और इसके बाद वे डांडिया में नाच दिए। जबकि, मेन जख्म पैर में था। डांस करने से तकलीफ बढ़ी तो एक्सरे हुआ और फिर प्लास्टर चढ़ाना पड़ा।

मंत्री अध्यक्ष?

छत्तीसगढ़ में कुछ दिनों से बीजेपी के अध्यक्ष बदलने की चर्चा बड़ी तेज है। चर्चा को पंख इसलिए भी लगा कि पार्टी प्रमुख किरण सिंहदेव कुछ दिन पहले हादसे में जख्मी हो गए थे। वैसे पहले से भी इस जिम्मेदारी को लेकर वे बहुत उत्सुक नहीं थे। पिछले साल तो मंत्री बनने को लेकर बयान भी दे दिए थे। वो तो पार्टी का शीर्ष नेतृत्व तैयार नहीं हुआ और उन्हें फिर से पार्टी का अध्यक्ष चुन लिया गया। बहरहाल, किरण सिंहदेव के बदलने के साथ ही विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल के एक सदस्य को अध्यक्ष बनाने की अटकलें जोर पकड़ी हुई है। असल में, किरण सिंहदेव का कोई ऐसा विकल्प नहीं दिखाई पड़ रहा, जिसके नेतृत्व में अगला विधानसभा चुनाव लड़ा जा सकें। वो भी जेन जी के दौर में। जिस मंत्री का नाम प्रेसिडेंट के लिए उछल रहा...फेस बढ़ियां हैं। बृजमोहन अग्रवाल के बाद वे बीजेपी के दूसरे नेता होंगे, जिनका बलरामपुर से लेकर दंतेवाड़ा तक कार्यकर्ताओं का नेटवर्क है। हालांकि, ये बीजेपी है। जब तक फैसला हो नहीं जाता, तब तक कुछ कहा नहीं जा सकता।

स्टेट पॉलिटिक्स में तोखन

छत्तीसगढ़ बीजेपी के अध्यक्ष बनने वालों में एक नाम केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू का भी है। वैसे भी स्टेट की पॉलिटिक्स में उनकी दिलचस्पी बढ़ती जा रही है। बताते हैं, तोखन अगर अध्यक्ष ना भी बनें तो अब लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। उनके लिए तखतपुर विधानसभा सीट तैयार की जा रही। क्योंकि, बिलासपुर से अमर अग्रवाल को खो करना आसान नहीं, और ऐसे में अरुण साव के पास लोरमी के अलावा कोई चारा नहीं। ऐसे में अगर चर्चाओं को मानें तो धर्मजीत सिंह सेफ सीट कोटा शिफ्ट करने की तैयारी में हैं। धर्मजीत ने तोखन की लांचिंग के लिए तखतपुर के परसदा में उनके जन्म दिन पर मेगा शो कराया। कोटा कांग्रेस का गढ़ जरूर है मगर पिछले चुनाव में अटल श्रीवास्तव ने खुद के मैनेजमेंट से यह सीट निकाली वरना 500 किलोमीटर दूर से आए प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने कांग्रेस के गढ़ को हिला ही दिया था। धर्मजीत कांग्रेस में रहे हैं, कांग्रेस के भीतर उनके पराने संपर्क हैं ही, अब बीजेपी के नेकवर्क का लाभ भी मिलेगा। कोटा में बीजेपी के पास वैसे भी हमेशा कंडिडेट का टोटा रहा है। 73 साल के धर्मजीत चुनाव तक 75 के हो जाएंगे। सो, आखिरी चुनाव के नाम पर सहानुभूति लेने का प्रयास भी होगा। बहरहाल, बात तोखन की तो उनके लिए भी तखतपुर आसान नहीं रहेगा। राजू सिंह क्षत्री, हर्षिता पाण्डेय का भी अपना प्रभाव है। धर्मजीत जैसे खांटी पॉलिटिशियन के जब तखतपुर सीट छोड़ने की हवा उड़ रही तो तोखन साहू को भी वहां सब कुछ आसान नहीं रहेगा...बशर्ते वे तखतपुर से चुनाव लड़ें।

मंत्री-विधायकों में अज्ञात भय

छत्तीसगढ़ की सत्ता के शीर्ष गलियारों और राजधानी रायपुर के सत्ताधारी खेमे में इन दिनों एक अजीब माहौल को महसूस किया जा रहा है। सत्ता की चमचमाती गाड़ियों में घूमने वाले मंत्रियों, सांसदों और विधायकों के चेहरों पर साफ तौर पर एक अनजाना दबाव पढ़ा जा सकता है। कारण? 25 अक्टूबर से भाजपा की नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी का दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास शुरू हो रहा है। उनके आगमन की खबर ने नेताओं और अफसरों की नींद उड़ा दी है। प्रशासनिक और संगठनात्मक स्तर पर कसते इस शिकंजे के बीच केवल एक ही सवाल हर मंत्री और विधायक की जुबान पर तैर रहा है, क्या स्मृति राज के आगाज के साथ ही कुछ बड़ा होने वाला है? जाहिर है, स्मृति ईरानी के रायपुर की धरती पर कदम रखने से पहले ही दिल्ली से आए फरमानों ने सत्ता और संगठन के बड़े-बड़े महारथियों के पसीने छुड़ा दिए हैं। इस बार हवाई अड्डे से लेकर राजधानी की सड़कों पर होर्डिंग्स, बैनर, पोस्टर या भव्य कट-आउट्स नहीं लगाए जाएंगे। यही नहीं, स्मृति के यहां से एक अत्यंत गोपनीय और सख्त चिट्ठी भेजी गई है। इसमें राज्य सरकार के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और प्रदेश पदाधिकारियों का डिजिटल ऑडिट माँगा गया है। इस रिपोर्ट कार्ड की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें नेताओं की व्यक्तिगत ब्रांडिंग, आत्ममुग्धता वाली पोस्टर्स या निजी दौरों के प्रचार को पूरी तरह खारिज कर दिया गया है। ऐसे में, मंत्री, विधायकों में डर तो फैलेगा ही।

सरकार, विभाग और बपौती!

छत्तीसगढ़ में गजबे हो रहा...पिछली सरकार में डीपीआई में दो राप्रसे अधिकारियों को पोस्ट किया गया तो वहां के मुलाजिम हाई कोर्ट चले गए और इस बार हेल्थ में प्रशासनिक अधिकारियों को बिठाने पर आयुष्मान योजना के नोडल अफसर हाई कोर्ट की शरण में पहुंच गए। ये तो एक तरह की बपौती सरीखा मामला बनता जा रहा। किसको कहां पोस्ट करना है, कहां काम कराना है, ये तय करना सरकार का काम है कि मुलाजिमों का। ऐसे में तो शिक्षकों से इतना सारा कार्य कराया जाता है, वे भी कोर्ट चले जाएंगे। सर्वविदित है, आईएएस के पोस्ट पर कई बार नॉन आईएएस अफसर की पोस्टिंग कर दी जाती है, तब ताकतवर आईएएस लॉबी तो कोर्ट नहीं जाती। सरकार को इस मामले में कड़ा स्टैंड लेना चाहिए वरना लोग सिस्टम को हल्के में लेने लगेंगे। हालांकि, सरकार ने इस बार जरा दमदारी दिखाने की कोशिश की है। आयुष्मान के नोडल अधिकारी को सस्पेंड कर दिया है।

हफ्ते का कोट

'यह एक सामाजिक और व्यावहारिक सच्चाई है कि दुनिया अक्सर ताकतवर, सफल या प्रभावशाली पक्ष के साथ खड़ी होती है। गरीब या कमजोर, लाचार व्यक्ति के साथ नहीं।'

अंत में दो सवाल आपसे?

1. क्या किसी कलेक्टर को तांत्रिक अनुष्ठान के लिए नवरात्रि के लॉ एंड आर्डर के दौरान लंबी छुट्टी देने का कोई प्रावधान हैं?

2. एक ऐसे मंत्रीजी का नाम बताइये, जिन्हें अपने विशेष मेकेनिज्म पर इतना भरोसा है कि उन्हें लगता है कि कोई हिला नहीं पाएगा?



ई-रिक्शा की बैटरी पार आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। आजाद चौक थाने की पुलिस ने घूम-घूम कर ई-रिक्शा की बैटरी चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चार बैटरियां जब्त की हैं। जब्त बैटरी की कीमत डेढ़ लाख रुपए है। बैटरी चोरी करने के आरोप में पुलिस ने तेलीबांधा निवासी हिस्ट्रीशीटर राजा मेघानी को गिरफ्तार किया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

निविदा सूचना

क्रमांक संख्या (1) निविदा संख्याः एस.ई.सी.आर.-मुख्यालय- इंजी.-बी.एल.-26-27-14

कार्यः- दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर में विभिन्न ओपन वेब गर्डर्स एवं प्लेट गर्डर्स में मौजूदा साइड पाथवे को मेटालाइजिंग के कार्य का प्रावधान।
अनुमानित लागतः- रू. 4,69,73,858.58, प्रतिभूति राशिः- रू. 9,39,500/-

क्रमांक संख्या (2) निविदा संख्याः एस.ई.सी.आर.-मुख्यालय- इंजी.-बी.एल.-26-27-15

कार्यः दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर में रीगर्डरिंग कार्य के संबंध में 21 पुलों के लिए आरडीएसओ मानक के 25 टन लोडिंग 2008 मानक के साथ पियर और एबटमेंट की मजबूती का आकलन के कार्य का प्रावधान।
अनुमानित लागतः- रू. 2,25,08,151.13, प्रतिभूति राशिः रू. 4,50,200/-

क्रमांक संख्या (3) निविदा संख्याः एस.ई.सी.आर.-मुख्यालय- इंजी.-बी.एल.-26-27-16

कार्यः बिलासपुर मंडल में वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (पुल)/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र में विभिन्न पुलों में साइड पाथवे की एसएस चेकर प्लेट को एमएस चेकर प्लेट से बदलने और जंग लगे गर्डर को बदलने का कार्य।
अनुमानित लागतः- रू. 3,53,71,223.20, प्रतिभूति राशिः- रू. 7,07,400/-

क्रमांक संख्या (4) निविदा संख्याः एस.ई.सी.आर.-मुख्यालय- इंजी.-बी.एल.-26-27-17

कार्यः बिलासपुर मंडल में वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (पुल)/ बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र में पुल संख्या 06 मीड (8X60) और 12 अप एंड डाउन (3X60) में पुराने जंग लगे साइड पॉथवे को नए साइड पॉथवे (प्लेट गर्डर) से बदलने का कार्य। **अनुमानित लागतः- रू. 1,33,54,884.06, प्रतिभूति राशिः- रू. 2,67,100/-**

क्रमांक संख्या (5) निविदा संख्याः एस.ई.सी.आर.-मुख्यालय- इंजी.-बी.एल.-26-27-18

कार्यः दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे/बिलासपुर में पुल संख्या 175 के अप, 52 के डाउन, 196 के डाउन, 184 अप, 462 मीड, 348 डाउन, 196 अप, 182 अप, 162 के अप, 157 के अप, 154 डाउन, 145 डाउन, 116 डाउन, 86 अप, 63 डाउन, 46 अप 46 मीड, और 34 अप में इंटूमेंनटेसन का कार्य।
अनुमानित लागतः- रू. 1,19,90,000.00, प्रतिभूति राशिः- रू. 19,80,000/-
बोली प्रक्रिया की प्रारंभ तिथि- 23/10/2026, निविदा की अंतिम तिथि समय- दिनांक 06/11/2026 को 16:30 बजे।

उपरोक्त कार्य की आवश्यक एवं पुर्ण जानकारी उप मुख्य अभियंता पुल/मुख्यालय कार्यालय या **www.ireps.gov.in** वेबसाईट से प्राप्त किया जा सकता है।

उप मुख्य अभियंता पुल/मुख्यालय
सीपीआर/10/461 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

सड़क हादसे में महिला घायल, 19 लाख का मिलेगा मुआवजा

बिलासपुर। सड़क हादसे में घायल महिला को मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण द्वारा दिए गए 19 लाख 20 हजार 900 रुपए के मुआवजे को हाईकोर्ट ने बरकरार रखा है। कोर्ट ने मुआवजा बढ़ाने की मांग करने वाली महिला और मुआवजा कम करने की मांग वाली बीमा कंपनी की अपील खारिज कर दी है।

मामला 27 जून 2016 का है जब योगिता झूलेकर उर्फ योगिता सोनकर अपने पति लेखराम झूलेकर और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भोपाल से राजनांदगांव जिले के ग्राम हालेकोसा लौट रही थीं। सुखतवा के पास नदी के पुल पर उनकी कार के पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में योगिता को गंभीर चोटें आईं और उन्हें स्थायी दिव्यांगता हुई। मामले में मध्य प्रदेश के केसला थाने में ट्रक चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया था। द्वितीय अतिरिक्त मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, राजनांदगांव ने योगिता को 19,20,900 रुपए मुआवजा छह प्रतिशत

हाईकोर्ट ने को मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण का फैसला बरकरार रखा



वार्षिक ब्याज के साथ देने का आदेश दिया था। महिला ने मुआवजा बढ़ाने के लिए अपील दायर की। उनके अधिवक्ता योगेश पांडे ने दलील दी कि, अधिकरण ने आय का आकलन कम किया और काम से दूर रहने की अवधि के लिए भी पर्याप्त मुआवजा नहीं दिया, वहीं, बीमा कंपनी की ओर से अधिवक्ता उत्सव महिश्वर ने मुआवजा घटाने की मांग करते हुए कहा कि, महिला की आय और भविष्य में होने वाली आय की हानि के लिए दिया गया मुआवजा अधिक है।

दिव्यांगता के आकलन में हस्तक्षेप से इनकार

हाईकोर्ट ने पाया कि महिला ने वर्ष 2015-16, 2016-17 और 2017-18 के आयकर रिटर्न पेश किए थे। इनके आधार पर अधिकरण ने उनकी मासिक आय 35 हजार रुपए आंकी थी। अदालत ने इस आंकलन को उचित माना। साथ ही, चिकित्सकीय साक्ष्यों के आधार पर निर्धारित 25 प्रतिशत स्थायी दिव्यांगता के आंकलन में भी हस्तक्षेप से इंकार कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि अधिकरण द्वारा निर्धारित मुआवजा उचित है और उसमें बदलाव की आवश्यकता नहीं है।

संपत्ति कर 31 दिसंबर तक जमा करने पर4 फीसदी छूट

रायपुर। आयुक्त संबित मिश्रा ने टीएल बैठक में अधिकारियों को तय लक्ष्य के मुताबिक टैक्स वसूली के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बड़े बकायादारों से नियमानुसार सख्ती से वसूली की जाए। आयुक्त ने चालू वित्त वर्ष का संपत्ति कर 31 दिसंबर 2026 तक जमा करने वाले करदाताओं को 4 प्रतिशत छूट का लाभ देने के निर्देश दिए।

स्कूल में अनुशासन के नाम पर बच्चे की चोटी काटी, एक साल बाद एफआईआर दर्ज

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

पटेवा स्थित एकेडमिक हाईट्स पब्लिक स्कूल में अनुशासन के नाम पर चौथी कक्षा में पढ़ने वाले छात्र की चोटी काटे जाने के मामले में गोबरा नवापारा पुलिस ने एक वर्ष बाद अपराध दर्ज किया है। शिक्षा विभाग की शिकायत के आधार पर पुलिस ने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। अनुशासन का हवाला देकर टीचर ने छात्र के लंबे बालों की चोटी बनाकर कैंची से काट दी थी। घटना के बाद छात्र के परिजनों ने स्कूल से नाम कटवाकर अन्य स्कूल में दाखिला दिलवाया था। परिजनों की शिकायत के बाद शिक्षा विभाग ने जांच कराई। इस मामले में स्कूल की प्राचार्य पल्लवी मरार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने किशोर न्याय (बालकों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015 की धारा 75 के तहत केस दर्ज किया है। जांच रिपोर्ट में बच्चे को मानसिक और शारीरिक असुविधा होने का उल्लेख किया गया है। चोटी काटने की घटना 15 अक्टूबर 2025 की है। परिजनों ने शिकायत दर्ज कराई थी कि बाल काटे जाने की घटना के बाद बच्चा बुरी तरह से डर गया था और वह स्कूल जाने से डरने लगा। शिक्षा विभाग के निर्देश पर गठित 2 प्राचार्यों की टीम ने 31 जुलाई 2026 को स्कूल पहुंचकर जांच की। टीम ने बच्चे, उसके माता-पिता के साथ प्राचार्य और संबंधित शिक्षकों के बयान दर्ज किए। जांच में अफसरों ने निजी अस्पताल की पांच जून 2026 की मेडिकल रिपोर्ट को भी शामिल किया है। रिपोर्ट में बच्चे को नींद में परेशानी, चिड़चिड़ापन और स्कूल जाने से डरने जैसी समस्या होने का उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, घटना के बाद उसकी स्कूल में उपस्थिति भी अनियमित हो गई थी। अप्रैल 2026 से उसका दाखिला दूसरे स्कूल में करा दिया गया।

नार्थ जोन में 177 बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई

रायपुर। नवरात्रि एवं दशहरा पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नॉर्थ जोन पुलिस ने 177 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधित सहित अन्य धाराओं के तहत कार्रवाई की है। डीसीपी दीपमाला कश्यप के निर्देशन में तथा एडीसीपी आदित्य पांडे के मार्गदर्शन में पुलिस ने 57 प्रकरणों में 68 व्यक्तियों को धारा 126, 135(3), के खिलाफ कार्रवाई की।





फिजिकल गोल्ड, ईटीएफ और म्यूचुअल फंड के फायदे और सीमाएं

सोने में निवेश का सही रास्ता चुनें चमक ही नहीं लागत को भी देखें

खरीद-बिक्री का खर्च, सुरक्षा, निवेश की सुविधा और लागत तय करेंगे वास्तविक मुनाफा

बदलते निवेश विकल्पों ने सोने में पैसा लगाने के कई रास्ते खोले, केवल सोने के भाव बढ़ने की संभावना देखकर निवेश करना पर्याप्त नहीं, क्षमता को जानें

बिजनेस डेस्क

सोना भारतीय परिवारों के लिए केवल आभूषण या परंपरा का प्रतीक नहीं, बल्कि मुश्किल वक्त का भरोसेमंद सहारा भी रहा है। महंगाई, आर्थिक अनिश्चितता और शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच निवेशक अपने पोर्टफोलियो में सोने को जगह देना पसंद करते हैं। हालांकि, अब सोने में निवेश का मतलब केवल गहने या सिक्के खरीदकर तिजोरी में रखना नहीं रह गया है। बदलते निवेश विकल्पों ने सोने में पैसा लगाने के कई रास्ते खोल दिए हैं। कोई फिजिकल गोल्ड खरीदता है, तो कोई गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) या गोल्ड म्यूचुअल फंड के जरिए निवेश करता है। तीनों विकल्पों का उद्देश्य सोने की कीमत में होने वाली बढ़ोतरी से लाभ उठाना हो सकता है, लेकिन इनकी लागत, खरीदने-बेचने की प्रक्रिया, सुरक्षा और निवेश की सुविधा अलग-अलग है। इसलिए केवल सोने के भाव बढ़ने की संभावना देखकर निवेश करना पर्याप्त नहीं है। यह समझना भी जरूरी है कि कौन-सा विकल्प आपकी जरूरत, निवेश अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुकूल है।



फिजिकल गोल्ड

फिजिकल गोल्ड में निवेश का सबसे पारंपरिक तरीका सोने के सिक्के, छड़ या आभूषण खरीदना है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि निवेशक के पास सोना वास्तविक रूप में मौजूद रहता है। जरूरत पड़ने पर इसका इस्तेमाल उपहार देने, पारिवारिक आयोजनों या अन्य व्यक्तिगत जरूरतों के लिए भी किया जा सकता है। हालांकि, निवेश के नजरिये से आभूषण और सोने के सिक्के एक जैसे नहीं हैं। गहने खरीदते समय मेकिंग चार्ज और लागू वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का खर्च जुड़ता है। दोबारा बेचने पर मेकिंग चार्ज सामान्यतः वापस नहीं मिलता। शुद्धता की जांच, दुकानदार की खरीद नीति और खरीद-बिक्री के भाव में अंतर के कारण भी वास्तविक मुनाफा घट सकता है। सिक्कों और छड़ों में आमतौर पर आभूषणों की तुलना में मेकिंग चार्ज कम होता है, फिर भी खरीद मूल्य और बिक्री मूल्य का अंतर ध्यान में रखना चाहिए। इसके अलावा, घर में सोना रखने पर चोरी या गुम होने का जोखिम रहता है। बैंक लॉकर में रखने पर अतिरिक्त खर्च हो सकता है। इसलिए जो लोग केवल निवेश के लिए सोना खरीदना चाहते हैं, उन्हें आभूषणों के बजाय कम अतिरिक्त लागत वाले विकल्पों पर विचार करना चाहिए।

गोल्ड ईटीएफ

गोल्ड ईटीएफ ऐसे निवेश फंड हैं, जिनकी इकाइयां शेयर बाजार में खरीदी और बेची जाती हैं। ये आमतौर पर भौतिक सोने में निवेश करते हैं और सोने की कीमत में होने वाले बदलाव के अनुरूप रिटर्न देने का लक्ष्य रखते हैं। इस तरह निवेशक को घर में सोना रखने, उसकी सुरक्षा करने या शुद्धता की जांच कराने की चिंता नहीं करनी पड़ती। गोल्ड ईटीएफ में निवेश के लिए सामान्यतः डीमैट और ट्रेडिंग खाते की जरूरत होती है। निवेशक बाजार खुलने के दौरान प्रचलित भाव पर यूनिट खरीद या बेच सकता है। हालांकि, वास्तविक लेनदेन मूल्य बाजार में मांग-आपूर्ति, खरीद-बिक्री के अंतर और फंड की शुद्ध परिसंपत्ति कीमत से प्रभावित हो सकता है। इस विकल्प में फंड का प्रबंधन खर्च, ब्रोकरेज और अन्य लागू शुल्क रिटर्न को प्रभावित कर सकते हैं। निवेश से पहले एक्सपेंस रेशियो, कारोबार की मात्रा और खरीद-बिक्री के भाव में अंतर की तुलना करनी चाहिए। केवल किसी ईटीएफ की एक यूनिट का भाव कम होने से यह निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए कि वह दूसरे फंड से सस्ता है। अलग-अलग फंड की एक यूनिट के पीछे सोने की मात्रा अलग हो सकती है।

गोल्ड म्यूचुअल फंड

जिन निवेशकों के पास डीमैट खाता नहीं है या जो हर महीने नियमित रकम निवेश करना चाहते हैं, उनके लिए गोल्ड म्यूचुअल फंड सुविधाजनक विकल्प हो सकते हैं। ऐसे फंड आमतौर पर गोल्ड ईटीएफ की इकाइयों में निवेश करते हैं। निवेशक इनमें एकमुश्त रकम लगा सकता है या अपनी क्षमता के अनुसार व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) के जरिए नियमित निवेश कर सकता है। इन फंडों में निवेश के लिए सामान्यतः डीमैट खाते की आवश्यकता नहीं होती। निवेशक संबंधित म्यूचुअल फंड की प्रक्रिया के अनुसार सीधे निवेश कर सकता है।

तीनों विकल्पों में कैसे करें तुलना?

- **कुल लागत:** फिजिकल गोल्ड में मेकिंग चार्ज, जीएसटी और खरीद-बिक्री का अंतर देखें। ईटीएफ व म्यूचुअल फंड में कुल खर्च की तुलना करें।
- **निवेश की सुविधा:** नियमित मासिक निवेश के लिए गोल्ड म्यूचुअल फंड सुविधाजनक हो सकता है, जबकि बाजार में खुद यूनिट खरीदने-बेचने के लिए ईटीएफ उपयोगी है।
- **सुरक्षा:** फिजिकल गोल्ड की सुरक्षा निवेशक की जिम्मेदारी है। डिजिटल निवेश विकल्पों में भौतिक भंडारण की चिंता नहीं होती, लेकिन बाजार और फंड से जुड़े जोखिम बने रहते हैं।
- **निकासी:** निवेश से पैसा निकालने की प्रक्रिया और उसमें लगने वाले समय को समझें। ईटीएफ की बिक्री बाजार के कारोबार पर निर्भर करती है, जबकि म्यूचुअल फंड में लागू निकासी नियम महत्वपूर्ण हैं।
- **कराधान:** कर नियम निवेश के प्रकार, खरीद की तारीख और लागू कानूनों के अनुसार अलग हो सकते हैं। इसलिए पुराने नियमों के आधार पर अनुमान लगाने के बजाय निवेश के समय मौजूदा कर प्रावधानों की पुष्टि करें।

पोर्टफोलियो में संतुलन जरूरी

सोने में निवेश का उद्देश्य केवल अधिकतम मुनाफा कमाना नहीं, बल्कि निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाना भी हो सकता है। हालांकि, सोने की कीमतें भी घटती-बढ़ती हैं और कोई भी विकल्प निश्चित रिटर्न की गारंटी नहीं देता। गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड म्यूचुअल फंड में निवेश करने से सोने की कीमतों से जुड़ा जोखिम समाप्त नहीं होता। निवेशकों को अपनी पूरी बचत सोने में लगाने के बजाय उसे अन्य निवेश साधनों के साथ संतुलित रखने पर विचार करना चाहिए। आपातकालीन जरूरतों के लिए पर्याप्त नकदी और अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप निवेश योजना भी जरूरी है।

14 साल में 5 करोड़ जोड़ना लक्ष्य तो निवेश की रणनीति में करें बदलाव

बिजनेस डेस्क

नौकरी शुरू करने के बाद हर व्यक्ति चाहता है कि एक समय ऐसा आए, जब उसे रोजी-रोटी के लिए काम करने की मजबूरी न रहे। आर्थिक स्वतंत्रता का यही सपना युवाओं को जल्दी निवेश शुरू करने के लिए प्रेरित करता है, लेकिन यदि कोई 28 वर्ष की उम्र में 70 हजार रुपये मासिक वेतन पाता हो और 42 वर्ष की उम्र में नौकरी छोड़कर रिटायर होना चाहता हो, तो उसके सामने चुनौती बड़ी है।

खासकर तब, जब उसका लक्ष्य 5 करोड़ रुपये फंड तैयार करना हो। इसी सवाल को समझने के लिए एक वित्तीय प्रयोग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित चैटजीपीटी से निवेश योजना तैयार कराई गई। इसमें 25 हजार की मासिक व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी), हर साल निवेश में 10% बढ़ोतरी और निवेश पर सालाना 15% प्रभावी प्रतिफल की धारणा रखी गई। अनुमान के मुताबिक, 14 साल तक नियमित निवेश करने के बाद भी 42 वर्ष की उम्र में करीब 2.10 करोड़ ही जुट पाएंगे। यानी 5 करोड़ के लक्ष्य से लगभग 2.90 करोड़ रुपये कम रह जाएंगे।

70000 की आय में कितनी गुंजाइश

निवेश योजना बनाने से पहले आय और खर्च का हिसाब समझना जरूरी है। इस उदाहरण में निवेशक नोएडा में रहता है और उसकी मासिक आय 70 हजार रुपये है। इसमें से 14 हजार मकान के किराये पर खर्च होते हैं। राशन और घरेलू जरूरतों पर 5 हजार, बिजली-पानी पर 2 हजार, इंटरनेट और मोबाइल पर 1,500 तथा परिवहन पर 2 हजार खर्च होते हैं। बाहर खाने और अन्य मनोरंजन पर 5 हजार, व्यक्तिगत खरीदारी पर 3 हजार, बीमा और चिकित्सा पर 2,500 तथा परिवार की मदद और दूसरे विविध खर्चों पर 10 हजार खर्च होते हैं। इस तरह कुल मासिक खर्च 45 हजार बैठता है और निवेश के लिए 25 हजार बचते हैं। यानी निवेशक अपनी आय का लगभग 35.7% निवेश कर सकता है। पूरी बची रकम एसआईपी में लगाने से पहले आपातकालीन जरूरतों, अनियमित खर्चों व पर्याप्त बीमा की व्यवस्था करना जरूरी है।

हर वर्ष बढ़ेगी एसआईपी फिर लक्ष्य अधूरा

योजना में माना गया कि निवेशक की सैलरी हर साल 10% बढ़ेगी और वह अपनी एसआईपी में भी उतनी ही बढ़ोतरी करेगा। शुरुआत में 25 हजार की मासिक एसआईपी से सालाना 3 लाख निवेश होंगे। दूसरे वर्ष मासिक निवेश बढ़कर 27,500 और तीसरे वर्ष 30,250 हो जाएगा। पांचवें वर्ष तक मासिक एसआईपी करीब 36,603 पहुंचने का अनुमान है। दसवें वर्ष में यह लगभग 58,949 और चौदहवें वर्ष में करीब 86,307 हो जाएगी। इस गणना के अनुसार, 14 वर्षों में निवेशक अपनी जेब से कुल लगभग 83.92 लाख लगाएगा। यदि निवेश पर 15% प्रभावी सालाना प्रतिफल मिलता है, तो कुल निवेश का मूल्य करीब 2.10 करोड़ हो सकता है। इसमें लगभग 1.26 करोड़ संभावित निवेश वृद्धि से आएंगे।

5 करोड़ जुटाने में लगेंगे 19 साल

यदि निवेशक इसी योजना पर चलता रहे, एसआईपी हर साल 10% बढ़ाता रहे और 15% प्रभावी सालाना प्रतिफल मिलता रहे, तो 5 करोड़ का लक्ष्य लगभग 18 साल 10 महीने में हासिल होने का अनुमान है। यानी 28 वर्ष की उम्र में निवेश शुरू करने वाला व्यक्ति करीब 47 वर्ष की उम्र में इस लक्ष्य तक पहुंच सकता है। यह उसकी निर्धारित रिटायरमेंट उम्र से लगभग पांच साल बाद है। इससे स्पष्ट है कि केवल नियमित एसआईपी और वेतन के साथ बढ़ते निवेश पर निर्भर रहकर 42 वर्ष में 5 करोड़ जुटाना इस योजना के तहत संभव नहीं दिखता। लक्ष्य हासिल करने के लिए निवेश की रकम बढ़ानी होगी, मौजूदा बचत का सहारा लेना होगा, अतिरिक्त आय के स्रोत तलाशने होंगे या रिटायरमेंट की समयसीमा में बदलाव करना होगा।



25 हजार की एसआईपी और हर साल 10% निवेश बढ़ाने पर 42 साल की उम्र तक जुटेंगे 2.10 करोड़

लक्ष्य पाने के लिए क्या बदलना होगा

सबसे पहले, वेतन बढ़ने के साथ निवेश की रकम भी बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। यदि हर साल वेतन में 10% की वृद्धि होती है, तो खर्च भी उसी अनुपात में बढ़ाना जरूरी नहीं है। वेतन वृद्धि का एक अतिरिक्त हिस्सा निवेश में लगाने से लंबी अवधि में बड़ा अंतर आ सकता है। बोनस या दूसरी अतिरिक्त आय का कुछ हिस्सा भी वित्तीय लक्ष्यों के लिए रखा जा सकता है। दूसरा, निवेश में विविधता बनाए रखना जरूरी है। लंबी अवधि में इक्विटी म्यूचुअल फंड पूंजी बढ़ाने की संभावना दे सकते हैं, लेकिन इनमें बाजार का जोखिम भी रहता है। ऋण आधारित निवेश और दूसरे साधनों का चयन निवेशक की जोखिम क्षमता, निवेश अवधि और जरूरतों के अनुरूप होना चाहिए। केवल जल्दी लक्ष्य हासिल करने के लिए अत्यधिक जोखिम लेना समझदारी नहीं है। तीसरा, महंगाई को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

आज के 5 करोड़ और 14 साल बाद के 5 करोड़ की क्रय शक्ति समान नहीं होगी। इसलिए रिटायरमेंट के समय के खर्च, स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों और भविष्य की महंगाई को ध्यान में रखकर लक्ष्य तय करना चाहिए। कर, निवेश शुल्क और रिटायरमेंट के बाद नियमित निकासी का असर भी गणना में शामिल होना चाहिए।

रिटायरमेंट का लक्ष्य बड़ी रकम नहीं

जल्दी रिटायर होने का अर्थ केवल निवेश खाते में बड़ी रकम जमा करना नहीं है। यह भी तय करना होगा कि रिटायरमेंट के बाद हर महीने कितना खर्च होगा, जमा पूंजी कितने वर्षों तक चलनी चाहिए और आपातकालीन जरूरतों के लिए कितनी रकम अलग रखनी होगी। यदि रिटायरमेंट के बाद कोई नियमित आय नहीं होगी, तो निवेश से निकासी की योजना और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।



स्मॉलकैप फंड में 25% तक रिटर्न, लेकिन निवेश से पहले जोखिम समझना भी जरूरी

बचत मंत्र

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में तेजी के दौरान स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड निवेशकों को आकर्षित करते हैं। छोटी कंपनियों में कारोबार बढ़ाने और तेजी से आगे निकलने की क्षमता होती है, इसलिए इनमें निवेश करने वाले फंड लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न देने की संभावना रखते हैं। लेकिन यही निवेश बाजार में गिरावट आने पर बड़ा नुकसान भी करा सकता है। वर्ष 2025 की जनवरी-मार्च तिमाही में प्रमुख स्मॉलकैप फंडों को करीब 13 से 14 प्रतिशत तक नुकसान हुआ। वर्ष 2026 की पहली तिमाही में भी इस श्रेणी के फंडों में लगभग 12 से 13 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके बाद अप्रैल-जून 2026 में स्मॉलकैप फंडों में करीब 23 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। यह उतार-चढ़ाव बताता है कि इस श्रेणी में रिटर्न की संभावना के साथ जोखिम भी काफी अधिक है। इक्विटीमास्टर की 20 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, पांच साल के औसत रोलिंग रिटर्न के आधार पर क्वांट स्मॉलकैप, बंधन स्मॉलकैप, इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप, निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप और बैंक ऑफ इंडिया स्मॉलकैप प्रमुख फंडों में शामिल हैं। इनका औसत पांच साल का रोलिंग रिटर्न करीब 22.5 से 25 प्रतिशत के बीच रहा है।

क्वांट स्मॉलकैप फंड

पांच साल के औसत रोलिंग रिटर्न में क्वांट स्मॉलकैप फंड करीब 25.04 प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसका वर्तमान पांच साल का रिटर्न लगभग 17.84 प्रतिशत है। फंड के प्रमुख निवेश में एचएफसीएल, आरबीएल बैंक, अडाणी एंटरप्राइजेज, अडाणी पावर और एजिस लॉजिस्टिक्स शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इसकी तीन साल की वार्षिकीकृत अस्थिरता 18.2 प्रतिशत रही।

बंधन स्मॉलकैप फंड

बंधन स्मॉलकैप फंड लगभग 24.4 प्रतिशत के औसत पांच साल के रोलिंग रिटर्न के साथ दूसरे स्थान पर है। रिपोर्ट में इसका वर्तमान पांच साल का रिटर्न करीब 19 प्रतिशत बताया गया है। इसकी खासियत बेहतर जोखिम-समायोजित प्रदर्शन है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रमुख फंडों में इसका शार्प और सॉर्टिनो अनुपात बेहतर रहा है। ये अनुपात बताते हैं कि किसी फंड ने कितना जोखिम उठाकर कितना रिटर्न दिया। इस फंड का आकार तेजी से बढ़ा है। मार्च 2022 में इसकी प्रबंधनाधीन संपत्ति करीब 1,410 करोड़ रुपये थी, जो अगस्त 2026 में बढ़कर लगभग 34,180 करोड़ रुपये हो गई।

इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड

इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड करीब 24.05 प्रतिशत के औसत पांच साल के रोलिंग रिटर्न के साथ तीसरे स्थान पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसका वर्तमान पांच साल का रिटर्न 18.49 प्रतिशत रहा, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 250 का रिटर्न 12.42 प्रतिशत था। तीन साल की अवधि में भी इस फंड का प्रदर्शन अपने बेंचमार्क से बेहतर रहा। फंड का निवेश विभिन्न कंपनियों में फैला है। इसकी प्रमुख हिस्सेदारियों में साई लाइफ साइंसेज, इटर्नल, एम्बर एंटरप्राइजेज, आदित्य इन्फोटेक और कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज शामिल हैं।

निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप फंड

निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप फंड इस श्रेणी के बड़े फंडों में शामिल है। रिपोर्ट में इसकी प्रबंधनाधीन संपत्ति करीब 81,000 करोड़ है। इसका औसत पांच साल का रोलिंग रिटर्न लगभग 24 प्रतिशत और वर्तमान पांच साल का रिटर्न करीब 17.1 प्रतिशत रहा। फंड के पोर्टफोलियो में बड़ी संख्या में शेयर शामिल हैं और किसी एक कंपनी में निवेश का हिस्सा अपेक्षाकृत सीमित रखा गया है। रिपोर्ट के अनुसार, इसकी तीन साल की अस्थिरता शीर्ष पांच फंडों में सबसे कम, करीब 17.5 प्रतिशत रही।

बैंक ऑफ इंडिया स्मॉलकैप फंड

बैंक ऑफ इंडिया स्मॉलकैप फंड करीब 22.55 प्रतिशत के औसत पांच साल के रोलिंग रिटर्न के साथ पांचवें स्थान पर है। इसका वर्तमान पांच साल का रिटर्न लगभग 18.75 प्रतिशत रहा। इसके प्रत्यक्ष निवेश विकल्प का वार्षिक व्यय अनुपात 0.42 प्रतिशत बताया गया है। रिपोर्ट में इसकी तीन साल की वार्षिकीकृत अस्थिरता 20 प्रतिशत बताई गई है, शीर्ष पांच फंडों में सबसे अधिक है।

इन बातों का रखें ध्यान

स्मॉलकैप फंड में निवेश करने से पहले केवल एक, तीन या पांच साल का रिटर्न देखकर फैसला करना पर्याप्त नहीं है। यह भी देखना चाहिए कि बाजार में गिरावट के दौरान फंड ने कैसा प्रदर्शन किया, उसका पोर्टफोलियो कितना विविध है।

रिटायरमेंट पर एनपीएस का पूरा पैसा निकालना जरूरी नहीं

60 साल की उम्र के बाद निकासी टालने और चरणबद्ध तरीके से पैसा लेने के विकल्प

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

नौकरी के दौरान नियमित बचत करके रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड तैयार करना जितना जरूरी है, उतना ही अहम यह तय करना भी है कि रिटायरमेंट के बाद उस पैसे का इस्तेमाल कैसे किया जाए।

> सामान्य निकासी में फड की राशि और ग्राहक की श्रेणी के अनुसार तय होंगे नियम

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में निवेश करने वाले कई लोगों को लगता है कि 60 साल की उम्र पूरी होते ही उन्हें पूरा पैसा निकालना होगा या फिर तुरंत पेंशन शुरू करनी पड़ेगी। लेकिन ऐसा हर स्थिति में जरूरी नहीं है। पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के नियमों में निवेशकों को निकासी और पेंशन की योजना बनाने के लिए कई विकल्प दिए गए हैं। इनमें एकमुश्त रकम निकालने, निकासी को आगे टालने और निर्धारित अवधि में किस्तों के जरिए पैसा लेने जैसे विकल्प शामिल हैं। हालांकि, कौन-सा विकल्प उपलब्ध होगा और कितनी रकम निकाली जा सकेगी, यह एनपीएस खाते की श्रेणी, कुल जमा फंड और लागू नियमों पर निर्भर करता है। इसलिए रिटायरमेंट के करीब पहुंच रहे निवेशकों को पहले अपने खाते पर लागू प्रावधान समझने चाहिए।



60 साल बाद कितना पैसा निकाल सकते हैं?

एनपीएस से सामान्य निकासी के नियम सभी निवेशकों के लिए एक जैसे नहीं हैं। गैर-सरकारी क्षेत्र के सामान्य एनपीएस खातों में लागू नियमों के अनुसार, यदि जमा पेंशन फंड 8 लाख तक है, तो पूरी रकम एकमुश्त निकालने का विकल्प उपलब्ध हो सकता है। इससे अधिक राशि होने पर निकासी की सीमा और शेष रकम के इस्तेमाल के नियम लागू होते हैं। कुछ परिस्थितियों में 8 लाख से अधिक और 12 लाख तक के फंड के लिए भी अलग विकल्प दिए गए हैं। बड़े फंड के मामले में लागू नियमों के अनुसार एक हिस्सा एकमुश्त निकाला जा सकता है, जबकि शेष रकम का इस्तेमाल एन्युटी खरीदने या निर्धारित अवधि में चरणबद्ध निकासी के लिए किया जा सकता है। सरकारी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए अलग प्रावधान लागू हो सकते हैं। इसलिए यह मान लेना ठीक नहीं है कि हर एनपीएस खाताधारक को अनिवार्य रूप से केवल 60% रकम ही निकालने की अनुमति है।एनपीएस के पुराने नियमों में सामान्य निकासी के समय अधिकतम 60% रकम एकमुश्त निकालने और कम से कम 40% रकम से एन्युटी खरीदने का प्रावधान प्रमुख था। बाद के संशोधनों में कुछ श्रेणियों के लिए विकल्पों का विस्तार किया गया है। ऐसे में निकासी का निर्णय लेने से पहले नवीनतम नियम और अपने खाते की श्रेणी की पुष्टि करना जरूरी है।

निकासी टालने का विकल्प

यदि किसी निवेशक को 60 साल की उम्र में तुरंत पूरे फंड की जरूरत नहीं है, तो वह नियमों के अनुसार निकासी या एन्युटी खरीदने की प्रक्रिया को आगे टालने पर विचार कर सकता है। गैर-सरकारी क्षेत्र के सामान्य एनपीएस खातों में लागू प्रावधानों के तहत पात्र निवेशक 75 साल की उम्र तक खाते में बने रहने या निकासी को स्थगित करने के विकल्प का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस दौरान खाते में निवेशित रकम बाजार के प्रदर्शन के अनुसार बढ़ या घट सकती है। इसका अर्थ यह नहीं है कि फंड पर निश्चित ब्याज मिलता रहेगा। इक्विटी और बॉन्ड में निवेश की मात्रा के अनुसार जोखिम और संभावित रिटर्न बदल सकते हैं।

किस्तों में पैसा लेने की सुविधा

एनपीएस में चरणबद्ध निकासी के विकल्प भी उपलब्ध हैं। इसके तहत पात्र निवेशक पूरी निकासी एक साथ करने के बजाय निर्धारित अंतराल पर रकम ले सकते हैं। कुछ विकल्पों में एकमुश्त निकासी वाली रकम को किस्तों में लेने की सुविधा मिलती है, जबकि व्यवस्थित यूनिट निकासी के तहत निवेश की यूनिटें निर्धारित समय के अनुसार भुनाई जाती हैं। यह व्यवस्था म्यूचुअल फंड की व्यवस्थित निकासी योजना जैसी लग सकती है, लेकिन दोनों को एक जैसा नहीं समझना चाहिए।

एन्युटी से कैसे मिलेगी पेंशन?

एन्युटी एक ऐसा वित्तीय उत्पाद है, जिसे बीमा कंपनी से खरीदने पर चुनी गई योजना की शर्तों के अनुसार नियमित पेंशन मिलती है। एनपीएस में लागू नियमों के तहत कुछ स्थितियों में फंड का एक हिस्सा एन्युटी खरीदने के लिए इस्तेमाल करना पड़ता है। इससे रिटायरमेंट के बाद नियमित आय का स्रोत बन सकता है। एन्युटी खरीदने से पहले उसकी पेंशन दर, भुगतान की शर्तें, जीवनसाथी को मिलने वाले लाभ और मृत्यु के बाद खरीद मूल्य की वापसी जैसे विकल्पों को समझना चाहिए। अलग-अलग योजनाओं में मिलने वाली पेंशन और शर्तें अलग हो सकती हैं। एन्युटी का चुनाव केवल अनुमानित मासिक पेंशन देखकर नहीं करना चाहिए।

इन बातों पर दें ध्यान

सबसे पहले अपने एनपीएस खाते की श्रेणी और जमा फंड की मौजूदा राशि की जांच करें। इसके बाद यह तय करें कि रिटायरमेंट के बाद मासिक खर्च चलाने के लिए कितनी रकम चाहिए और अन्य स्रोतों से कितनी आय मिलेगी। यदि तुरंत बड़ी रकम की जरूरत है, तो एकमुश्त निकासी का विकल्प उपयोगी हो सकता है। वहीं नियमित आय की जरूरत होने पर एन्युटी या चरणबद्ध निकासी पर विचार किया जा सकता है। खाते में नामांकित व्यक्ति, बैंक खाते और अन्य जरूरी विवरण भी अपडेट रखें। निकासी से जुड़े कर नियमों की पुष्टि करना न भूलें। यह मानकर न चलें कि एनपीएस से निकाली गई हर रकम और उससे बाद में होने वाली कमाई हमेशा कर-मुक्त होगी।

आरएचपी में कारोबार, वित्तीय स्थिति, प्रमोटर्स के रिकॉर्ड को देखें

आईपीओ में पैसा लगाने से पहले परखें कंपनी की असली ताकत

- गई रकम के इस्तेमाल और शेयर के मूल्यांकन की भी जांच जरूरी
- केवल लिस्टिंग गेन की उम्मीद में निवेश करना पड़ सकता है भारी

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में जब भी किसी कंपनी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) आता है, निवेशकों के बीच उसे लेकर उत्सुकता बढ़ जाती है। ग्रे मार्केट प्रीमियम, संभावित लिस्टिंग गेन और दूसरे निवेशकों की दिलचस्पी के आधार पर कई लोग आवेदन करने का फैसला कर लेते हैं, लेकिन किसी आईपीओ में भारी मांग होना इस बात की गारंटी नहीं है कि कंपनी भी उतनी ही मजबूत है या उसके शेयर से अच्छा मुनाफा मिलेगा। कई बार आकर्षक प्रचार के पीछे कमजोर वित्तीय स्थिति, बढ़ता कर्ज या जरूरत से ज्यादा मूल्यांकन छिपा हो सकता है। ऐसे में निवेशकों के लिए जरूरी है कि वे कंपनी की असली स्थिति समझने के बाद ही पैसा लगाने का फैसला करें। इसके लिए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसमें कंपनी के कारोबार, वित्तीय प्रदर्शन, जोखिम, प्रबंधन, प्रमोटर्स और आईपीओ से जुटाई जाने वाली रकम के इस्तेमाल की जानकारी दी जाती है। दस्तावेज बड़ा जरूर होता है, लेकिन कुछ अहम पहलुओं पर ध्यान देकर निवेशक बेहतर निर्णय ले सकते हैं।

1. कंपनी का कारोबार और कमाई का आधार समझें

आईपीओ में निवेश करने से पहले सबसे पहले यह समझें कि कंपनी क्या कारोबार करती है, उसके ग्राहक कौन हैं और उसकी कमाई किन उत्पादों या सेवाओं से होती है। यह भी देखें कि कंपनी जिस क्षेत्र में काम करती है, वहां भविष्य में कारोबार बढ़ने की कितनी संभावनाएं हैं और प्रतिस्पर्धा कितनी कड़ी है। केवल कंपनी के विस्तार संबंधी दावों पर भरोसा करना पर्याप्त नहीं है। पिछले तीन वित्तीय वर्षों की बिक्री, मुनाफे और नकदी प्रवाह के आंकड़ों की तुलना करें। अगर बिक्री लगातार बढ़ रही है, लेकिन मुनाफा स्थिर है या घट रहा है, तो इसकी वजह जानना जरूरी है। इसी तरह, कंपनी के खाते में मुनाफा दिखने के बावजूद अगर उसके नियमित कारोबार से पर्याप्त नकदी नहीं आ रही है, तो यह चिंता का संकेत हो सकता है। यह भी देखें कि कंपनी की कमाई कुछ ही बड़े ग्राहकों पर निर्भर तो नहीं है।

2. प्रमोटर्स और प्रबंधन का पिछला रिकॉर्ड जांचें

कंपनी की सफलता में उसके प्रबंधन और प्रमोटर्स की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इसलिए आरएचपी में उनके अनुभव, पिछली कारोबारी गतिविधियों और कंपनी चलाने के तरीके से जुड़ी जानकारियों पर ध्यान दें। देखें कि प्रमोटर्स ने पहले किन कारोबारों में काम किया है और उनका रिकॉर्ड कैसा रहा है। कंपनी के प्रमुख अधिकारियों के वेतन, प्रमोटर्स की हिस्सेदारी और गिरवी रखे गए शेयरों की जानकारी भी उपयोगी हो सकती है। इसके अलावा, कंपनी या उसके प्रमुख अधिकारियों के खिलाफ चल रहे महत्वपूर्ण कानूनी मामलों, नियामकीय कार्रवाई और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े खुलासों को ध्यान से पढ़ें।

3. प्रमोटर्स से जुड़ी कंपनियों के लेनदेन पर नजर रखें

कई कंपनियां अपने प्रमोटर्स, उनके परिवार के सदस्यों या उनसे जुड़ी दूसरी संस्थाओं के साथ कारोबार करती हैं। इन्हें संबंधित पक्षों के साथ लेनदेन कहा जाता है। ऐसे लेनदेन अपने आप में गलत नहीं हैं, लेकिन इनकी रकम, शर्तों और कारोबारी औचित्य की जांच जरूरी है। आरएचपी में देखें कि कंपनी प्रमोटर्स से जुड़ी संस्थाओं को कितना भुगतान करती है, उनसे कितना सामान या सेवाएं खरीदती है और उन्हें कितना पैसा देती है। यह भी समझें कि लेनदेन सामान्य कारोबारी शर्तों पर हो रहा है या नहीं। पिछले तीन वर्षों के आंकड़ों में अचानक बड़ी बढ़ोतरी, असामान्य भुगतान या संबंधित पक्षों के साथ लगातार बढ़ते लेनदेन दिखाई दें, तो उनकी वजह तलाशें।

4. आईपीओ से जुटाई जाने वाली रकम का इस्तेमाल जानें

आईपीओ में आवेदन करने से पहले यह समझना जरूरी है कि कंपनी निवेशकों से पैसा क्यों जुटा रही है। आम तौर पर आईपीओ में फ्रेश इश्यू और ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल हो सकते हैं। फ्रेश इश्यू में कंपनी नए शेयर जारी करके रकम जुटाती है, जबकि ओएफएस में मौजूदा शेयरधारक अपने शेयर बेचते हैं। ओएफएस से मिलने वाली रकम कंपनी के बजाय शेयर बेचने वाले निवेशकों को मिलती है। आरएचपी में देखें कि फ्रेश इश्यू से मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाएगा। कंपनी कर्ज चुकाना चाहती है, नई उत्पादन क्षमता स्थापित करना चाहती है, कारोबार का विस्तार करना चाहती है या सामान्य कॉरपोरेट जरूरतों के लिए रकम जुटा रही है? इन उद्देश्यों का कंपनी की भविष्य की वृद्धि पर क्या असर पड़ सकता है, इसे समझें। अगर कंपनी कर्ज चुकाने के लिए पैसा जुटा रही है, तो इससे उसकी वित्तीय स्थिति में सुधार हो सकता है।

5. शेयर का मूल्यांकन और जोखिम जरूर परखें

अच्छी कंपनी का आईपीओ भी खराब निवेश साबित हो सकता है, अगर उसके शेयर बहुत महंगे मूल्य पर पेश किए जा रहे हों। इसलिए कंपनी की वित्तीय स्थिति के साथ उसके मूल्यांकन की तुलना भी जरूरी है। आरएचपी में कंपनी की प्रति शेयर आय, मूल्य-आय अनुपात (पी/ई), शुद्ध परिसंपत्ति मूल्य और दूसरी वित्तीय जानकारियों को देखें। समान कारोबार करने वाली सूचीबद्ध कंपनियों के मूल्यांकन से इसकी तुलना करें। यह समझने की कोशिश करें कि कंपनी जिस कीमत पर शेयर पेश कर रही है, क्या उसका आधार मौजूदा कमाई, भविष्य की वृद्धि और कारोबारी संभावनाओं से मेल खाता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

खेती में फायदे ....

प्रदेश में किसान स्वसहायता समूह और एफपीओ के माध्यम से काम कर रहे हैं और अधिक उत्पादन ले रहे है। जैविक खेती की जा रही है, चावल की किस्मे, जीराफूल, जवां फूल, काली मूछ का उत्पादन कर रहे हैं, जिन किसानों ने इस तरह खेती के लिए समूह बनाए हैं, वे सफल है। इसी दिशा में लघु और सीमांत किसानों को भी काम करना चाहिए।

0 छत्तीसगढ़ में किसान अभी भी एक फसल पर निर्भर है, और सिंचाई के साधनों की भी कमी है।

0 इस बात की चिंता हमारे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को भी है। हमारे यहां किसान खरीफ में धान की फसल लेते हैं, इसके बाद 70 फीसदी जमीन खाली पड़ी रह जाती है। प्रधानमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री की भी यही चिंता है कि खाली पड़े क्षेत्र में दलहन-तिलहन की फसल ले। इस दिशा में काम करने के लिए राज्य में दलहन और तिलहन मिशन काम कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में दलहन-तिलहन के साथ साग सब्जी का रकबा भी बढ़ रहा है।

0 70 प्रतिशत खाली जमीन पर धान के बाद खाली रहने पर उस रकबे को करने की योजना क्या योजना आपने बनाई है।

00 हम हर साल लक्ष्य तय करते हैं, दलहन और तिलहन के लिए। इसके साथ ही पाम आयल पर भी काम हो रहा है, रबी सीजन में मक्का भी उगा रहे हैं। अगर रबी के सीजन में धान की जगह मक्का की फसल ली जाए तो अधिक लाभ मिलेगा। धान से अधिक मक्का का उत्पादन होगा। मक्का की खेती के बाद बचे अवशेष भी उपयोगी है। मैं राज्य के किसानों से निवेदन करता हूं कि वे रबी में धान की जगह मक्का, दलहन, तिलहन की खेती करें। तो उससे पानी भी बचेगा।

0 किसानों की आय दो गुना करने की बात होती है, लेकिन ये इस पर बात नहीं होती कि कृषि की लागत कितनी हो गई है।

00 मैं खुद भी किसान हूं। गर्व से कहता हूं कि चावल, दाल, गेंहू,मक्का सब घर में ही उत्पादित होता है। यहां तक कि सब्जी, प्याज आलू भी हम घर में ही उगाकर खाते हैं। इसी तरह की सोच के साथ सभी किसान काम करेंगे तो आय बढ़ेगी। यही नहीं कुछ किसान ड्रैगन फ्रुट, अमरूद,टमाटर, खीरा, शिमला मिर्च, मिर्च, की खेती कर रहे हैं जो दिल्ली, यूपी तक जाकर बिक रही है। प्रदेश सौभाग्यशाली है कि यहां पानी की कोई कमी नहीं है, इसी वजह से फिशरीज पर अच्छा काम हो रहा है, यह कारोबार देश में पांचवे नंबर पर है। जितनी भी वाटर बाड़ीज है उसका पूरा उपयोग करेंगे को काम और बेहतर होगा।

0 नए तालाब बनाने, सुधरवाने की क्या योजना है

00 हम जहां उत्पादन बढ़ाने की बात करते हैं वहां काम कई विभाग मिलकर करते हैं। जैसे धान कृषि विभाग धान उगाने, मार्कफेड धान खरीदी और खाद्य विभाग उससे चावल बनाने का काम करता है। लेकिन होता ये है कि इस काम में गड़बड़ी होती है तो बात मुझे सुननी पड़ती है। मैं यहां चार घंटे से मौजूद हूं, मुझे तो सुनना ही है और रास्ता निकालना है। हमारे किसान यदि खेती में समन्वित प्रयास करे, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन करें तो इसमें काफी संभावना है। हम सब मिलकर इसका उपयोग करें, जिनके पास जमीन है, वे भी जिनके पास नहीं है, वो भी ये काम कर सकते हैं।

0 बटाइदार किसानों को फायनेंस की सुविधा नहीं मिलने की बात सामने आई है, इसके लिए क्या करेंगे।

00 इसी तरह के बहुत सारे मौलिक सवाल सामने आए हैं, इस पर निर्णय तक पहुंचना होगा।

0 पशुपालन चुनौतीपूर्ण है, यह किसान के जीवन का हिस्सा क्यों नहीं बन पा रहा है। हालत ये है कि आवारा पशु के रूप में गायें सड़क पर दिखती हैं और इससे दुर्घटनाएं भी होती हैं।

00 छत्तीसगढ़ में पशुपालन के क्षेत्र में संभावना की कमी नहीं है। पशुपालन सनातन धर्म में भी महत्ता का विषय रहा है। जिस घर में गौ माता रहती है वहां दोष नहीं आता, बीमारी नहीं आती ये माना जाता है, लेकिन अब लोगों का माइंडसेट बदल गया है। आज भी राज्य में दूध का उत्पादन जरुरत के अनुरूप नहीं है। लोग दुकान से दूध लाते हैं, बोतलबंद दूध लाते हैं, मिठाई शुद्ध खोवे से बनी है या नहीं पता, नहीं, लोग जहर खा रहे है। शुद्धता घर से मिलनी चाहिए। हर घर में एक गाय पालनी चाहिए। इस दिशा में सोचकर चलें तो दूध भी मिलेगा और आवारा पशु भी नहीं दिखेंगे। अभी हालत ये है कि दूध देते रहने तक गौ माता, दूध बंद को आवारा पशु। ये सोच बदलनी चाहिए। गाय लक्ष्मी का रूप है ये मानकर सेवा करनी चाहिए. क्योंकि उससे दूध, गोबर और गौ मूत्र मिलता है। गाय की हर चीज उपयोगी है। पशुपालन के क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए एनडीडीबी से समझौता किया गया है। मिल्क चेन बनाई गई है। पहले 25 मिल्क चेन बनाई गई अब बलरामपुर में इनकी संख्या 50 से अधिक हो गई है। यह काम करने वाली महिलाओं के खाते में 4 माह में 3 करोड़ रुपए जमा हो गए। लेकिन यह काम उन्ही लोगों को करना चाहिए जिनकी इस काम में रुचि है। मैंने विभाग से भी कहा है कि पहले ये देखें कि कौन इसके लायक है। उसे ही इस काम से जोड़े। रही बात आवारा पशु की तो यह काम ग्रामीण क्षेत्र में पंचायतों का है और शहरों में नगरीय निकायों का। इन्हें आवारा पशुओं पर नियंत्रण करना चाहिए।

गन्ना की सबसे....

लेकिन इसमें प्रोसेसिंग जरुरी है। उसके लिए सहयोग कर रहे हैं। और एक महत्वपूर्ण बात फसल चक्र परिवर्तन एक दिन में नहीं होता है।

0 किसान अगर धान की फसल लगाए और बागवानी भी करे तो क्या उसे भी बागवानी का बोनस मिलेगा?

00 खरीफ में धान लगाएं तो बागवानी की राशि नहीं मिलेगी। क्योंकि किसान बागवानी में जाकर भी आत्म निर्भर बन सकता है। उदाहरण के लिए सरगुजा में एक किसान मिर्च की फसल एक एकड़ में लगाकर ढाई लाख रुपए कमा रहा है।

0 छोटे और सीमांत किसानों को खेती से जुड़ी तकनीकी जानकारी नहीं मिल पाती इसके लिए क्या कर रहे हैं।

00 किसानों के लिए आज सबसे महत्वपूर्ण तकनीक ही है। इसके लिए हम आगे बढ़ रहे हैं। चाहे वह फसल आधारित हो या कृषि मित्र के माध्यम से भी काम कर रहे हैं, खेत बचाओ कार्यक्रम में किसान को ब्रांड एम्बेसेडर बना रहे है।

0 टेक्नोलाजी सबके पास है, उसका जरिया है मोबाइल, क्या किसान पूरे समय कृषि विभाग के संपर्क में रह सके इसके लिए कोई काम कर रहे हैं।

00 किसानों की फार्मर आईडी बनी है। हर किसान उससे जुड़ा है। सूचनाओं का आदान प्रदान हो रहा है। एफएसएस सिस्टम बना रहे हैं। उससे किसान को जानकारी मिलेगी कि कब खाद डालनी है, कब कीटनाशक डालना है। फार्मर आईडी बनाने में छत्तीसगढ़ देश में नंबर एक पर है।

0 किसान कर्ज नहीं ले रहे है, ये बात सामने आई है?

00 हमारे यहां किसान केसीसी के माध्यम से लोन लेते हैं। लोन सोसाइटी से मिलता है। उसमें नकद राशि के साथ आदान सामग्री खाद बीज भी दिया जाता है। इस तरह किसान को ऋण लेने के लिए प्रोत्साहित कर रहे है। केसीसी से खाद वितरण उस समय किया गया जब दुनिया में खाद की कमी थी। छत्तीसगढ़ में डेढ़ लाख मीट्रिक टन खाद की बचत हुई। इसकी जगह नैनो खाद दिया गया। 287 करोड़ की सब्सिडी बचाई है।

0 नैनो कितना प्रभावी है।

00 नैनो भी एक टेक्नोलाजी है। उसमें नैनो पार्टिकल रहता है। जिसने इसका उपयोग किया वे नैनों पर आ गए हैं। उनका इससे लगाव हो गया है।

0 किसानों की आय बढ़ाना सरकार का लक्ष्य है। इसके लिए क्या कर रहे हैं।

00 इसके लिए सरकार के चार विभाग कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, और मत्स्य पालन मिलकर काम कर रहे हैं। किसान अगर इंटिग्रेटेड फार्मिंग करेंगे तो आय बढ़ेगी।

0 यह लक्ष्य कैसे पूरा होगा। अगर किसान धान पर प्रति एकड़ 42 हजार रुपए कमाए और बागवानी की ढाई लाख की कमाई छोड़ दे।

00 बागवानी धान की फसल लगाने से अधिक परिश्रम वाला काम है।इसलिए यह काम पिछड़ा है। हमारे यहां मक्का का उत्पादन भी होता है। हम उद्योगों के साथ बात कर रहे हैं। एथेनाल प्लांट लगाने की ओर बढ़ रहे हैं। इसके साथ ही मक्का की कांट्रेक्ट फार्मिंग भी की जाएगी। मक्का के लिए मंडी शुल्क माफ करने की भी तैयारी है। यह करने से किसानों की आय बढ़ेगी और लक्ष्य पूरा होगा।



सरकार किसानों...

पहले सत्र में हरिभूमि के संपादक समन्वयक ब्रह्मवीर सिंह ने भिलाई के प्रगतिशील किसान अनिल शर्मा, कबीरधाम के रूपेंद्र जायसवाल, रायपुर के भाविन चावड़ा और महामाया मल्टी पर्पस को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, नवापारा के सीईओ इतवारी प्रसाद बंजारे से किसानों की समस्याओं को लेकर चर्चा की।

किसानों को अपना ब्रांड बनाना चाहिए : चावड़ा-

भाविन चावड़ा ने कहा, सरकार तो अपनी तरफ से जो होता है, वह प्रयास करती ही, लेकिन किसानों को जरूरत है कि वो अपना ब्रांड बनाएं। उन्होंने बताया वे सब्जियों की खेती करते हैं और उन्होंने अपना ब्रांड बनाया है। अपना ब्रांड बनाने का फायदा होता है। उन्होंने कहा 80 फीसदी किसानों के पास जमीन कम है। छोटे किसानों के लिए सरकार को बाजार उपलब्ध कराने की जरूरत है। किसानों को अपनी फसल के सही दाम मिलने चाहिए, तभी किसान का जीवन चलेगा। उन्होंने कहा, छोटे किसानों के लिए सामूहिक खेती अच्छा रास्ता है।

धान से ऊपर की सोच जरूरी : अनिल शर्मा-

अनिल शर्मा ने कहा, छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है, यह बात अच्छी है, लेकिन सिर्फ धान के भरोसे किसान नहीं चल सकते। सरकार को किसानों को धान के ऊपर ले जाने के लिए योजना बनानी चाहिए। सरकार को बागवानी और दलहन और तिलहन को लेकर भी योजना बनानी चाहिए। उन्होंने बताया वे बागवानी के बड़े किसान हैं। 180 एकड़ में सीताफल की खेती करते हैं, लेकिन इसकी सही कीमत भी मिलने में परेशानी होती है। किसानों की सबसे बड़ी समस्या बाजार की है। उन्होंने बताया, महाराष्ट्र सरकार ने अपने राज्य में सीताफल की खेती करने वाले किसानों के लिए अलग से योजना बनाकर शादियों में सीताफल की मिठाई और अन्य आइटम को अनिवार्य किया है। उन्होंने किसानों की समस्या का उल्लेख करते हुए कहा, किसानों को पानी और बाजार की बड़ी समस्या है। इसकी तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिए। खाद में मिलावट से भी किसान परेशान रहते हैं।

नाबार्ड के सहयोग से किसान हो रहे सफल : बंजारे -

महामाया मल्टी पर्पस को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, नवापारा के सीईओ इतवारी प्रसाद बंजारे ने बताया, दो हजार किसान आम और काजू की खेती कर रहे हैं। नाबार्ड की मदद से इसकी प्रोसेसिंग होने से किसानों को बहुत फायदा हो रहा है। आज किसानों के पास अपने चारपहिया वाहन भी हैं। सामूहिक खेती का बड़ा फायदा होता है। छोटे-छोटे किसान मिलकर जब एक साथ काम करते हैं, तो काम बड़ा हो जाता है और किसानों को इसका फायदा भी मिलता है।

नहीं मिल पाते...

को कड़े कदम उठाने चाहिए। नकली खाद और बीज के कारण किसानों को बहुत नुकसान उठाना पड़ता है। श्री जायसवाल ने बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या की तरफ ध्यान दिलाया और कहा, इसके कारण किसानों को बहुत नुकसान होता है।

एक साथ चार...

पामगढ़ परिसर में बैठकर सादी देशी शराब पी रहे थे। शराब पीने के कुछ देर बाद रामखिलावन और जोहितराम की तबीयत बिगड़ गई, उन्हें सांस लेने में तकलीफ होने लगी। जानकारी मिलते ही परिजन वहां पहुंचे और उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पामगढ़ ले जाया गया, यहां उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बिलासपुर रेफर कर दिया। बताया जाता है कि परिजन दोनों को लेकर बिलासपुर पहुंचे इस दौरान पार्षद रामखिलावन ने सिम्स में और जोहितराम ने अपोलो अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इधर, घटना के बाद जहरीली शराब और शराब में जहर मिलाने की आशंका जताई जा रही है। पामगढ़ पुलिस ने साथ में शराब पीने वाले मुकेश कश्यप उर्फ गोलू को हिरासत में लिया है और पूछताछ कर रही है, जबकि चौथे साथी कमल नाथ खरे उर्फ राजा की भी तबीयत बिगड़ने की खबर है। एसडीओपी तोपेश वर्मा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विसरा जांच के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा होगा।

इस तरह हुई...

रामखिलावन तहसील के सामने पान ठेला में पहुंचे, जहां उनकी तबीयत एक-एक करके बिगड़ गई उन्हें उल्टी होने लगी और वह चक्कर खाकर गिर गए। उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से दोनों को बिलासपुर रेफर किया गया।

बसपा ने लगाया...

नाम ज्ञापन सौंप कर निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि यह पूरी घटना लेनदेन के विवाद को लेकर हुई है। उन्होंने इसे सुनियोजित हत्या करार दिया है।

नदी में नहाने...

जो विजयादशमी अवकाश में अपने मौसी के यहां सूरजपुर चंद्रपुर ढूंढरा घूमने आए हुए थे। घटनास्थल से पुलिस ने दो स्कूटी भी बरामद किया है जिसमें सवार होकर चारों नदी पहुंचे थे,घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। बताया गया कि विवेक सिंह पिता विद्यानंद सिंह 45 वर्ष जो चंद्रपुर ढूंढरा ने निवासी थे। वे अदानी कंपनी में कार्य करते थे। उनकी पत्नी नेहा सिंह ब्यूटी पार्लर का संचालन करती है। विवेक सिंह अपने साली के दो बच्चों को विजयदशमी अवकाश के दौरान बिहार के कटिहार से घूमने के लिए पिछले दिनों यहां लेकर आए थे। घूमने गए थे रेड़ नदी- परिजनों के मुताबिक मृतक विवेक सिंह 45 शुक्रवार को अपने बेटे अभिजीत सिंह और साली के दोनों बच्चों के साथ रेड़ नदी की तरफ घूमने गए थे और फोटो भी खिंचवाई थी। आकर्षक स्पॉट होने के कारण बच्चों ने नदी में स्नान की इच्छा जताई जिसके बाद शनिवार को चारों लोग दो स्कूटी में सवार होकर सुबह 9:30 बजे नदी जाने कहकर निकले। इसी दौरान सभी नदी में नहाने के लिए उतरे और सभी की जलसमाधि हो गई।

तिलक और नीतीश...

बड़े रिकॉर्ड को भी ध्वस्त कर दिया। हेगले ओवल के मैदान पर न्यूजीलैंड से मिले 181 रनों के लक्ष्य को टीम इंडिया ने 6 विकेट खोकर 19.5 ओवर में हासिल किया।

रेस्टोरेंट से शुरू...

तरह इतने अधिक रेस्तरां भी नहीं हुआ करते थे।

पहले होर्डिंग्स बैन...

उनके निर्देश पर ही अब सिर्फ गिनती के पदाधिकारी ही रविवार को विमानतल जाएंगे। इसमें एक प्रदेश महामंत्री, एक महिला प्रतिनिधि और रायपुर शहर और ग्रामीण जिलाध्यक्ष शामिल रहेंगे।

बेटी को पैतृक...

बेमेतरा जिले के धंगांव गांव की 7.120 हेक्टेयर कृषि भूमि से जुड़ा है। जमीन पिता नानकू साहू के नाम दर्ज थी। उनकी मृत्यु 15 सितंबर 1980 को हो गई थी। इसके बाद बेटे डुलार साहू ने जमीन अपने नाम दर्ज करा ली। बेटी दुलारा बाई ने इस नामांतरण को चुनौती देते हुए वर्ष 2007 में जमीन में अपना हिस्सा मांगा। भाई ने हिस्सा देने से इनकार किया तो उसने बंटवारे और अलग कब्जे के लिए दीवानी मुकदमा दायर किया।

श्री शिवम का नया डिजाइनर फेस्टिवल एडिट कलेक्शन



बिलासपुर। त्यौहारों की खुशियों में फैशन का नया रंग भरते हुए मध्य भारत के प्रमुख फैमिली फैशन स्टोर श्री शिवम ने इस फेस्टिवल सीजन अपने ग्राहकों के लिए खास डिजाइनर फेस्टिव एडिट कलेक्शन 2026 प्रस्तुत किया है। बदलते फैशन ट्रेंड्स, आधुनिक डिजाइन और पारंपरिक भारतीय परिधानों के आकर्षक समन्वय के साथ तैयार यह कलेक्शन ग्राहकों को खरीदारी का एक नया अनुभव प्रदान करेगा।

दिल से दिवाली, हर रिश्ते के लिए...अभियान के तहत पेश किए गए इस विशेष कलेक्शन में आज की युवा पीढ़ी की पसंद, उनके फैशन सेंस और व्यक्तिगत स्टाइल स्टेटमेंट को खास महत्व दिया गया है। इसके साथ ही मिडनाइट शॉपिंग की विशेष पहल त्योहारों की खरीदारी को और रोमांचक बनाएगी। वर्तमान दौर में फैशन केवल आकर्षक परिधानों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह व्यक्तित्व और अपनी अलग पहचान को अभिव्यक्त करने का माध्यम बन चुका है। विशेष रूप से युवा वर्ग ऐसे परिधानों को प्राथमिकता दे रहा है, जिनमें पारंपरिक खूबसूरती के साथ आधुनिकता और नए ट्रेंड्स की झलक भी दिखाई दे। इसी बदलती पसंद को समझते हुए श्री शिवम ने अपने फेस्टिव कलेक्शन को एक नए अंदाज में प्रस्तुत किया है। इसमें आकर्षक डिजाइन, ट्रेंडी पैटर्न, आधुनिक सिलुएट्स और खूबसूरत रंगों के साथ ऐसे विकल्प शामिल किए गए हैं, जो त्योहारों से लेकर खास पारिवारिक समारोहों तक हर अवसर पर अलग पहचान देंगे। श्री शिवम के डिजाइनर फेस्टिव एडिट कलेक्शन में भारतीय परंपरा की खूबसूरती को आधुनिक फैशन के साथ नए अंदाज में पेश किया गया है। महिलाओं के लिए आकर्षक साड़ियां, डिजाइनर लहंगे, स्टाइलिश एथनिक सूट और फ्यूजन वियर, वहीं पुरुषों के लिए ट्रेंडी कुर्ता सेट, इंडो-वेस्टर्न और आधुनिक एथनिक आउटफिट्स के विशेष विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। बच्चों के लिए भी रंगों, स्टाइल और आराम का ध्यान रखते हुए आकर्षक परिधान शामिल किए गए हैं। दीपावली के साथ आगामी वेडिंग सीजन को ध्यान में रखते हुए श्री शिवम ने अपने इस कलेक्शन में विविधता और नएपन पर विशेष जोर दिया है। ग्राहक अब अपनी पसंद और स्टाइल स्टेटमेंट के अनुरूप परिधानों का चयन कर सकेंगे। पारंपरिक समारोहों के लिए क्लासिक एथनिक लुक से लेकर युवाओं के लिए ट्रेंडी और कंटेम्परारी फैशन तक, इस नए कलेक्शन में हर अवसर के लिए आकर्षक विकल्प मौजूद हैं। बदलते फैशन ट्रेंड्स को एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराना इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है। रायपुर, दुर्ग, नागपुर, भोपाल, जबलपुर और छिंदवाड़ा सहित मध्य भारत के प्रमुख शहरों में अपनी उपस्थिति के साथ श्री शिवम फैमिली फैशन के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। डिजाइनर फेस्टिव एडिट कलेक्शन और मिडनाइट शॉपिंग के माध्यम से ब्रांड ने पारंपरिक भारतीय फैशन को आधुनिक पीढ़ी की पसंद से जोड़ते हुए इस फेस्टिव और वेडिंग सीजन को और खास बनाने की पहल की है।

'इंडिया' गठबंधन ज्ञानेश ...

है। व्यापारिक निकाय ने चेतावनी दी है कि इस रैली से दिवाली के मुख्य खरीदारी सत्र के दौरान 10,000 करोड़ रुपए का कारोबार प्रभावित हो सकता है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को लिखे एक पत्र में, सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि यह रैली रामलीला मैदान के आसपास के थोक और खुदरा बाजारों को ऐसे समय में प्रभावित कर सकती है जब व्यापारियों को धनतेरस और दिवाली से पहले ग्राहकों की भारी भीड़ की उम्मीद है।

कार्यालय, नगर पंचायत - भखारा, जिला - धमतरी (छ.ग.)
Phone & Fax No. 07705-296755 Email – cmobhakhara.613@rediffmail.com

क्रमांक / 2542 / न.पं. / लोनिवि / 2026-27 **मैन्युअल निविदा आमंत्रण सूचना** भखारा, दिनांक 23/10/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत के फर्मों / ठेकेदारों से स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक के माध्यम से दिनांक 13.11.2026 शाम 5.00 बजे तक निविदायें आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण निम्न है :-

क्र.	कार्य का नाम	निविदा राशि (लाख में)
1	वार्ड क्र. 10 में दंतेश्वरी मंदिर से केवल निषाद घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	4.04
2	वार्ड क्र. 10 में शीतला मंदिर से निर्मला घाट तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	2.83
3	वार्ड क्र. 14 में कार्तिक मानिकपुरी घर से नया तालाब तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	3.24
4	वार्ड क्र. 13 में बहादुर घर से भुनेश्वरी घर होते हुए कल्याण घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	3.92
5	वार्ड क्र. 13 में संतोष साहू घर से हीरा साहू घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	6.79
6	विभिन्न वार्डों में हैण्ड पंप के पास (40 नग) रैन वाटर हार्वेस्टिंग निर्माण कार्य	8.13
7	नगर पंचायत कार्यालय एवं मंगल भवन वार्ड क्र. 14 में 03 नग रैन वाटर हार्वेस्टिंग निर्माण कार्य	1.02
8	विभिन्न एसबीएम शौचालयों में 09 नग रैन वाटर हार्वेस्टिंग निर्माण कार्य	2.95
9	वार्ड क्र. 15 में आशीष नाहटा घर से रवि महेश्वरी घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	3.97
10	वार्ड क्र. 02 में शिव मंदिर से छत्तीसगढ़ महतारी कालेज तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	7.51
11	वार्ड क्र. 15 में गायत्री भवन में शेड निर्माण कार्य	1.72
12	वार्ड क्र. 10 में आदिवासी भवन के सामने पेवर ब्लाक कार्य	1.41

नोट :- उपरोक्त कार्य की निविदा शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाइट https://uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है अथवा कार्यालयीन समय में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत भखारा

केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), कोरबा
CENTRAL INSTITUTE OF PETROCHEMICALS ENGINEERING & TECHNOLOGY (CIPET), KORBA
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार
(भारत सरकार का शैक्षणिक संस्थान)
एजुकेशन हब, स्याहीमुड़ी, जमनीपाली, पो.-गोपालपुर, कोरबा (छ.ग.) पिन-495450
Email: vtc-korba@cipet.gov.in, korba@cipet.gov.in, Website-www.cipet.gov.in, Phone No. : +91 7815350001

सी.एस.आर. योजनांतर्गत अनुसूचित जनजाति (ST) युवाओं हेतु एनटीपीसी लिमिटेड, कोरबा द्वारा प्रायोजित निःशुल्क आवासीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

सिपेट, कोरबा द्वारा प्लास्टिक्स इंजीनियरिग के क्षेत्र में एन.टी.पी.सी. लिमिटेड (NTPC Ltd.), कोरबा के सी.एस.आर. (CSR) योजनांतर्गत एन.टी.पी.सी., कोरबा परियोजना से प्रभावित क्षेत्र के अनुसूचित जनजाति युवक-युवतियों हेतु निःशुल्क रोजगारोन्मुखी कौशल विकास प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जाना सुनिश्चित है। जिसके लिए निम्नलिखित पाठ्यक्रम में योग्य उम्मीदवार से आवेदन आमंत्रित है:-

नि :शुल्क आवासीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम, सत्र 2026-27

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	बैच साईज़	शैक्षणिक योग्यता
1	मशीन ऑपरेटर - ब्लो मोल्डिंग Machine Operator - Blow Moulding	04 माह (600 Hrs)	20	11 वीं पास अथवा 10वीं के साथ 1.5 वर्ष का संबंधित अनुभव

- उम्मीदवार को कोरबा जिले का निवासी होना चाहिए।
- उम्मीदवार की आयु 18 से 37 वर्ष होना चाहिए।
- प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण सामग्री, भोजन एवं आवास निःशुल्क प्रदान किया जायेगा।
- आवेदक छत्तीसगढ़ राज्य में एन.टी.पी.सी. कोरबा परियोजना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र **जिला - कोरबा (ग्राम - धनरास, छुरीखुर्द, झोरा, चारपारा - कोहाडिया, गोपालपुर, आरसी गोपालपुर, चोरभट्टी, दर्री, पन्डरीपानी, सेमीपाली, सुमेधा, डिंडोलभाटा, डूमरमुड़ा, घमोटा, बन्चर, बरेड़ीमुड़ा, नमनीपाली, केदईखार, कुमगरी, लाटा, नगोईखार, डगनियाखार, लोतलोता, चारपारा एवं पुरनेाखार)** के भू-विस्थापित उम्मीदवारों (**Land Oustee**) को प्राथमिकता दी जायेगी।
- योग्य उम्मीदवार अपने आवेदन समस्त दस्तावेजों की प्रति जैसे - अंकसूची, परिचय-पत्र/आधार कार्ड, राशन कार्ड/बी.पी.एल. कार्ड, निवास प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र तथा पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ के साथ सिपेट, कोरबा के ऊपर उल्लेखित पते पर लिफाफे के ऊपर आवेदित पाठ्यक्रम का नाम के साथ भेजें एवं अग्रिम प्रति ई-मेल द्वारा **cipetkorbavtc@gmail.com** या 7978785859 पर **Whatsapp** या काउंसिलिंग के समय भी जमा कर सकते हैं।
- **चयन प्रक्रिया :** (1) उम्मीदवार का चयन काउंसिलिंग के आधार पर किया जाएगा। (2) काउंसिलिंग हेतु आने वाले उम्मीदवारों को किसी भी प्रकार का **TA/DA** प्रदान नहीं किया जाएगा। (3) काउंसिलिंग व प्रवेश के समय मूल प्रमाण-पत्र लाना अनिवार्य है।
- **काउंसिलिंग एवं साक्षात्कार की तिथि : 03.11.2026, समय - प्रातः 10.00 बजे, स्थान - सिपेट, कोरबा।**
- **पाठ्यक्रम प्रारंभ होने की संभावित तिथि : 16.11.2026**
- सिपेट बिना किसी कारण बताए, किसी भी आवेदन को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
- प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न होने के उपरांत देश की विभिन्न प्लास्टिक्स कंपनी में रोजगार का अवसर दिया जाएगा।
- **उक्त प्रशिक्षण NTPC में रोजगार देने हेतु नहीं है, ना ही उम्मीदवार प्रशिक्षण के पश्चात् NTPC में रोजगार पाने की पात्रता रखता है।**

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें :
7978785859, 9098595381, 9770126712, 6267361851, 8109113599, 9229441945

छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक
CHHATTISGARH GRAMIN BANK (Scheduled Bank Owned by Government)
क्षेत्रीय कार्यालय- अम्बिकापुर, कुसुमतारा कॉम्प्लेक्स, द्वितीय तल, हनुमान गली, न्यू महामाया रोड, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)
Telephone : 6232032901 , 6232033100, Email – adv.ro.amb@cgbank.in

अचल सम्पत्ति ई-नीलामी सूचना : "जहाँ है जैसा है एवं जो कुछ भी है" (नीलामी तिथि 27/11/2026)

अधोहस्ताक्षरकर्त्ता **छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक** का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) एवं धारा 13(4) प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम के साथ प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्न दर्शित ऋणी के स्वामित्व वाली सम्पत्ति जिसका अधिग्रहण **छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक** के द्वारा कर लिया गया है, ऋणी से देय राशि वसूली हेतु सम्पत्ति ई-नीलामी, सीलबंद निविदा के रूप में आमंत्रित करता है एवं ऋण ग्रहिताओं को विशिष्टतः और सर्वसाधारण को सामान्यतः एतद द्वारा निम्न वर्णित सम्पत्ति के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है। सम्पत्तियों के साथ कोई व्यवहार निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज के लिये **छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक** के प्रभार के अधीन होगा।

ऋणी एवं शाखा की जानकारी	संपत्ति स्वामी का नाम/ संपत्ति का विवरण	मांग सूचना तिथि	कब्जा तिथि/ कब्जा का प्रकार	बकाया राशि	आरक्षित मूल्य	धरोहर राशि/ बोली वृद्धि राशि
शाखाः फुन्दूरडिहारी कर्जदार- श्री भानु प्रसाद मुखर्जी पिता विनय कृष्ण मुखर्जी	**श्री भानु प्रसाद मुखर्जी पिता विनय कृष्ण मुखर्जी** के प्लॉट नं/खसरा नं.- 273/1, केदारपुर, अंबिकापुर, अंबिकापुर, नजूल शीट नं. 02, आरएनएम-अंबिकापुर नजुल, तहसील- अंबिकापुर, जिला- सरगुजा, छत्तीसगढ़-497001, क्षेत्रफल- 0.13(1/2) एकड़ में स्थित भूमि एवं भवन के समस्त भाग तथा अंश। **चौहद्दी नजरी माप के अनुसारः उत्तर की ओर-** कमला देवी की भूमि, **दक्षिण की ओर-** गिरधारी का मकान एवं सड़क, **पूर्व की ओर-** शिवपाल सिंह की भूमि, **पश्चिम की ओर-** डॉ. वैश्य, गिरधारी, विजन एवं विमलेश की भूमि।	28/10/2025	02/01/2026 भौतिक	₹ 13,57,862.00 (दिनांक 28.10.2026 तक) तथा उक्त तिथि से आगे का ब्याज एवं अन्य प्रभार देय होगा।	₹ 1,41,19,092/-	₹ 14,11,909.20 ₹ 70,000/-

ई-नीलामी की शर्तें:- (1) ई-नीलामी **"जहां है जैसा है एवं जो कुछ भी है"** के आधार पर भार सहित (अगर कोई हो) की जायेगी। बैंक की जानकारी एवं सूचना के अनुसार संपत्ति पर कोई भार नहीं है। भार के विवरण हेतु अधोहस्तारकर्ता से धरोहर राशि जमा करने के पूर्व सम्पर्क करें। नीलामी बैंक द्वारा अधिकृत सेवा प्रदाता की वेबसाइट **www.baanknet.com** के माध्यम से आन लाईन ई-नीलामी की जावेगी। **(2)** आरक्षित मूल्य कम की निविदा/आफर स्वीकार नहीं किये जाएंगे। **(3) संपत्ति निरीक्षण दिनांक 26/10/2026 से 25/11/2026, सुबह 11.00** से सायं **4.00** बजे तक संबंधित शा

दिल्ली के रामलीला मैदान पर कर्मचारी आक्रोश रैली 12 दिसंबर को

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन का आह्वान

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

दिल्ली के रामलीला मैदान पर 10 सूत्रीय मांगों को लेकर कर्मचारियों की देशव्यापी आक्रोश रैली निकाली जाएगी। इस रैली में छत्तीसगढ़ के कर्मचारी व अधिकारी बड़ी संख्या में भाग लेंगे। अखिल भारती राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने शनिवार को इंद्रावती भवन नवा रायपुर में महासंघ के प्रांतीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए 12 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान पर आयोजित कर्मचारियों की आक्रोश रैली को सफल बनाने का आव्हान किया। श्री लांबा ने इस मौके पर आठवें वेतन आयोग, पुरानी पेंशन योजना, महंगाई भत्ता और संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण सहित अन्य ज्वलंत मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन द्वारा अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा के सम्मान में प्रांतीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने केंद्र एवं राज्य सरकारों के कर्मचारियों की लंबित मांगों का जिक्र करते हुए 12 दिसंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित कर्मचारी आक्रोश रैली को सफल बनाने मंच से आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के अधिकारों, सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक भविष्य के लिए संगठित प्रयास करना बेहद जरूरी है। प्रांतीय सम्मेलन में फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा ने संगठन की उपलब्धियों एवं कर्मचारी हितों के लिए किए गए कार्यों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि फेडरेशन ने प्रदेश में पुरानी पेंशन योजना की बहाली, केंद्र के समान महंगाई भत्ते की व्यवस्था, सातवें वेतनमान के अनुरूप डीए, स्टायपंड व्यवस्था की समाप्ति, दुर्घटना बीमा योजना, अर्जित वेतन के विरुद्ध ऋण सुविधा और कैशलेस चिकित्सा सुविधा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सफलता प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में फेडरेशन द्वारा किए गए 17 दिवसीय अनिश्चितकालीन आंदोलन का उल्लेख करते हुए कहा कि संगठन कर्मचारियों एवं अधिकारियों के अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्षरत रहा है। प्रदेश में मोदी की गारंटी के अनुरूप कर्मचारियों से संबंधित घोषणाओं को लागू कराने तथा आठवें वेतन आयोग के लाभ सहित अन्य लंबित मांगों को लेकर चल रही संगठनात्मक तैयारियों की जानकारी दी। फेडरेशन के प्रांतीय महासचिव चंद्रशेखर तिवारी ने प्रदेश के विभिन्न ज्वलंत कर्मचारी मुद्दों का जिक्र करते हुए 12 दिसंबर की आक्रोश रैली को सफल बनाने के लिए सभी संगठनों से सक्रिय सहभागिता की अपील की। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा के सम्मान में आयोजित सम्मेलन में फेडरेशन के महासचिव चंद्रशेखर तिवारी, छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार शर्मा, प्रमुख सलाहकार बीपी शर्मा, छत्तीसगढ़ प्रदेश लिपिक वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित तिवारी, प्रदेश प्रवक्ता पंकज पाण्डेय, कार्यालय मंत्री जय कुमार साहू,मनोज साहू, संतोष कुमार वर्मा, श्री पूषण साहू, चंदूलाल चंद्राकर, गजेंद्र साहू सहित विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी व प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल रहे।

नहीं थम रही डिजिटल अरेस्ट कर जालसाजी की घटना, तीन महीने में 33 लाख से ज्यादा की ठगी

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

डिजिटल अरेस्ट कर ठगी करने वालों के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश होने के बाद भी डिजिटल अरेस्ट कर ठगी करने की घटना कम होने का नाम नहीं ले रही है। राजधानी के तीन अलग-अलग थाना क्षेत्रों में डिजिटल अरेस्ट कर 33.50 लाख रुपए ठगी की घटना सामने आई है। जिन लोगों के साथ ठगी की घटना हुई है, उनमें एक महिला शामिल है। ठगी के शिकार सभी बुजुर्ग हैं। तीनों ठगी की घटनाओं की जांच रेंज साइबर पुलिस कर रही है। डिजिटल अरेस्ट के एक प्रकरण में कारोबारी को 44 दिनों तक अलग-अलग समय में भय दिखाकर ठगी की गई है।

रेंज साइबर पुलिस ने चार माह पूर्व मई में डिजिटल अरेस्ट कर ठगी करने वालों के एक इंटर स्टेट गिरोह के तीन शातिरों को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में उन शातिरों ने 104 म्यूल अकाउंट तथा फर्जी सिम कार्ड का इस्तेमाल किया था। जांच करने पर उन लोगों द्वारा देश के अलग-अलग 17 राज्यों के 88 डिजिटल अरेस्ट के प्रकरण में संलिप्तता की बात सामने आई थी। गिरफ्तार आरोपियों में डोंगरगढ़ का युवक राजदीप सिंह उर्फ यश भाटिया के रूप में हुई थी। इसके अलावा एक आरोपी दिल्ली तथा दूसरा कर्नाटक, हुबली का था। आरोपी खुद को मुंबई और दिल्ली क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर लोगों को वीडियो कॉल पर डराते थे और गिरफ्तारी का भय दिखाकर रकम ट्रांसफर करवाते थे।

जानकारों के अनुसार उम्रदराज लोगों को डिजिटल अरेस्ट करने का बड़ा कारण उन्हें सामाजिक मर्यादा के साथ अपने मान-सम्मान की चिंता रहती है। जालसाज ऐसे लोगों को गिरफ्तारी का भय दिखाते हैं। इस कारण उम्रदराज व्यक्ति अपनी गिरफ्तारी के डर से इस बात की किसी के साथ चर्चा नहीं कर पाते और वे आसानी से ठगी का शिकार हो जाते हैं।

इन लोगों को डिजिटल अरेस्ट कर ठगी

केस -01

44 दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर ठगी

खमतराई थाना क्षेत्र के उरकुरा निवासी 64 वर्षीय किराना कारोबारी देवसिंह साहू को फर्जी सीबीआई और आईपीएस अधिकारी बनकर डराया गया और मनी लॉन्ड्रिंग केस का भय दिखाया गया। कारोबारी को 44 दिनों तक अलग-अलग समय में डिजिटल अरेस्ट कर साढ़े आठ लाख की ठगी की गई।

केस - 02

एनआईए का भय दिखाकर महिला से ठगी

गंज थाना क्षेत्र की नर्मदापारा निवासी 62 वर्षीय बुजुर्ग महिला को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) का अफसर बन आधार कार्ड के दुरुपयोग करने का झांसा देकर पांच दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर सात लाख की ठगी की गई। महिला ने जालसाजों के अकाउंट में रकम जमा करने अपनी एफडी तुड़वाकर पैसा जमा किए।

केस - 03

सेवानिवृत्त शिक्षक से 18 लाख की ठगी

विधानसभा थाना क्षेत्र के सड्डू निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक को जालसाजों ने नवा रायपुर एटीएस अफसर बनकर उनके आधार कार्ड का दुरुपयोग कर जम्मू कश्मीर में अकाउंट ऑपरेट होने का झांसा दिया। जालसाजों ने उस अकाउंट से मनी लांड्रिग होने का झांसा दिया। साथ ही फर्जी गिरफ्तारी वारंट दिखाकर 18 लाख की ठगी की। शिक्षक को जालसाजों ने तीन दिन तक डिजिटल अरेस्ट किया था। पैसा देने शिक्षक ने अपनी एफडी तुड़वाकर जालसाजों के अकाउंट में रकम आरटीजीएस की थी।

डीएड अभ्यर्थियों ने वित्त मंत्री के बंगले का घेराव करने निकाली महारैली

रायपुर। डीएड अभ्यर्थी संघ छत्तीसगढ़ के आव्हान पर प्रदेशभर के डीएड प्रशिक्षित अभ्यर्थियों ने सहायक शिक्षक के रिक्त 2300 पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर शनिवार को वित्त मंत्री ओपी चौधरी के बंगले का घेराव करने महारैली निकाली।

प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने धरना स्थल पर के पास बैरिकेड लगाकर आगे बढ़ने से रोक दिया। इससे नाराज आंदोलनकारी धरना स्थल पर नारेबाजी कर अपने लंबित मांग को लेकर घंटों विरोध जताते रहे। वे सहायक शिक्षक भर्ती 2300 के अंतर्गत रिक्त 2300 सहायक शिक्षक पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर प्रदर्शन करने जुटे। वर्ष 2023 की सहायक शिक्षक भर्ती के शेष 2300 पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर डीएड अभ्यर्थी तूता धरना स्थल से वित्त मंत्री ओपी चौधरी के बंगले का घेराव करने के लिए निकले, लेकिन पुलिस प्रशासन ने बैरिकेडिंग कर अभ्यर्थियों को धरना स्थल पर ही रोक दिया। अभ्यर्थियों का कहना है पिछले 308 दिनों से नियुक्ति की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, इसके बावजूद उनकी समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। चयनित अभ्यर्थियों का कहना है कि जब नियुक्ति से संबंधित फाइल वित्त विभाग में लंबित है, तो आखिर हजारों बेरोजगार अभ्यर्थियों को न्याय कब मिलेगा? डीएड अभ्यर्थियों ने कहा कि उन्होंने सालों तक मेहनत करके परीक्षा दी, मेरिट में स्थान प्राप्त किया और शिक्षक बनने का सपना देखा, लेकिन नियुक्ति की लंबी प्रतीक्षा ने उन्हें आर्थिक संकट, मानसिक तनाव और भविष्य की अनिश्चितता में धकेल दिया है। धरना प्रदर्शन कर रहे डीएड अभ्यर्थियों ने सवाल किया कि यदि भर्ती प्रक्रिया में पद शेष है और पात्र अभ्यर्थी नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे है, तो उनकी मांग पर निर्णय लेने में इतनी देर क्यों हो रही है? उन्होंने वित्त मंत्री ओपी चौधरी से मांग की है कि वे वित्त विभाग में लंबित बताई जा रही फाइल की स्थिति स्पष्ट कर नियम अनुसार नियुक्ति प्रक्रिया आगे बढ़ाने आवश्यक पहल करें। उनका ये भी आरोप है कि सरकार कोर्ट के आदेश का भी पालन नहीं कर रही।

ठेकेदार ने बिना अनुमति लिए बंद कराया सफाई कार्य

रायपुर। राजधानी रायपुर के जोन-9 अंतर्गत एक सफाई ठेकेदार ने बिना अनुमति लिए सफाई का काम पिछले चार दिनों से बंद करा दिया है। इसकी जानकारी मिलने पर जोन कमिश्नर ने ठेकेदार पर न केवल 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया, बल्कि कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है। नोटिस का संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर ठेकेदार से अनुबंध निरस्त किया जाएगा। जोन कमिश्नर हितेंद्र यादव ने बताया कि वार्ड-8 क्षेत्र अंतर्गत बीएसयूपी खालबाड़ा में सफाई व्यवस्था का काम बंद है। इस क्षेत्र का ठेका मेसर्स नवाज इंटरप्राइजेस को मिला है। कमिश्नर ने बताया कि काम बंद करने से पहले ठेकेदार ने इसकी न ही उन्हें सूचना दी और न ही अनुमति ली है। चार दिन से सफाई कार्य बंद करने के कारण ठेकेदार पर 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्रमांक-1, बिलासपुर (छ.ग.)

सूचना पत्र

ज्ञाप क्रमांक 7212 / स्था.का.भा./2026-27 बिलासपुर, दिनांक 15.10.2026

प्रति, **श्री अनिल अवधेलिया (स्थल सहायक)**
कार्या. कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक-1, बिलासपुर

विषय : कार्यस्थल पर निरंतर बिना कोई सूचना के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने बाबत।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक-1, बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा आपकी अनुपस्थिति के कारण कई बार आपको स्पष्टीकरण जारी किया गया है, एवं चेतावनी भी दर्ज पते पर भेजी गई थी, किन्तु उसके उपरान्त भी आप आज दिनांक तक अपने कार्यस्थल पर अनुपस्थित है। छ.ग. सिविल सेवाएं (अवकाश) नियम 11 एवं छ.ग. शासन वित्त विभाग मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर रायपुर के परिपत्र क्र. Rule/353/2025/Finance दिनांक 23/07/2025 स्थायी वित्त निर्देश 25/2025 के अनुसार कोई शासकीय सेवक अवकाश सहित या बिना अवकाश के बाह्य सेवा से भिन्न तीन वर्ष से अधिक निरंतर अवधि के लिए अपने कर्तव्य से अनुपस्थित रहता है, तो उसे शासकीय सेवा से त्यागपत्र दिया हुआ समझा जावेगा। आप 2017 से अब तक अनुपस्थिति है, इससे स्पष्ट होता है, कि आपको शासकीय सेवा की आवश्यकता नहीं है। इस अनाधिकृत अनुपस्थिति हेतु क्यों न आपको सेवा से बर्खास्त किया जाये।

अतः एतत द्वारा यह सूचना पत्र जारी करते हुए निर्देशित किया जाता है, कि उक्त आरोपो के तारतम्य में जवाब दिनांक 28/10/2026 तक अनिवार्य रूप से इस कार्यालय में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें अन्यथा आपकी सेवा बर्खास्तगी की कार्यवाही की जावेगी, जिसके लिए आप स्वतः जिम्मेदार होंगे।

सहपत्र : शून्य

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्रमांक-1 बिलासपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगरपालिका परिषद् सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ.ग.)
Phone :- 07775-266355/Fax:- 07775-266956/Email Id :- nagarpalikasurajpur@gmail.com

क्रमांक/438/ न.पा.प./ 2026-27 सूरजपुर, दिनांक 23/10/2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in में आमंत्रित की जाती है।

सिस्टम टेण्डर क्र.	कार्य का विवरण	लागत (लाख)	निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
202579	वार्ड क्र.-07 में चौपाटी उन्नयन कार्य।	19.13	13.11.2026 5.30PM
202584	पुराना बस स्टैंड में दुकान निर्माण कार्य। (पार्ट-01)	88.71	

विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालयीन अवधि में न.पा. कार्यालय एवं वेबसाईट http://eproc.cgstate.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • सभी प्रकार के ऑपरेशन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चो के ऑपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

JHAIGO Cream
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email- hbclassified375@gmail.com

Classified

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- अनुभवी रिसेप्शनिस्ट हॉस्पिटल मैनेजमेंट, अनुभवी PRO (पब्लिक रिलेशन ऑफिसर) फील्ड वर्क मार्केटिंग, OT टेक्नीशियन, अनुभवी फार्मासिस्ट (मेडिकल स्टोर हेतु) पता- प्रभा हॉस्पिटल, महामाया चौक, रतनपुर रोड, लोधीपारा सरकंडा बिलासपुर 7470946314 (1765)

आवश्यकता है- बॉयज हॉस्टल में रहकर चौकीदारी करने वाले व्यक्ति की आवश्यकता है वेतन 9000, सम्पर्क करें- देवांगन बुक डिस्ट्रीब्यूटर्स, E-15 सिटी सेन्टर कॉम्प्लेक्स, मारुति कार शोरूम, शिव टॉकीज रोड बिलासपुर 6262227355 (42171)

आवश्यकता है- हिन्दी, अंग्रेजी टाइपिंग, एकाउंट्स का जानकार उम्र 30-50, अनुभव- 5वर्ष, सभी नशों से दूर सम्पर्क करें- एसपी चतुर्वेदी, फ्लैट नं-801, घनश्याम होम्स, यूनीयन बैंक के सामने, व्यापार विहार, बिलासपुर 9993087654 (1769)

आवश्यकता है- सर्वमंगला टेन्ट हाउस महिमा टॉवर राजीव गांधी चौक कुम्हारपारा बिलासपुर में काम करने हेतु ड्राइवर एवं सुपरवाइजर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9826601147, 6260273334 (42170)

आवश्यकता है- ड्राइवर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, सेल्समैन, इलेक्ट्रीशियन, कारपेंटर, सुरक्षागार्ड, धोबी और लेबर हेतु ठेकेदार चाहिए। सम्पर्क करें- भारत टेन्ट हाउस होटल राज बिल्डिंग, शीतला माता मन्दिर के पास, दयालबंद, बिलासपुर 9826681000, 8516986000 (42145)

आवश्यकता है- बिलासपुर में घर की साफ सफाई करने हेतु लड़की/ महिला कर्मचारी की आवश्यकता है। समय सुबह 8बजे से शाम 4बजे तक। वेतन 8000 प्रतिमाह। इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- 9244664654, 91095 11248 (1506)

आवश्यकता है- फेब्रिकेशन एवं शैड कार्य हेतु वेल्डर, हेल्पर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सुबह 10बजे से शाम 6बजे, उमेश इंजीनियरिंग धुरीपारा मंगला बिलासपुर 9098220011, 8085888288 (सीजन में वेतन बढ़ाकर दिया जाएगा) (42162)

आवश्यकता है- रायपुर (सिविल लाइन्स) स्थित एक प्रतिष्ठित परिवार के लिए 12 घंटे एवं 24 घंटे कार्य हेतु अनुभवी, ईमानदार और जिम्मेदार घरेलू नौकर की आवश्यकता है। अनुभव कम से कम 5 वर्ष, शिक्षा न्यूनतम 10वीं पास वेतन 20,000 प्रतिमाह सुविधाएं रहने की व्यवस्था स्थान सिविल लाइन्स, रायपुर संपर्कः- 9109136936, 9109972720 (096)

URGENT REQUIREMENT
Civil Engineer, Site Supervisor & Plumber
-:Work:-
Civil Construction Works (GOVT.)
Location: Jashpur and Raipur
Salary:- Negotiable
Interested Candidates Email or WhatsApp
WhatsApp 9907265169 6260469972
-:E-mail:-
jobs.saecr@gmail.com

आवश्यकता है- घरेलू सभी काम करने हेतु फुल टाइम/ हाफ टाइम के लिए विश्वसनीय एवं जिम्मेदार व्यक्ति की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार स्थान- लिंक रोड, बिलासपुर। सम्पर्क करें- 8109961697 (42173)

आवश्यकता है- एस.एस. पब्लिक स्कूल, बैमा- नगोई, बिलासपुर में मैथ्स, अंग्रेजी फिजिक्स, हिन्दी, संस्कृत टीचर (6वीं से 10वीं), नर्सरी से LKG हेतु मदर टीचर, कम्प्यूटर अनुभवी ऑफिस स्टाफ चाहिए सम्पर्क करें- 7697425610 (42163)

आवश्यकता है- साड़ी शोरूम में कार्य करने हेतु लड़का एवं लड़की हेल्पर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- शिखा सिल्क्स, श्री राम क्लाथ मार्केट अग्रसेन चौक बिलासपुर (42169)

आवश्यकता है- घरेलू कार्य करने हेतु महिला कर्मचारी की आवश्यकता है समय सुबह 9बजे से 12बजे तक वेतन 6000 रुपए स्थान कपिल चौक के पास शास्त्री नगर बिलासपुर सम्पर्क करें- 9907999760 (42161)

आवश्यकता है- पीटर इंग्लैंड मेन्स वियर शोरूम में सेल्स कार्य करने के लिए सेल्समैन/ सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- पीटर इंग्लैंड राजीव प्लाजा बिलासपुर 9827922881 (42164)

आवश्यकता है- प्रातः 8बजे से रात्रि 8बजे तक बुजुर्ग की देखभाल हेतु पुरुष नर्सिंग स्टाफ चाहिए। आधार कार्ड की फोटोकॉपी सहित सम्पर्क करें- मकान नम्बर F-42 रामा वर्ल्ड रायपुर रोड बिलासपुर 9111848701 (42166)

आवश्यकता है- जिम में मैनेजमेंट संबंधित सभी कार्य करने हेतु स्मार्ट युवती की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- लेवल अप फिटनेस, मिनी स्टेडियम, गांधी चौक बिलासपुर 9144 444774, 9522266668 (42158)

आवश्यकता है- क्लिनिक में काम करने के लिए एक रिसेप्शनिस्ट की आवश्यकता है जो ईसीजी एवं ईको आदि करने में सहयोग कर सके। संपर्क करें: एपीटॉम हार्ट क्लिनिक 89623 11923, 7587134363 (42151)

आवश्यकता है- ईरिक्शा ड्राइवर (महिला/ पुरुष) सुपरवाइजर, मार्केटिंग सेल्स मैनेजर (मेल/ फीमेल) सैलरी 10000+ तत्काल सम्पर्क करें- कल्याण ज्वैलरी के सामने अग्रसेन चौक बिलासपुर 6263077177, 78058 84040 (बायोडाटा व्हाट्स एप्प करें) (42155)

आवश्यकता है- गैरेज में कार्य हेतु मैकेनिक, वर्कर (कार वॉशिंग) हेल्पर चाहिए अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- माँ शारदा कार केयर, स्मार्ट रोड, संजीवनी अस्पताल के पास बिलासपुर 7974332986 (42143)

आवश्यकता है- आर्टिफिशियल ज्वेलरी शॉप में लड़कों, लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- संध्या ज्वेलरी एण्ड कॉस्मेटिक श्रीराम क्लॉथ मार्केट, अग्रसेन चौक बिलासपुर (प्रातः 11बजे के पहले फोन ना करें) 9691083080, 79874 23847 (42167)

आवश्यकता है- अनुभवी ड्यूटी डॉक्टर - 6 (MBBS / BAMS / BHMS), ICU ड्यूटी डॉक्टर 2, नर्सिंग स्टाफ 10 (B. Sc. /GNM), OT टेक्नीशियन 3, फ्लोर मैनेजर 1, रिसेप्शनिस्ट 2, ड्रेसर 2 की आवश्यकता है। पताः ग्लोबल स्टार हॉस्पिटल, डी.डी. नगर, रिंग रोड नं. 1, रायपुर (छ. ग.) संपर्कः 9993111117, 7880085048, 9131216229 (4198)

आवश्यकता है- सर्जिकल ऑफिस में कार्य हेतु लड़की (योग्यता 12वीं से ग्रेजुएट) एवं टैली एकाउंटिंग डेटा एंट्री ऑपरेटर तथा अच्छा ड्राइवर चाहिए सम्पर्क करें- श्रीविनायक सेल्स ए/158, अज्ञेय नगर बिलासपुर 98933 67787 (42160)

आवश्यकता है- FMCG कम्पनी में 1वर्ष अनुभवी सेल्समैन-3, ऑफिस में स्टॉक लिखने निकालने हेतु 3 लड़कियां, लोडिंग अनलोडिंग हेतु ऑफिस बॉय-5, एकाउंटेंट-1, ड्राइवर-2, वेतन-योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- व्यापार विहार, बिलासपुर 07752411422 (42154)

आवश्यकता है- एडवेंचर गेम खिलाने, खिलाड़ियों को गाइड करने, नियम समझाने एवं सहायता करने हेतु स्टाफ की आवश्यकता है। अच्छा व्यवहार, कम्युनिकेशन स्किल, जिम्मेदारी वाले उम्मीदवार ही सम्पर्क करें- Alakart Bilaspur 7000549730 (42148)

आवश्यकता है-सिविल इं जी नि य र - ऑ टो कै ड , स्ट्रक्चरल ड्रॉइंग तथा साइट मैनेजमेंट अनुभवी एवं सिविल साइट सुपरवाइजर- निर्माण कार्य तथा स्वतंत्र रूप से साइट संचालन का अनुभवी। वेतन–योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 9770770000, 98270 72000 (42094)



आवश्यकता है- लॉज में डे और नाइट ड्यूटी हेतु एवं घर में रहकर घर में काम करने हेतु और सुपरवाइजर काम हेतु लड़के और लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 7869523344, 7301717175 (42146)

आवश्यकता है- रियल एस्टेट ऑफिस में काम करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- डी-ब्लॉक शॉप नम्बर 402, 4th फ्लोर, सत्यम चौक बिलासपुर 8461997770 (42159)

आवश्यकता है- घर में खाना बनाने हेतु महिला की आवश्यकता है सम्पर्क करें- पी. पुरी मित्र विहार, नारायण प्लाजा के पास, लिंक रोड, बिलासपुर 9340969592, 7828803577 (42165)

आवश्यकता है-शाकाहारी खाना बनाने के लिए महिला एवं डिलिवरी बॉय की आवश्यकता है, सरकण्डा क्षेत्र वालो को प्राथमिकता दी जाएगी वेतन- 5000 से 8000, सम्पर्क करें- 8962750640, 62623 54545 (42132)

बेचना है

बेचना है- यदुनन्दन नगर तिफरा में डायवर्टेड प्लाट/ जमीन और मेन रोड पर 2BHK मकान दुकान सहित बेचना है सम्पर्क करें- कृत्या कन्सल्टेंसी बिलासपुर 9826314444 (42168)

बेचना है- लिंगियाडीह गुलाब नगर के पीछे पाटलिपुत्र कॉलोनी के बगल में नहर रोड में 40फिट के सड़क पर सभी साइज के डाईवर्टेड प्लॉट उपलब्ध है बेचना है सम्पर्क करें- 9823456300, 93405 21106 (42172)

बेचना है- सैदा मुख्य मार्ग से लगी 13080 वर्गफुट 30डिस. फ्रंट-97 सकरी रायपुर बाईपास से 300मी. दूर कमर्शियल जमीन 850/- फुट दीपावली तक रजिस्ट्री पर एक्टिवा फ्री। सम्पर्क करें- पलक बजाज 9098175525 (1768)

बेचना है- बिलासपुर सकरी मेन रोड से लगी कॉलोनी में सभी साइज, सुविधाओं सहित प्लॉट उपलब्ध रेलवे स्टेशन, कालेज, हॉस्पिटल्स, स्कूल, पेट्रोल पम्प मेन मार्केट से लगा रेट 1800/- वर्गफुट सम्पर्क- 9893958173 (42041)

बेचना है- अलका एवेन्यू कॉलोनी उसलापुर रेलवे स्टेशन के पास बिलासपुर में 34×55= 1870 वर्गफुट पूर्व मुखी प्राइम लोकेशन में 2 प्लाट अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क 8839864986 (42142)

बेचना है- बिलासपुर में प्लॉट बेचना है (1) सकरी रोड रामा लाइफ सिटी 1745 (30×60) वर्गफुट (2) रामा वर्ल्ड तिफरा 6200 (79×79) वर्गफीट (3) व्यापार विहार 4374 (54×81) वर्गफुट सम्पर्क- 8770994394, 8815192718 (42153)

फायनेंस

फायनेंस- विजया फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधारकार्ड, पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज), (30% छूट) संपर्कः- 94386 11245 (098)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक,संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो.-9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो.-9303508230

- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-मो.-9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:-मो.-9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-मो.-9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-मो.-9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:-मो.-9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:-मो.-9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:-मो.-9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-मो.-9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-मो.-9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:-मो.-9425540759
- अमित पब्लिकेशन:-मो.-9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:-मो.-9302462506
- माधवास & कम्पनी:-मो.-9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:-मो.-9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:-मो.-8109229025



भारत का 300वां मैच, 200वीं जीत तिलक और नीतीश ने पलटा मैच

भारत ने तिलक वर्मा (नाबाद 51 रन) के अर्धशतक और नीतीश कुमार रेड्डी (नाबाद 26 रन) के साथ सातवें विकेट के लिए 30 गेंद में 69 रन की अटूट साझेदारी की बदौलत शुरुआती झटकों से उबरते हुए शनिवार को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड पर एक गेंद रहते 4 विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की। भारत ने 300वें मैच में 200वीं जीत (टाई मुकाबले जोड़े बगैर) दर्ज की।

एजेंसी ▶▶| क्राइस्टचर्च

तिलक (26 गेंद, 6 चौके, 1 छक्का) और नीतीश कुमार (13 गेंद, 1 चौका, 1 छक्का) ने ऐसे समय में जिम्मेदारी संभाली, जब टीम 15वें ओवर में 112 रन पर 6 विकेट गंवाकर मुश्किल में थी। लेकिन दोनों ने सूझबूझ और संयम से बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 6 विकेट पर 181 रन बनाकर भारत को 5 मैच की श्रृंखला में 2-0 से आगे कर दिया। कप्तान मिचेल सैंटनर (4 ओवर में 21 रन देकर 4 विकेट) की शानदार गेंदबाजी से एक समय न्यूजीलैंड की टीम जीत की ओर बढ़ रही थी। पर तिलक ने फिनिशर की भूमिका निभाते हुए मैच उनके हाथों से छीन लिया।



टीम इंडिया की खराब शुरुआत

भारतीय गेंदबाजों ने पहले मैच की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया लेकिन मेजबान टीम ने ग्लेन फिलिप्स (70) और बेवोन जैकब्स (56) के अर्धशतकों के बाद 5 विकेट पर 180 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। भारत के लिए शुरुआत इतनी अच्छी नहीं रही और टीम ने शुरू में लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। मध्यक्रम बल्लेबाज नमन धीर ने 31 रन, अभिषेक शर्मा ने 27 रन, संजू सैमसन ने 14 रन और अक्षर पटेल ने 11 रन बनाए। भारत को पहला झटका पांचवें ओवर में जैकब डफी ने सैमसन को आउट करके दिया, जो धीमी गेंद को जल्दी खेलकर ग्लेन फिलिप्स के हाथों लपके गए, तब टीम का स्कोर 40 रन था।



फ्रेंच ओपन : फाइनल में सिंधू 1 घंटे 13 मिनट में जीता मुकाबला

एजेंसी ▶▶| पेरिस

पीवी सिंधू ने फ्रेंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जापान की हिना अकेची पर रोमांचक जीत दर्ज की। भारतीय स्टार ने अकेची को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में 21-10, 20-22, 21-16 से हराकर इस साल दूसरी बार सुपर 750 टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। सिंधू ने यह मुकाबला 1 घंटे 13 मिनट में अपने नाम किया। इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने इससे पहले जुलाई में जापान ओपन सुपर 750 का खिताब जीता था। विश्व रैंकिंग में 22वें स्थान पर काबिज 21 वर्षीय अकेची ने इस सप्ताह वांग झी यी और पुतरी कुसुमा वारदानी जैसी खिलाड़ियों को हराकर अपनी क्षमता का परिचय दिया था। जापान की खिलाड़ी ने सिंधू को भी अपनी चतुराई भरे शॉट और मजबूत रक्षात्मक खेल से परेशान किया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी निर्णायक क्षणों में अपना संयम बनाए रखने में सफल रहीं। सिंधू के सामने फाइनल में दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर एक आन से यंग की चुनौती होगी।

- खिताब के लिए विश्व नंबर 1 आन से यंग से भिड़ेंगी सिंधू



शुरुआती गेम में कड़ी टक्कर

शुरुआती गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। स्कोर 4-4 और फिर 8-8 की बराबरी पर पहुंचा। इसके बाद सिंधू ने लय हासिल करते हुए ब्रेक तक 11-9 की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद भारतीय खिलाड़ी ने पूरी तरह दबदबा कायम करते हुए अंतिम 12 में से 11 अंक जीतकर महज 18 मिनट में पहला गेम 21-10 से अपने नाम कर लिया। सिंधू को दूसरे गेम में शुरुआत में चार अंकों से पिछड़ रही थी लेकिन उन्होंने खेल की रफ्तार बढ़ाकर स्कोर 7-7 से बराबर कर दिया। दोनों खिलाड़ियों के बीच 10-10 तक कड़ा मुकाबला चला, जिसके बाद अकेची ने बढ़त बनानी शुरू कर दी।

मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच बने पोलार्ड

एजेंसी ▶▶| मुंबई

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2027 सत्र से पहले वेस्टइंडीज के पूर्व हरफनमौला कीरोन पोलार्ड को टीम का मुख्य कोच बनाया है, जो महेला जयवर्धने की जगह लेंगे। पोलार्ड पिछले कुछ सत्र से टीम के बल्लेबाजी कोच थे। वह आईपीएल 2027 से टीम के मुख्य कोच का पद संभालेंगे। मुंबई आईपीएल की सबसे सफल टीमों में से है लेकिन आखिरी बार 2020 में खिताब जीता था।

मुंबई इंडियंस ने कहा,' मुंबई इंडियंस को यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि कीरोन पोलार्ड टीम के मुख्य कोच होंगे। यह टीम की विरासत बनाने के प्रति मुंबई इंडियंस की प्रतिबद्धता का परिचायक है। हम मैदान पर और उसके बाहर प्रतिभाओं के विकास और अपनी टीम संस्कृति मजबूत करने के लिए काम करते रहेंगे।'



मुंबई इंडियंस मेरे कैरियर का बड़ा हिस्सा : पोलार्ड

पोलार्ड ने कहा,' मुंबई इंडियंस मेरे जीवन और कैरियर का बड़ा हिस्सा रही है। टीम, खिलाड़ियों और पल्टन के साथ मेरा लगाव मेरे लिए काफी मायने रखता है।' उन्होंने कहा,' एक खिलाड़ी और एक कोच के तौर पर सफर का अनुभव करने के बाद मैं समझ गया हूं कि मुंबई इंडियंस क्या है और उसके साथ जुड़ने की जिम्मेदारियां क्या है।' पोलार्ड ने 2009-2010 से मुंबई के लिए ही आईपीएल खेला और आखिरी बार वह 2022 में खेले। मुंबई के लिए 189 आईपीएल मैचों में उन्होंने 147.32 की स्ट्राइक रेट से 3412 रन बनाए। इसके अलावा 69 विकेट भी लिए।

हीरो वुमैन इंडियन ओपन वाणी ने बनाई बढ़त

गुरुग्राम। भारतीय गोल्फर वाणी कपूर ने हीरो वुमैन इंडियन ओपन के तीसरे दौर के बाद एक शॉट की बढ़त हासिल कर 10 साल बाद घरेलू चैंपियन बनने की उम्मीदें मजबूत कर दी हैं। पांच लाख डॉलर की इनामी राशि वाले लेडीज यूरोपियन टूर (एलईटी) टूर्नामेंट के तीसरे दौर में 32 वर्षीय वाणी ने तीन अंडर 69 का कार्ड खेला। उनका कुल स्कोर पांच अंडर 211 है। वह गत चैंपियन सिंगापुर की शैनन टैन और थाईलैंड की तीन बार की विजेता पोर्नानॉन्ग फाटलम से एक शॉट आगे हैं। टैन ने तीसरे दौर में 67 जबकि फाटलम ने 69 का कार्ड खेला। भारत की अदिति अशोक ने 2016 में इस टूर्नामेंट का खिताब जीता था। उसके बाद से कोई भारतीय गोल्फर घरेलू धरती पर यह खिताब नहीं जीत सकी है। डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में वाणी के पास अब इस लंबे इंतजार को खत्म करने का सुनहरा अवसर है।

11 वर्ष की उम्र में इंटरनेशनल मास्टर बनीं बोधाना, तोड़ा 38 साल पुराना रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारतीय मूल की इंग्लिश शतरंज खिलाड़ी बोधना शिवनंदन 38 साल पुराना जुडिथ पोल्गर का रिकॉर्ड तोड़कर 11 वर्ष की उम्र में सबसे युवा महिला अंतरराष्ट्रीय मास्टर बन गई। उत्तरी लंदन की रहने वाली बोधना को यह रिकॉर्ड तोड़ने के लिए कुछ ही रेटिंग अंक की जरूरत थी। यूरोपीय शतरंज यूनियन ने एक्स पर लिखा,'11 वर्ष की बोधना शिवनंदन को यूरोपीय शतरंज क्लब कप 2026 के आखिरी दौर में में जीत के साथ अंतरराष्ट्रीय मास्टर बनने पर बधाई।' उन्होंने बेलारूस की अंतरराष्ट्रीय मास्टर ओल्गा बाडेलका को तीसरे दौर में हराया और अगले दौर में जॉर्जिया की ग्रैंडमास्टर निनो बाटसियाशवी से ड्रॉ खेला।



भारत सरकार, रेल मंत्रालय
रेलवे भर्ती बोर्ड

केन्द्रीकृत रोजगार अधिसूचना (सीईएन) संख्या–08/2026

(सांकेतिक सूचना)

स्टेशन मास्टर पदों के लिए भर्ती

पात्र अभ्यर्थियों से **स्टेशन मास्टर पद** के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। सभी प्रकार से पूर्ण आवेदन **केवल ऑनलाइन माध्यम** से ही प्रस्तुत किए जाने चाहिए। **(https://www.rrbapply.gov.in)**

आवेदन आरम्भ होने की तिथि : 27.10.2026 (अनंतिम)
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : 25.11.2026 23:59 बजे तक (अनंतिम)

पद का नाम	7वें सीपीसी के अनुसार पे लेवल	चिकित्सा मानक	दिनांक 01.01.2027 को आयु	अनंतिम रिक्तियां (सभी आरआरबी)
स्टेशन मास्टर	पे लेवल–6	विस्तृत सीईएन के अनुसार	विस्तृत सीईएन के अनुसार	1250(अनुमानित)

नोट: 1. अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन भरते समय आधार का उपयोग करके अपने प्राथमिक विवरण को सत्यापित कर लें, ताकि गैर–आधार सत्यापित आवेदनों के लिए भर्ती प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में होने वाली विस्तृत जांच के कारण होने वाली असुविधा एवं विलंब से बचा जा सके।
2. आधार का उपयोग करके सफल सत्यापन सुनिश्चित करने के लिए, आधार में दर्ज नाम एवं जन्म तिथि को 10वीं कक्षा के उत्तीर्ण प्रमाण–पत्र में अंकित पूरा नाम एवं जन्मतिथि से 100% मिलान करने के लिए अपडेट किया जाना चाहिए। इसी प्रकार, ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले आधार में नवीनतम फोटो एवं नवीनतम बायोमेट्रिक्स (फिंगरप्रिंट एवं आईरिस) के साथ अपडेट करना होगा।
3. यह सूचना केवल सांकेतिक प्रकृति की है, जिसे संभावित अभ्यर्थियों को आगामी विस्तृत सीईएन (CEN) के बारे में सूचित करने तथा आवेदन हेतु आवश्यक प्रमाण–पत्रों/दस्तावेजों को तैयार रखने के उद्देश्य से जारी किया गया है। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि भर्ती से संबंधित सभी नियमों, शर्तें, पात्रता मानदंड, प्रक्रियाएं एवं अन्य आवश्यकताएं पूर्णतः विस्तृत सीईएन संख्या 08/2026 (साथ ही समय–समय पर जारी किए जाने वाले शुद्धिपत्र सहित) के अनुसार ही मान्य होंगी, जो विशेष रूप से सभी आरआरबी की एकीकृत वेबसाइट **https://rrb.indianrailways.gov.in** पर प्रकाशित की जाएगी। अभ्यर्थी इस एकीकृत वेबसाइट से अलग–अलग आरआरबी के वेबपेज पर जा सकते हैं।

सं०–रेभबो/अज/एडीवीटी/सीईएन–08/2026
दिनांक: 25.10.2026
अध्यक्ष
रेलवे भर्ती बोर्ड

"जालसाज़ों, दलालों एवं नौकरी दिलाने का झांसा देने वालों से सावधान रहें"

पश्चिम मध्य रेल
शुद्धिपत्र संख्या–17/2026
निविदा सं. 40262064B जिसके खुलने की तिथि 16/10/2026 थी, जो कि इस कार्यालय की निविदा नोटिस सं. EPS/32/2026- के तहत प्रकाशित की गई थी, इसमें निम्न संशोधन किए गए हैं– **निविदा सं. एवं संक्षिप्त विवरण:** 40262064B Description:& ब्रुशलेस DC (BLDC) रेलवे कैरिज फैन कम्पलीट विथ ब्लेड, **Field Name:** Justification for deviation from System calculated EMD, **From:** EMD shall be governed by para 5.0 of Annexure-B of e-Tender document for supply contracts (Ver.7.0, applicable w.e.f. 31.10.2022.), **To:** EMD shall be governed by para 5.0 of Annexure-B of e-Tender document for supply contracts (Ver.7.0, applicable w.e.f. 31.10.2022.), **Tender Closing Date Time :** 16/10/2026 12:30, 06/11/2026 12:30, अद्यतन एवं पूर्ण जानकारी के लिए बेबसाईट https://www.ireps.gov.in. देखें। (हस्ता.)
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निविदा सूचना
निविदा सूचना क्र.: सीनियर डी.ई.ई. (आर.एस.&जी.) बी.एस.पी./ओ.टी.पी./26-27-16, दिनांक: 07.10.2026
कार्य का नाम: 1. विद्युत भाग का कार्य: "बिलासपुर मंडल: एच.एस.एस. नं. 01 स्कूल का विस्तार एवं 30 कक्षों का निर्माण।"
2. विद्युत भाग का कार्य: बिलासपुर सेटलमेंट क्षेत्र में 10 टन प्रतिदिन क्षमता की मशीनीकृत लॉन्ड्री की स्थापना।"
3. बिलासपुर: PHOD कार्यालयों, DRM एवं ADRM कार्यालयों के लिए UPS के माध्यम से बैकअप विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था का प्रावधान।
4. बिलासपुर केन्द्रीय अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट हेतु विद्युत प्रणालियों में सुधार का कार्य।
निविदा मूल्य- रू. 3,36,05,139.85/-, अमानत राशि- रू. 6,72,100/-, निविदा बंद होने की तिथि व समय- दिनांक 06/11/2026, 16:30 Hrs. बजे।
विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज का विक्रय, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण निविदा दस्तावेज जो हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in. पर उपलब्ध है उससे डाउनलोड कर/ देख सकते है।
वरि.म.वि.इंजी. (आर.एस. एवं सामान्य)
सीपीआर/10/449 दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

मुंबई ओपन टेनिस : करण और दिग्विजय के बीच खिताबी मुकाबला

मुंबई। भारत के करन सिंह ने शनिवार को मुंबई ओपन आईटीएफ पुरुष एम25 टेनिस टूर्नामेंट सेमीफाइनल में हमवतन चिराग दुहन को सीधे सेटों में 6-3, 6-2 से हराया कर खिताबी मुकाबले के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। करन शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए लगातार दूसरे आईटीएफ पुरुष एम25 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले उन्होंने पिछले सप्ताह सोलापुर ओपन में खिताबी मुकाबले में जगह बनाई थी।



तीसरी वरीयता प्राप्त करन के साथ भारत के चौथी वरीयता प्राप्त दिग्विजय प्रताप सिंह ने भी फाइनल में प्रवेश किया। दिग्विजय ने दूसरे वरीय अमेरिका के गैरेट जॉन्स को 6-4, 6-2 से शिकस्त दी। उनकी इस जीत के साथ टूर्नामेंट के एकल वर्ग का खिताब भारतीय खिलाड़ी के पास रहना तय हो गया।

राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मिथुन अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है।

कर्क आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी, संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धर्नाजन हो सकता है।

सिंह पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है।

कन्या नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे, वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

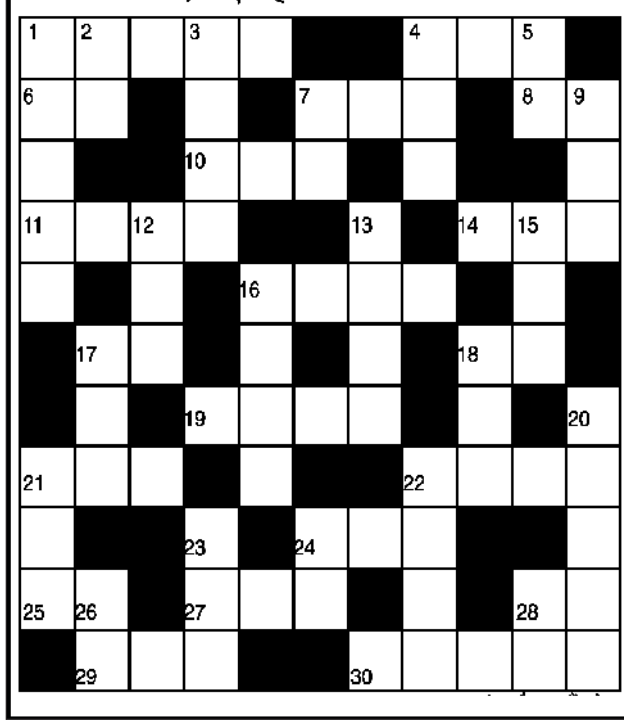
धनु रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है।

मकर आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्चे बढ़ सकते हैं। चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं।

कुंभ परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है।

मीन रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

शब्द पहेली - 6388



बाएँ से दाए-
1. पदमाकर, कमल सरोवर-5
4. इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6. देवस्थान, मंदिर-2
7. शिव आवास-3
8. उत्तम, सज्जन-2
10. पति, शोहर-3
11. दमकना-4
14. टीस, पीड़ा-3
16. झरने की आवाज-4
17. आशा, इच्छा-2
18. संध्या, शाम-2
19. निराकार, भगवान-4
21. बुझाना, शांति-3
22. अभिप्राय-4
24. आंचल-3
25. घोड़ागाड़ी-2
27. उष्ण-3
28. पिता के पिता-2
29. पंक्ति-3
30. तहजीबदार-5

ऊपर से नीचे
1. कथा कहने वाला-5
2. चित, जी-2
3. कार्यशाला, यंत्रालय-4
4. माहिर, दक्ष-3
5. आकाश, गगन-2
7. कारावास-2
9. योग्य-3
12. अनुमान, अंदाज-3
13. झगड़ा, कहासुनी-4
15. मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16. पक्षियों का शोर-4
17. राहत, विश्राम -3
18. मुसीबत, आफत -3
20. होशियार, चेतावनी-5
21. नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23. मगरमच्छ-3
24. दर, मूल्य-2
26. भूमि, धरती-2
28. पिता के पिता-2

शब्द पहेली -6387 का हल



सूडोकु नवताल- 6398

मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6397 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

हेलीकॉप्टर एयर शो की तैयारियों की कलेक्टर ने की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

नवा रायपुर में आयोजित राज्योत्सव के मौके पर सेंध लेक क्षेत्र में आयोजित होने वाले सारंग हेलीकॉप्टर एयर शो की तैयारियों को लेकर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट परिसर के सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारतीय वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारियों सहित जिला प्रशासन, नगर निगम तथा संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में एयर शो के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए की जा रही तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। शो के दौरान सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, चिकित्सा सुविधाओं, आपातकालीन सेवाओं और दर्शकों की सुविधा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक में आयोजन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने, यातायात का सुचारु संचालन सुनिश्चित करने तथा दर्शकों एवं अतिथियों की सुविधा के लिए आवश्यक प्रबंध करने पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान पुलिस सहायता, चिकित्सा सुविधाओं, आपातकालीन सेवाओं, परिवहन व्यवस्था और पार्किंग प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा की गई। साथ ही ड्रॉप जोन की लेबलिंग, आयोजन स्थल पर प्रवेश एवं आवागमन की व्यवस्था तथा किसी भी आपात परिस्थिति से निपटने के लिए आवश्यक इंतजाम समय पर सुनिश्चित करने के संबंध में चर्चा की गई।

आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता पर चर्चा

बैठक में अतिथियों के आगमन एवं स्वागत, परिवहन और पार्किंग की समुचित व्यवस्था तथा एयर शो के व्यापक प्रचार-प्रसार से जुड़े विषयों की भी समीक्षा की गई। आयोजन में शामिल होने वाले अतिथियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और दर्शकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक प्रबंध करने पर बल दिया गया। साथ ही आयोजन स्थल पर चिकित्सा सहायता एवं अन्य आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा संबंधित टीमों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने के महत्व पर भी चर्चा हुई।

एयर शो आकर्षण का केंद्र रहेगा

राज्योत्सव के अवसर पर आयोजित होने वाला सारंग हेलीकॉप्टर एयर शो राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण आकर्षण होगा। इसे देखते हुए आयोजन से संबंधित सभी तैयारियों की नियमित समीक्षा, विभागीय जिम्मेदारियों का प्रभावी निर्वहन और समय पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बैठक में निगम आयुक्त संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिस्वरंजन, भारतीय वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारी तथा स्वास्थ्य विभाग, एनआरडीए, परिवहन, लोक निर्माण विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

चक्रवाती तूफान बदलेगा राज्य का मौसम, बस्तर में भारी बारिश के आसार

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

ठंड के आगमन के बाद अक्टूबर के अंतिम दिनों राज्य के मौसम में बदलाव होने की संभावना है। बंगाल की खाड़ी में आने वाले चक्रवाती तूफान के असर बस्तर में भारी से अतिभारी बारिश भी हो सकती है। मौसम तंत्रिका में बदलाव से आने वाली नमी से न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होने के आसार हैं। अभी राज्य का न्यूनतम तापमान 21 डिग्री से नीचे हो चुका है और सरगुजा इलाके में ठंड का असर अच्छा होने लगा है। पिछले तीन चार दिन से राज्य में शुष्क और ठंडी हवा का आगमन हो रहा था, जिससे न्यूनतम तापमान गिरावट हो रही थी। इससे देर रात से सुबह तक ठंड का अहसास हो रहा था। शनिवार को बंगाल की खाड़ी में अवदाब तैयार हो चुका है। इसके दो दिन में चक्रवाती तूफान में बदलने और उसका असर व्यापक होने की संभावना है। इसके प्रभाव से अक्टूबर के अंतिम दिनों यानी 27-28 को बस्तर के कुछ एक इलाकों में भारी से अतिभारी बारिश होने की संभावना बन रही है।

मान्यता के विवादों में फंसा नर्सिंग एडमिशन

रायपुर। अप्रूवल और मान्यता के चक्कर में नर्सिंग कालेजों में एडमिशन का मामला फंस गया है। स्थिति स्पष्ट नहीं होने की वजह से अगले छह दिनों में काउंसिलिंग कर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करना संभव नहीं है। नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल ने नर्सिंग काउंसिल के अप्रूवल के बिना 28 कालेजों को प्रवेश के लिए मान्यता दी है। इसमें शर्तें जोड़ी गई है कि आईएनसी की स्वीकृत क्षमता के अलावा अतिरिक्त सीटों को मान्य नहीं किया जाएगा, जिस पर संशय की स्थिति बन गई है। नर्सिंग कालेजों में प्रवेश के लिए 31 अक्टूबर अंतिम तारीख तय की गई है। मान्यता वाली अंतिम सूची जारी नहीं होने की वजह से यह अब तक पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाया है।

चोट एवं जलने के बाद घाव की प्लास्टिक सर्जरी
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

PRADIKSHA HERBAL दर्द अनेक, उपचार एक!
प्रदिक्षा आर्थो ऑयल


घुटने का दर्द, साइटिका, गाठिया, हड्डियों का दर्द, मांसपेशियों में सूजन, जकड़न, आमवात, संधिवात और मोच में भी लाभदायक एक बार अवश्य आजमायें।
Custmer Care - 9112637000, 9823286830

MushroomAD
Mushroom Soup Powder
हेल्थी बॉडी, कॉन्फिडेंस रेडी
लाखो ग्राहकों का विश्वास


MADE IN INDIA
भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाला मशरूम उत्पाद
मशरूम के प्राकृतिक गुणों से भरपूर

• भूख व वजन बढ़ाने में सहायक
• दुबलेपन को दुर करने में सहायक
• प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक
• गैस तथा एसिडीटी के लिए भी लाभदायक
• उर्जावान बनाने व कॉन्फिडेंस बढ़ाने में सहायक
कमजोरी हटाने व नया खुन बनाने में सहायक
सभी मेडिकल्स में उपलब्ध. For More details Trade Enquiry 9373556677, 9823286830
SS - पंकज मेडीकोज, बिलासपुर -6261187686, नथानी एजेन्सी, रायपुर - 7746032260, राजनांदगाव - महेश एजन्सी-7000616262, ताराचंद चितलांसीया । कं. -8889669996

संजीवनी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स
यूनिट - 1, 2, 3 एंड 4
अत्याधुनिक सुपरस्पेशलिटी सुविधाएँ, एक ही छत के नीचे!
• कैंसर, हृदय, मस्तिष्क, किडनी, गैस्ट्रो, हड्डी, फेफड़े, स्त्री रोग, रक्त रोग
• सभी मेडिकल व सर्जिकल ट्रीटमेंट, इमरजेंसी व ICU (क्रिटिकल) केयर
• सभी ओपन, लैप्रोस्कोपिक व रोबोटिक सर्जरी
• कैंसर सर्जरी, कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी एवं ब्रेकीथेरेपी
• डायलिसिस व किडनी ट्रांसप्लांट
• कैथ लैब, ओपन व इंडोस्कोपिक हार्ट सर्जरी
• ब्रेन व स्पाइन हेतु न्यूरो माइक्रोस्कोप व नेविगेशन
• सभी गैस्ट्रो एंडोस्कोपी, ERCP, EUS, ब्रॉन्कोस्कोपी
• सभी पेन, पैलिएटिव, सपोर्टिव केयर व होम केयर
• CT, MRI, PET स्कैन व न्यूक्लियर स्कैन
24 × 7 EMERGENCY आपातकालीन सुविधा
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर, 7389905010, 04010

पेट एवं आंतों की जटिल बीमारियों के लिए विशेषज्ञ सर्जिकल परामर्श
डॉ. विवेक केशरवानी
लैप्रोस्कोपिक एवं गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी विशेषज्ञ

(NABH से मान्यता प्राप्त)
सुयश हॉस्पिटल
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड, रायपुर
Ajay 9827144371

ओम हॉस्पिटल
स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग
हाई रिस्क प्रेगनेंसी (गर्भावस्था संबंधित जटिलताओं का संभव सफलतापूर्वक ईलाज)
नार्मल एवं सिजेरियन डिलीवरी की सुविधा
बांझपन का ईलाज
बच्चेदानी एवं अंडेदानी संबंधित सभी बीमारीयों का ईलाज
महादेवघाट रोड, रायपुरा चौक, रायपुर (छ.ग.) 8370008551
खरोरा रोड़,तिल्दा (छ.ग.) 9302734809
सरायपाली (छ.ग.) 8370008558
जगदलपुर (छ.ग.) 8435908123
#Rajesh

Hero


HF Deluxe
बाइक दमदार दाम शानदार
एक्स-शोरूम कीमत
₹59 999/-* (सेल्फ़-स्टार्ट)
*नियम व शर्तें लागू.
कम डाउन पेमेंट | ₹5999/-*
Hero GoodLife सोने का सिक्का जीतने का मौका*
pine labs कैशबैक ₹5 000/- तक*
TOLL FREE 1800 266 0018
INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply
Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II. New Delhi-110070, India. ICIN: L35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ^Finance offers are at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. *Offer valid only on purchase of new Hero Two Wheeler & Hero GoodLife Enrollment on the corresponding purchase till 31st Aug. 2026. #The Cashback of 5% upto ₹5000 is applicable on the transaction between ₹30 000 to ₹1 00 000. The new revised ex-showroom price is valid for a limited period only. Hero MotoCorp reserves the right to modify or withdraw any or all offers without prior notice. *Ex-showroom price of HF Deluxe Canvas Self start variant applicable in Chhattisgarh.*Terms & Conditions apply.
अधिकृत डीलर: बिलासपुर: सत्या हीरो 9289922464, गैलेक्सी हीरो, 9289922706, अंबिकापुर: आनंद हीरो, 9289922359, सरगुजा हीरो, 9289923110, कोरबा: शांति हीरो, 9289922813, छत्तीसगढ़ हीरो, 9289923057, रायगढ़: गोयल हीरो, 9289922373, आदित्य हीरो, 9289923091, जांजगीर: आनंद हीरो, 9289922772, बैकुंठपुर: आर.के. हीरो, 9289922812, जशपुर: आकाश हीरो, 9289922909, एसोशिएट डीलर: खड़गांव: बंसल ऑटो एजेंसी, 7000103415, चौरा: ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सरिया: अग्रवाल ऑटो सेण्टर, 9993121909, गौरेला: श्री माँ नर्मदा मोटर्स, 7587796622/7587796611, सनावल: सोनी ऑटोमोबाइल्स, 9479235816, रतनपुर: माँ महामाया मोटर्स, 9754240437/8839972027, बलोदा: श्री कमला ऑटो, 9926515216, मरवाही: राहुल ऑटोमोबाइल्स, 8889467369/8719087320, मुंगेली: महावीर, 9993855199, मनेन्द्रगढ़: विवेक ट्रेडर्स, 6261178785, कटघोरा: श्री शारदा एंटरप्राइज, 9809809925, शिवरीनारायण: सुल्तानिया ऑटो केयर, 9407600319, सक्ती: गोयल ऑटो, 9303571001/7000490324, खरसिया: विजय ऑटो एजेंसी, 9993093829, सीतापुर: श्रीराम हीरो, 7000043001, पत्थलगांव: ज्योति ऑटो, 9406399000, सारंगढ़: गोपाल ऑटो सेंटर, 9827893203, सूरजपुर: आशा ऑटोमोबाईल्स, 9826440096, अकलतरा: श्री ऑटो, 9424174274, कोटा: उर्मिला मोटर्स, 9340252857, श्री पुष्कर मोटर्स, 6268000180/8718888789, रामानुजगंज: प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 8827674000, बाराद्वार: दुर्गा ऑटो एजेंसी, 8319982160, उदयपुर: बंसत ऑटोमोबाईल्स, 9406022927, तपकरा: प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 7354334545/7999851514, प्रतापपुर: तायल ऑटोमोबाईल्स, 9617218005, पटना: आयुश ऑटोमोबाईल्स, 8839141926, पाली: आनंद ऑटोमोबाईल्स, 7089519999, राजपुर: महामाया एजेंसी, 9516209272/9340726288, मदनपुर: ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सीपत: मेसर्स गणेश मोटर्स, 9993194005, महापाली: साहू ऑटोमोबाईल्स, 7746028455, लखनपुर : पीएन ऑटोमोबाइल्स, 8839193005, बटौली : इक्छा ऑटोमोबाइल्स, 8770232677, कुसमी: बोल्बम ऑटो, 8120191597, विश्रामपुर: ख़ुशी ऑटोमोबाइल, 9826775718, झरगांव: ऐबानी मोटर्स, 7849000000, रामानुजनगर : जयसवाल ऑटो , 9926015773, बलंगी: नमो ऑटोमोबाइल्स, 9977876863, भैयाथान: आनंद ऑटोमोबाइल्स, 9977221111, प्रेमनगर: मानस ऑटोमोबाइल्स, 9131301594, लोरमी: महेश मोटर्स, 7974700929, खैरागढ़: पुष्पक बिक्री, 9425554343, भानपुरी: अपराशा ऑटोमोबाइल्स, 9981009491, ऐडिशनल वर्कशॉप: अम्बिकापुर: आनंद ऑटोमोबाईल्स, देवीगंज, 7771008601/9289922359, जेन्युइन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्ट: ओरियन ऑटोव्हील्स, 07752-252088, अधिकृत सिटी वर्कस्: उरगा: बालाजी सर्विस स्टेशन, 279600, डीलर एक्सटेंशन काउंटर: बिलासपुर (सकरी): सत्या सर्विसेज़, 9111107951, गैलेक्सी हीरो (जगमल चौक) 8085152612, चम्पा: आनंद हीरो, 7909901444, कोरबा: शांति हीरो, 7440299000, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) बिलासपुर: सत्या हीरो, 9289922464, खड़गांव: बंसल ऑटो एजेंसी, 7000103415.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com